श्रावण मास की शुभकामनाएं

13 अगस्त 2024 मंगलवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

पटना में प्रदर्शन कर रहे शिक्षक अभ्यर्थियों को पुलिस ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा 2

बिहार के जहानाबाद जिले के मखदुमपुर स्थित वाणावर बाबा मंदिर में रविवार देर रात करीब 1 बजे हुई दु:खद घटना

सिद्धेश्वरनाथ मंदिर में भगदड़ से 07 श्रद्धालुओं की मौत

- मृतकों में पांच महिलाएं शामिल, हादसे में 12 से अधिक श्रद्धालु हुए हैं घायल, कई की हालत नाजुक
- सीढ़ी पर कुछ श्रद्धालुओं के बीच हुई भिड़ंत के बाद पुलिस के लाठी भांजने से भगदड़ की बात आई सामने

केटी न्यूज/पटना-जहानाबाद

सावन के चौथे सोमवार को बिहार के जहानाबाद में भगवान शिव के जलाभिषेक के वक्त भगदड़ मचने से बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में सात श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में पांच महिलाएं हैं। इस हादसे में 12 से अधिक श्रद्धालु घायल भी हो गए हैं। इनमें से कई श्रद्धालुओं की हालत नाजुक है। यह घटना जहानाबाद के मखदुमपुर स्थित वाणावर बाबा सिद्धेश्वरनाथ के मंदिर की है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस और आपदा राहत टीम ने मृतकों का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं घायलों को इलाज के लिए अलग अलग अस्पतालों में भर्ती कराया है।

पुलिस के मुताबिक यह श्रद्धालु भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए मंदिर में इकट्ठा हुए थे। हालांकि अब तक साफ नहीं हो सका है कि मंदिर में भगदड़ कैसे मची। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। जहानाबाद के एसएचओ दिवाकर विश्वकर्मा ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही खुद एसपी और डीएम ने घटनास्थल का मुआयना किया है। उन्होंने बताया कि हादसे के कारणों की जांच कराई जा रही है।

परिजन बोले... पुलिस तत्पर होती तो नहीं होता बड़ा हादसा

बताया जाता है कि पतालगंगा की ओर जो सीढ़ी जाती है उसपर भारी संख्या में श्रद्धालु चढ़ और उतर रहे थे। इसी बीच सीढ़ी पर ही कुछ श्रद्धालुओं (कुछ लोग इन्हें फूल वाला बता रहे) के बीच भिड़ंत हो गई। पुलिसकर्मियों ने हालात पर काबू पाने की कोशिश की। पुलिस की लाठी देख लोग इधर-उधर भागने लगे। इस दौरान कई लोग एक दूसरे के ऊपर चढ़कर जा रहे थे। जिसमें कई लोग घायल हो गए और पांच महिला समेत सात लोगों की मौत हो गई। श्रद्धालुओं के परिजनों का कहना है कि अगर पुलिस प्रशासन तत्पर होती तो इतना बड़ा हादसा नहीं होता। वहीं वरीय पुलिस अधिकारी का कहना है कि हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से भी पूछताछ की जा रही है। मामले की उच्च स्तरीय जांच चल रही है। जो भी दोषी होंगे उनपर कार्रवाई की जाएगी।

प्रत्यक्षदर्शी बोला... पुलिस के लाठी भांजने से मची भगदड़

अन्य घायलों के मुताबिक वैसे तो इस मंदिर में साल के 365 दिन श्रद्धालुओं की भीड़ रहती है, लेकिन सावन के महीने में यह भीड़ और बढ़ जाती है। खासतौर पर सोमवार को मंदिर में जल चढ़ाने के लिए भक्तों की लंबी कतार लगती है। इस बार भी सावन के चौथे सोमवार को भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए रविवार की रात 10 बजे से ही कतार लगनी शुरू हो गई थी। साढ़े 12 बजे के बाद लोग शिवलिंग की ओर बढ़ने लगे। इतने में भगदड़ मची और यह हादसा हो गया। एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि मंदिर के पास फूल बेचने वाले एक माली से झगड़ा हुआ था। जिसके बाद पुलिस द्वारा लाठीचार्ज की गई इसके बाद भगदड़ हो गई। इसके कारण कई लोग एक दूसरे पर गिरते चले गए। इसमें दबने से 7 लोगों की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शी की मानें तो मौके पर प्रशासन की टीम नहीं थी। पुलिस प्रशासन की लापरवाही से यह घटना घटी है।

सीएम ने हादसे पर जताया दुख परिजनों को मुआवजे का ऐलान

हादसे पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख देने की घोषणा की। साथ ही घायलों के इलाज के भी निर्देश दिए हैं। मरने वालों की पहचान नालंदा जिला के इस्लामपुर अंतर्गत संडा मुबारकपुर निवासी सजीवन पासवान के पुत्र प्यारे पासवान (30), जहानाबाद के एरकी खगड़िया बीघा निवासी संजीव यादव की पत्नी निशा देवी (30), गया के टेकरी मऊ निवासी जितेंद्र साव की पत्नी पूनम देवी (30), सुभाष प्रसाद, लड्डुआ मखदुमपुर निवासी सुभाष प्रसाद की पुत्री निशा कुमारी (21), मसौढ़ी के नदौल अंतर्गत गोल्हा बीघा निवासी राजू कुमार की पत्नी सुशीला देवी (64), जहानाबाद के पाली अंतर्गत काको के महादेव पुर निवासी बिंदेश्वरी यादव की पत्नी बबिता कुमारी (34) के रूप में की गई है। साथ एक 33 वर्षीय महिला की भी इस घटना में मौत हो गई है, जो फिलहाल अज्ञात है।

भगवान का दर्शन पूजन करें लेकिन सावधानी से : गिरिराज

बाबा सिद्धनाथ मंदिर में हुई भगदड़ पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, सावन के महीने में भगवान शिव भक्तों की संख्या बढ़ गई है और लोगों में भगवान को जल चढ़ाने और दर्शन करने की जल्दी है। भीड़ बढ़ने की वजह से मंदिर में एक साथ जाने और निकलने की वजह से ये घटना घटी, वहां व्यवस्था तो थी लेकिन लोगों में सब्र की कमी थी मैं लोगों से अपील करूंगा कि वह भगवान के दर्शन और जल चढ़ाएं लेकिन सावधानी से करें। मैं मृतक के परिवरों के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं, भगवान उन्हें ये कष्ट सहने की शक्ति दें। वहीं जदयू के जिलाध्यक्ष दिलीप कुशवाहा ने श्रद्धालुओं की मौत पर दुख जताया। उन्होंने कहा, मंदिर में भदगड़ की जानकारी मिली थी। मौके पर पहुंचे तो पता चला कि लगभग 7 लोगों की मौत हो गई। घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए सीधे तौर पर प्रशासन दोषी : एबीवीपी

आखिल भारतीय विधार्थी परिषद ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए सीधे तौर पर जहानाबाद प्रशासन को दोषी ठहराया है। परिषद के विभाग संयोजक गोपाल शर्मा ने कहा कि सिद्धनाथ मंदिर में सावन के महीने में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने का अनुमान प्रशासन को पहले से था। लेकिन प्रशासन ने इस संभावित चुनौती को गंभीरता से नहीं लिया और ना ही उपयुक्त प्रबंध किए। प्रशासन ने इस स्थिति को संभालने के लिए पर्याप्त सुरक्षाबलों की तैनाती नहीं की, बल्कि उन्होंने केवल कुछ एनसीसी कैडेट्स पर भरोसा किया, जो भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अपर्याप्त थे। यह प्रशासनिक लापरवाही का मामला है, जिसने इस त्रासदी को जन्म दिया। विद्यार्थी परिषद ने इस दुखद घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। जिला सह संयोजक सुरजीत कुमार ने विशेष जांच टीम गठित करने की मांग की है, जो इस मामले की तह तक जाकर दोषियों की पहचान कर सके।

शंभू बॉर्डर के दोनों साइड से 1-1 लेन को खोलने का सुप्रीम कोर्ट का आदेश

एजेंसी/नई दिल्ली

शंभू बॉर्डर खोलने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने शंभू सीमा पर सड़कों को आंशिक रूप से फिर से खोलने के लिए पंजाब, हरियाणा के डीजीपी को आसपास के जिलों के एसपी के साथ एक सप्ताह में बैठक करने का निर्देश दिया है। शंभू बॉर्डर को खोलने संबंधी मामले में हरियाणा सरकार ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सोमवार को कोर्ट में इस मामले पर सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने शंभू बॉर्डर को आंशिक रूप से खोलने को कहा है। एंबुलेंस, सीनियर सिटीजन्स, महिलाओं, छात्रों आदि के लिए हाइवे खोलने के आदेश दिया। अदालत ने कहा कि दोनों साइड से एक-एक लेन खुलेगी। साथ ही पंजाब और हरियाणा के पुलिस अफसरों को एक हफ्ते में इस संबंध में मीटिंग कर मॉडलिटी तय करने को कहा है।

असम और तमिलनाडु में सड़क हादसा, 10 लोगों की गई जान

रफ्तार का कहर

एजेंसी/नई दिल्ली

असम के कोकराझार जिले में सोमवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक ने पहले श्रद्धालुओं और फिर एक कार को टक्कर मार दी, जिससे पांच लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गोसाईगांव थाना क्षेत्र के कचुगांव में राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर महामाया मंदिर के पास तेज रफ्तार ट्रक ने श्रद्धालुओं को टक्कर मार दी, जिससे पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया और उसने बिश्मुरी में एक कार को टक्कर मार दी, जिससे वाहन में सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घटना में मारे गए लोगों की पहचान सुकरन रॉय (20), जय रॉय (11), बप्पी घोष (21), बासुदेव रॉय (22) और नभ घोष (26) के रूप में की गई है, जो गोसाईगांव उप-मंडल के अंतर्गत हातीगढ़ गांव संख्या एक के निवासी थे। पुलिस के अनुसार, घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी दोनों दुर्घटना स्थल के लिए रवाना हुए। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

तमिलनाडु में ट्रक और कार की टक्कर में पांच छात्रों की मौत

तमिलनाडु में हुए एक दर्दनाक हादसे में कम से कम पांच कॉलेज छात्रों की मौत हो गई। जबकि 2 छात्रों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार एक ट्रक इनकी कार से टकरा गया। ये हादसा चेन्नई-तिरुपति हाईवे पर हुआ है। आंध्र प्रदेश के छात्र किराए की एमयूवी लेकर तिरुवन्नामलाई से लौट रहे थे। केके चत्रम पुलिस के अनुसार, जिस कार में छात्र यात्रा कर रहे थे, वह तिरुत्तनी के पास चेन्नई-तिरुपति राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक लॉरी से टकरा गई। पुलिस ने कहा कि पीड़ित एक निजी विश्वविद्यालय के छात्र थे।

महिला डॉक्टर की दुष्कर्म-हत्या की घटना के विरोध में हड़ताल पर रहे देश भर के डॉक्टर

एजेंसी/कोलकाता

कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म-मर्डर के बाद डॉक्टरों का गुस्सा फूट पड़ा है। घटना को लेकर देशभर में रेजिडेंट डॉक्टर्स ने हड़ताल का ऐलान कर दिया है। महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक डॉक्टर्स हड़ताल पर चले गए हैं और इसकी वजह से मरीजों को काफी ज्यादा परेशानी भी उठानी पड़ रही है। जूनियर डॉक्टर्स, ट्रेनी और पोस्टग्रेजुएट ट्रेनी डॉक्टर्स की हड़ताल के कारण अस्पतालों में सेवाएं बाधित रहीं।

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि अगर पुलिस आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर की हत्या का मामला रविवार तक सुलझाने में विफल रही तो जांच सीबीआई को सौंप दी जाएगी। ममता ने कहा कि हम चाहते हैं कि आरजी कर अस्पताल में महिला चिकित्सक की हत्या के मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में हो।

अब पुल-पुलिया के स्ट्रक्चर बनाने के लिए लेनी होगी एनओसी

जल संसाधन विभाग का फैसला

केटी न्यूज/पटना

बिहार में एक के बाद एक पुलों के गिरने के बाद अब जल संसाधन विभाग ने बड़ा फैसला लेते हुए पुलों के निर्माण के लिए नया एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) बनाया है। अब तय मानक के तहत ही पुल-पुलिया का निर्माण किया जाएगा। पूरे बिहार में कहीं भी पुल-पुलिया के स्ट्रक्चर बनाने के लिए अब जल संसाधन विभाग से एनओसी लेनी होगी। जल संसाधन मंत्री के मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि एसओपी बनने के बाद अब पुल पुलिया के स्ट्रक्चर डिजाइन के लिए पहले स्वीकृति लेनी होगी। बिहार में स्थाई रूप से इस नियम को लागू किया जाएगा। बिना एनओसी के पुल पुलिया नहीं बन पाएगा।

जल संसाधन विभाग के एसओपी को लेकर

मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि जल संसाधन विभाग के बने एसओपी को बिहार सरकार के हर विभाग को फॉलो करना होगा। बिहार में बनने वाले सभी पुल पुलिया का निरीक्षण जल संसाधन विभाग के अधिकारी करेंगे। हर पुल-पुलिया का निर्माण एनएसएएल बिंदु से करना जरूरी होगा। हर निर्माण में एक एनएसएल पॉइंट होता है जहां पर नेचुरल मिट्टी पाई जाती है। पुल-पुलिया के निर्माण में पिलर को गाद से नीचे पिलर बेस लेवल तक बनाना होगा। इस नियम का अनिवार्य रूप से पालन करना होगा। इसके लिए जल संसाधन विभाग के पदाधिकारी पर जवाबदेही भी तय की गई है।

सीएम नीतीश कुमार के निर्णय पर तैयार किया गया एसओपी

मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि बिहार में लगातार पुलों की गिरने की घटना के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस मामले को खुद संज्ञान में लेते हुए समीक्षा बैठक की थी। उनके निर्णय पर ही एसओपी तैयार किया गया है। मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि जल संसाधन विभाग ने ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, पथ निर्माण विभाग समेत अन्य निर्माण से जुड़े विभागों को एनओसी दिया करती थी। एनओसी नए नियम के मुताबिक नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट के साथ अब निर्माण से जुड़े विभाग को एसओपी का पालन करना होगा। जल संसाधन विभाग के एसओपी का पालन हर हाल में लागू करना होगा।

अभिनेता राजपाल यादव के करोड़ों की संपत्ति कुर्क की गई

शाहजहांपुर। बॉलिवुड के चर्चित अभिनेता राजपाल यादव को बड़ा झटका लगा है। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में स्थित उनकी करोड़ों रुपये कीमत की संपत्ति को कुर्क कर दिया गया है। लोन की रकम नहीं चुका पाने की वजह से बैंक ने यह एक्शन लिया है। शाहजहांपुर के बड़ा थाना क्षेत्र के मूल निवासी राजपाल ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कंपलेक्स ब्रांच के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया से काफी कर्ज लिया हुआ था। उन्होंने अपने पिता नौरंग यादव के नाम से जमीन और भवन को बैंक को गारंटी बनाया था। लोन नहीं चुका पाने की वजह से यह कार्रवाई की गई है।

मुख्यमंत्री ने केन बेतवा लिंक परियोजना की समीक्षा की, अधिकारियों को दिये निर्देश

बांधों के डीसिल्टिंग का कार्य तेजी से पूरा करें: सीएम योगी

- बोले सीएम- आगरा में रबर डैम के लिए तैयार करें कार्ययोजना
- सरयू के तेज बहाव और सिल्ट से अयोध्या को न हो नुकसान, आईआईटी की मदद से तैयार करें कार्ययोजना

केटी न्यूज/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को केन बेतवा लिंक परियोजना की समीक्षा की। इस दौरान सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को उन्होंने आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और

भारत सरकार के बीच इस परियोजना को लेकर एमओयू हुआ है। इस परियोजना से उत्तर प्रदेश के 2.51 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई की सुविधा मिलेगी। इसमें बांदा, महोबा, झांसी और ललितपुर जनपदों को लाभ मिलेगा। 221 किमी लंबी केन बेतवा लिंक चैनल में से यूपी में 21 किमी लिंक चैनल का निर्माण प्रस्तावित है। इसके लिए 271 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता है। इसके लिए केन बेतवा लिंक नहर निर्माण खंड 2 के अधिशासी अभियंता को नोडल बनाया गया है।

तराई की नदियों को चैनलाइज करने का दिया निर्देश

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन बेतवा लिंक परियोजना से लाभान्वित होने वाले जनपदों में हमीरपुर को भी शामिल किया जाए। ऐसी व्यवस्था बने कि बांदा, महोबा, झांसी और ललितपुर जनपदों के साथ साथ हमीरपुर की कृषि भूमि को भी इस परियोजना का लाभ मिले। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बांधों के डीसिल्टिंग का कार्य तेजी से पूरा करें। उन्होंने आगरा में ताज के पास रबर डैम बनाने की जरूरत पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में सरयू नदी में करंट और सिल्ट ज्यादा है। ऐसे में एक बांध के जरिए इसे कम किया जा सकता है, जिससे भविष्य में कभी अयोध्या पर आने वाले किसी खतरे को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए आईआईटी से सलाह ली जा सकती है। उन्होंने तराई की नदियों को चैनलाइज करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही नदियों के डीसिल्टिंग के लिए विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के लिए कहा।

पटना में प्रदर्शन कर रहे शिक्षक अभ्यर्थियों को पुलिस ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

- बीपीएससी टीआरई में एक अभ्यर्थी एक रिजल्ट फॉमूर्ला लागू करने की मांग को लेकर हुआ प्रदर्शन
- अभ्यर्थियों ने हाथों में तिरंगा लेकर किया प्रदर्शन

केटी न्यूज/पटना

बिहार लोक सेवा आयोग की ओर ली गई शिक्षक भर्ती परीक्षा में एक अभ्यर्थी एक रिजल्ट की मांग को लेकर शिक्षक अभ्यर्थी सड़क पर उतर चुके है। बीपीएससी कार्यालय के पास शिक्षक अभ्यर्थी आगे बढ़ ही रहे थे कि पटना पुलिस ने उन्हें रोक लिया। पटना पुलिस ने पहले बीपीएससी अभ्यर्थियों को समझाने की कोशिश की। लेकिन, सभी अभ्यर्थी अपनी मांग पर अड़े रहे और हाथों में तिरंगा लेकर प्रदर्शन करते रहे। इसी बीच अचानक पटना पुलिस ने अभ्यर्थियों पर लाठी चार्ज कर दिया। छात्र नेता दिलीप कुमार के साथ पुलिस की नोंकझोंक हुई। पुलिसकर्मी प्रदर्शन करने से रोक रहे थे। पुलिसकर्मियों के धक्का से दिलीप कुमार सड़क पर गिरकर चोटिल हो गए। अभ्यर्थियों को पुलिस ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। इधर, अभ्यर्थियों के प्रदर्शन को रोकने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। बेली रोड पर अभ्यर्थियों को पुलिस ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। हाथ में तिरंगा लिए अभ्यर्थी लगातार एक एक अभ्यर्थी एक रिजल्ट की मांग कर रहे थे। छात्र नेता दिलीप कुमार ने कहा कि राज्य

सरकार हमारी आवाज को दबा नहीं सकती है। हमलोग बीपीएससी टीआरई में एक अभ्यर्थी एक रिजल्ट फॉमूर्ला लागू करने की मांग कर रहे हैं। इसमें गलत ही क्या है। बीपीएससी हमारी मांग पर ध्यान दे। वहीं बीपीएससी का कहना है कि हमलोगों एक अभ्यर्थियों को दो सीटों पर रिजल्ट देंगे। उच्च माध्यमिक और माध्यमिक में दोनों में। रिजल्ट देने के बाद अभ्यर्थी यह निर्णय लेंगे कि वह किस में जाना चाहते हैं। रिहा करने को लेकर अभ्यर्थी सड़क पर बैठ गए। इधर, पुलिस छात्र नेता दिलीप कुमार को थाने ले गई है। दिलीप कुमार को रिहा करने को लेकर अभ्यर्थी सड़क पर बैठ गए और नारेबाजी करने लगे। शिक्षक अभ्यर्थी एक बार फिर से ऑफिस की ओर बढ़ने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक लिया। पुलिस ने बल प्रयोग भी किया। शिक्षक अभ्यर्थियों का कहना है कि हमलोग शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे लेकिन पटना पुलिस ने हमलोगों की आवाज दबाने की कोशिश की। हमलोगों को बेरहमी से पीटा गया। विदित हो कि लगातार शिक्षकों पर हो रहे अत्याचार पर आक्रोश लगातार बढ़ता चला गया है।

महानंदा नदी में चार घर समाए, कटाव की जद में दर्जनों मकान

केटी न्यूज/ पूर्णिया

बिहार में महानंदा नदी पूरे उफान पर आ गई है और कहर बरपाना शुरू कर दिया है। पूर्णिया के बायसी प्रखंड क्षेत्र अन्तर्गत गांघर पंचायत के वार्ड संख्या 1 मालोपाडा, तेलंगा गांव में महानंदा नदी ने अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। तेजी से हो रहे कटाव के कारण चार घर नदी में विलीन हो गए है जबकि दर्जनों घर कटाव की जद में आ गए हैं। कटाव में अपना घर और जमीन गवां चुके ग्रामीणों ने बताया कि सैकड़ों एकड़ जमीन नदी में कटकर विलीन हो गया है। अपना जमीन नहीं रहने के कारण बेबस होकर बार-बार नदी किनारे में घर बसाना पड़ता है। इस स्थिति में हम लोगों को अब जीने का कोई आस नहीं है। जिंदगी से तंग आ चुके हैं।ग्रामीणों ने बताया कि मालोपाड़ा तेलंगा गांव में लगभग पांच हजार की आबादी है। ये सभी महानंदा नदी से घिरे हुए हैं। जिसमे गांव सहित मंदिर, मस्जिद, विद्यालय है। जिस तरह से महानंदा नदी में भीषण कटाव हो रहा है। आगे चलकर धार्मिक स्थल और बच्चों के पढ़ाई का स्कूल सहित गांव विलीन हो जाएगा।

सीएम नीतीश कुमार ने चार लोगों की मौत पर किया दुः ख व्यक्त

जुगाड़ गाड़ी पलटने से तीन लोगों की मौत शौहर के इंतकाल के बाद पत्नी भी चल बसी

- कटिहार के तेलता ओपी थाना क्षेत्र के बलरामपुर-तेलता मुख्य मार्ग पर हुई दुर्घटना
- तीनों लोग जुगाड़ गाड़ी पर सवार होकर धान बेचने पश्चिम बंगाल के टुन्नी दिग्घी जा रहे थे

केटी न्यूज/कटिहार

कटिहार में जुगाड़ गाड़ी अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई, जिससे तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गयी। इस हादसे में उन मृतकों में से एक की पत्नी को जैसे ही घटना की जानकारी मिली, उसकी भी मौत हो गई। घटना तेलता ओपी थाना क्षेत्र के बलरामपुर-तेलता मुख्य मार्ग की है। मृतकों की पहचान धनहरा के उत्तरी टोला निवासी मो. मुस्लिम, मो. वाजील अंसारी, मो. यासीन और मो. यासीन की पत्नी शाहजुन निशा के रूप में की गई है। दो की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि जुगाड़ गाड़ी पर सवार होकर सभी लोग धान बेचने पश्चिम बंगाल के टुन्नी दिग्घी जा रहे थे। तभी तेलता ओपी थाना क्षेत्र के बलरामपुर - तेलता स्थित मुख्य मार्ग पर अनियंत्रित होकर गाड़ी गड्ढे में पलट गई। इस घटना में मो.मुस्लिम, मो.वाजील अंसारी और मो.यासीन की दर्दनाक मौत हो गयी। जुगाड़ गाड़ी के पलटते ही आसपास के लोग वहां जुट गए और आननफानन में सभी तीनों को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल के डॉक्टर के अनुसार उनमें से दो की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि तीसरे की मौत अस्पताल आते-आते हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मो. यासीन की पत्नी शाहजुन निशा की हर्ट अटैक से मौत हो गई। घटना के बाद परिजन दहाड़ मारकर रोने लगे। घटना के बाद पुलिस शवों को पोस्टमोर्टम की प्रक्रिया में जुट गई।चार लोगों की मौत पर मुख्यमंत्री मर्माहत, मृतकों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कटिहार जिला के बलरामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत शाहीपुर इलाके में एक गाड़ी के अनियंत्रित हो जाने के कारण हुए सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने इस घटना को काफी दुखद बताया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दिवंगत आत्मा की चिर शान्ति तथा उनके परिजनों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

बागमती नदी में दो बच्चे डूबे, एक को ग्रामीणों ने बचाया

शिवहर। लगातार हो रही बारिश के कारण बिहार में करीब-करीब सभी नदियां उफान पर आ गई हैं। जलस्तर बढ़ने के बावजूद लोग स्नान करने के लिए नदियों में उतर जा रहे हैं और मौत के शिकार हो रहे हैं। ताजा मामला शिवहर से सामने आया है, जहां बागमती नदी में दो बच्चों के डूबने से हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक, पिपराही थाना क्षेत्र के डुब्बा घाट पर यह हादसा हुआ है। दो बच्चे बागमती नदी में डूब गए हैं। बच्चों को डूबता देख ग्रामीणों ने तत्परता दिखाई और एक बच्चे को डूबने से तो बचा लिया लेकिन दूसरा बच्चा गहरे पानी में चला गया, जिसकी तलाश जारी है।बचाए गए बच्चों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से डॉक्टरों ने उसे एसकेएमसीएच मुजफ्फरपुर रेफर कर दिया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद एसडीएम अविनाश कुणाल और एसडीपीओ अनिल कुमार मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया है।

अरे गजब... मामी बन गई पति व भांजी पत्नी, दोनों ने मंदिर में लिये सात फेरे, हर तरफ हो रही चर्चा

केटी न्यूज/पटना

गोपालगंज जिले के कुचायकोट प्रखंड के बेलवा गांव में सावन की चौथी सोमवार को एक अनोखी शादी देखने को मिली है। मामी और भांजी ने एक दूसरे के साथ शादी कर ली। इस शादी में मामी वर बनने का चुनाव किया और भांजी वधू बन गई। कुचायकोट प्रखंड के बेलवा गांव की शोभा कुमारी ने अपनी ही भांजी सुमन कुमारी के साथ सात फेरे लिए। इसके बाद चारों तरफ इसी शादी के चर्चे हो रहे हैं। मंदिर में भगवान को साक्षी मानकर लोगों के सामने मामी और भांजी ने सबसे पहले एक दूसरे को माला पहनाया, सात फेरे लिए और फिर एक दूसरे के साथ जीने और मरने की कसमें भी खाईं। शादी के बाद दोनों ने कहा कि आज हमलोग शादी के बंधन में बंध गए। हमलोग जियेंगे और मरेंगे भी साथ में। यह शादी सोमवार को कुचायकोट थाना के सासामुसा रेलवे स्टेशन के पास दुर्गा मंदिर में संपन्न हुई। बताया जा रहा है कि गोपालगंज जिले के मामी शोभा कुमारी ने बताया कि उनका अपनी ही भांजी के साथ पिछले दो सालों से इश्क चल रहा था और इसके बाद उन लोगों ने एक दूसरे के साथ शादी करने का फैसला किया। भांजी सुमन ने भी कहा कि उसकी मामी कभी उसका साथ नहीं छोड़ेंगी। दोनों एक दूसरे के साथ जिंदगी भर रहेंगी और उन्हें इस बंधन से अब कोई भी अलग नहीं कर सकता।

खाना खाने के बाद एक ही परिवार के दो बच्चों की बिगड़ी तबीयत, इलाज के दौरान गई जान

केटी न्यूज/छपरा

छपरा के भेल्डी थाना क्षेत्र अंतर्गत कोरिया पंचायत के कोरिया गांव में एक ही परिवार के दो बच्चों की मौत का मामला प्रकाश में आया है। दो बच्चों की तबीयत रात में खाना खाने के बाद बिगड़ गई। इलाज के दौरान मौत हो गई। दोनों भाई बहन बताये जा रहे है। हालांकि स्थानीय चिकित्सकों ने दोनों की मौत का कारण डायरिया बताया गया है। घटना के बाद अमनौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों को जब इसकी सूचना मिली तब भेल्दी थाना क्षेत्र के कोरेया गांव एक टीम पहुंच कर सभी बच्चों का जांच करने में जुट गई। हालांकि इन दोनों के अलावा किसी और बच्चे को किसी तरह की कोई बीमारी की सूचना नहीं मिल पाई है। लेकिन चिकित्सको की एक टीम एहतियात के तौर पर कोरेया गांव में जमी हुई है। मौके पर पहुंचे चिकित्सक ने बताया कि दोनों मासूमों की मौत किस कारण से हुई है, अभी कुछ भी बोलना जल्दबाजी होगी। हालांकि जांच के लिए दोनों का सैंपल लिया गया है, जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही स्पष्ट हो सकता है। भेल्दी थाना क्षेत्र के कोरेया गांव में उल्टी और दस्त होने से एक ही घर के तीन मासूम बच्चे अचानक बीमार हो गए। जहां कुछ ही घंटे में शुरुआती इलाज के बाद दो मासूम की मौत हो गई। जबकि एक गंभीर अवस्था में इलाजरत है। मृतक भेल्दी थाना क्षेत्र के कोरेया गांव के नन्हक भगत के पुत्र 3 वर्षीय शुभम कुमार व 5 वर्षीय पुत्री ज्योति कुमारी बताई गई है। स्थानीय चिकित्सक से परिजनों ने इलाज करवाना शुरू किया। हालांकि दोनों मासूम भी उल्टी और दस्त करने लगे। परिजनों द्वारा स्थानीय चिकित्सकों के पास ले जाने के बाद दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए गड़खा अस्पताल रेफर कर दिया गया। लेकिन वहां के चिकित्सको ने मृत घोषित कर दिया।

मोतिहारी में वार्ड सदस्य के पति की दिनदहाड़े हत्या

मोतिहारी। मोतिहारी में दिनदहाड़े वार्ड सदस्य से पति की हत्या कर दी गई। बाइक सवार तीन अपराधियों सोमवार दिनदहाड़े वार्ड पार्षद पति को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।बताया जा रहा है कि नौवाडीह पंचायत अन्तर्गत वार्ड नंबर सात के सदस्य के पति इशरोज अंसारी (35) घर लौट रहा था। पहाड़पुर में बेतिया-अरेराज मुख्य सड़क के नरकटिया कब्रगाह के पास सोमवार दोपहर अपराधियों ने उसे गोली मार दी। गोली लगते ही वह जमीन पर गिर गया। उन्हें अस्पताल ले जाते तब तक इशरोज ने दम तोड़ दिया था।

ऑस्ट्रेलिया और बिहार के बीच कृषि के क्षेत्र में नए आयाम की होगी शुरुआत

बोले कृषि मंत्री मंगल पांडेय... बिहार में कृषि क्षेत्र के विकास में ऑस्ट्रेलिया करेगा सहयोग

केटी न्यूज/पटना

बिहार के कृषि मंत्री मंगल पांडेय से ऑस्ट्रेलिया के महावाणिज्य दूत ड्यूग बॉयलान ने कृषि भवन में कृषि मंत्री के साथ बैठक की। इस अवसर पर सचिव, कृषि विभाग संजय कुमार अग्रवाल सहित कृषि विभाग के अन्य वरीय पदाधिकारीगण मौजूद रहे। महावाणिज्य दूत ह्यूग बॉयलान ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया में काफी संख्या में भारतीय लोग रहते हैं, जिनका ऑस्ट्रेलिया के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहता है। ऑस्ट्रेलिया भी बिहार के विकास में सहयोग करने को इच्छुक है। ऑस्ट्रेलियाई महावाणिज्य दूतावास कोलकाता में स्थित है और उनके द्वारा विश्व में मुक्त व्यापार तथा मुक्त व्यापार समाझौता जैसे अन्य विषयों पर कार्य किया जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया के कृषि अनुसंधान केन्द्र को कई विषयों पर शोध की विशेषज्ञता हासिल है। उन्होंने कहा कि बिहार में कृषि के क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया के साथ सहयोग की काफी संभावनाएं है। कृषि मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि ग्रीन हाउस प्रबंधन में तकनीकी प्रबंधन, जैव विविधता एवं सुरक्षा, हाइड्रोपोनिक, मखाना की हार्वेस्टिंग एवं प्रसंस्करण, लीची की सेल्फ लाइफ बढ़ाने तथा स्मार्ट पैकेजिंग तकनीक और मृदा स्वास्थ्य आदि विषयों पर सहयोग की असीम संभावनाएं हैं। उत्तरी बिहार में नदियों का जल प्रचुरता में है। मक्का एवं मखाना सहित कई कृषि उत्पादों में बिहार अग्रणी राज्य है। इन उत्पादों के भारत से निर्यात की संभावनाओं सहित कई अन्य विषयों पर ऑस्ट्रेलिया बिहार को सहयोग कर सकता है। माननीय कृषि मंत्री ने जानना चाहा कि ऑस्ट्रेलिया में संकर बीज उत्पादन के क्षेत्र में हुए अनुसंधान की जानकारी बिहार को उपलब्ध कराई जाए, ताकि बिहार में संकर बीज उत्पादन में मदद ली जा सके।बिहार कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने ऑस्ट्रेलिया द्वारा बिहार को कृषि के क्षेत्र में टाइम टेस्टेड सॉल्यूशन उपलब्ध कराने संबंधित संभावनाओं पर चर्चा की। बिहार में मखाना एवं मक्का उत्पादों की प्रचुरता की चर्चा करते हुए कृषि सचिव ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के कृषि के क्षेत्र में गुड प्रैक्टिसेज से बिहार के किसानों को लाभान्वित किया जा सकता है। इस वार्ता के क्रम में महावाणिज्यदूत ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया बिहार सरकार को सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली, कोल्ड चेन तकनीक, जैव विविधता, निर्यात तथा गव्य विकास में सहयोग कर सकता है। वहीं, कृषि मंत्री ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया और बिहार के बीच कृषि के क्षेत्र में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया जाए, ताकि आने वाले दिनों में ऑस्ट्रेलिया और बिहार के बीच कृषि के क्षेत्र में नए आयाम की शुरुआत की जा सके।

एक साल से गायब हैं दो स्कूलों के शिक्षक, डीएम ने सिमरी बीईओ से पूछा शो-कॉज

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में की गई। बैठक में डीएम ने बताया कि विभिन्न माध्यमों से यह जानकारी मिली है कि विद्यालयों में मुख्य रूप से पेयजल की समस्या है एवं भवन की मरम्मती की आवश्यकता है। जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि विभागीय मापदंडों के अनुसार समस्या का निदान कराना सुनिश्चित करें।

जिला प्रशासन द्वारा 31 जुलाई को जिला स्तरीय तथा प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों से जिलें के कुल 125 विद्यालयों की जांच कराई गई थी। इस दौरान पाई गई त्रुटियों व कमियों का निराकरण एवं दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए एक पखवाड़े के अंदर प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश डीएम ने डीईओ को दिया।

सिमरी बीईओ से पूछा गया स्पष्टीकरण : पदाधिकारियों के जांच के दौरान ही यह जानकारी मिली थी कि सिमरी प्रखण्ड के दो विद्यालयों के शिक्षक एक वर्ष से ज्यादा समय तक अनुपस्थित है। बावजूद विभाग द्वारा उनके विरूद्ध कार्रवाई नहीं किया गया है। डीएम ने इसे बेहद गंभीर मामला माना और बिना सूचना एक वर्ष तक गायब रहने वाले शिक्षकों पर कार्रवाई नहीं करने पर सिमरी बीईओ से शो-कॉज किया है। शो-कॉज का जबाव नहीं देने तक डीएम ने उनका वेतन भी स्थगित कर दिया।

लाइब्रेरी का उपयोग करने वाले बच्चों का मांगा नियमित प्रतिवेदन : समीक्षा बैठक के दौरान डीएम ने प्रत्येक प्रखंडों के उच्च विद्यालयों में पुस्तकालय विकसित किए जाने की समीक्षा की। जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि स्थानीय बच्चों के द्वारा हर दिन पुस्तकालय का उपयोग किया जाए। बच्चें पुस्तकालय में नियमित समय बिताए तथा पुस्तकों का अध्ययन कर ज्ञान अर्जित करें। साथ ही कितने बच्चे औसतन प्रतिदिन शाम के समय उक्त विकसित लाईब्रेरियों का उपयोग कर रहे है, इससे संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।

हर शनिवार को होता है शिक्षा संबंधित कार्यो का निराकरण : समीक्षा बैठक में सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि प्रत्येक शनिवार को उनके द्वारा शिक्षकों एवं शिक्षा से संबंधित आमजनों की समस्याओं की सुनवाई की जाती है। डीएम ने निर्देश दिया कि सुनवाई की तिथि एवं समय का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार कराते हुए अपने कार्यालय के मुख्य गेट पर इसका प्रदर्शन कराना सुनिश्चित करेंगे।

निविदा के कार्यों का प्रतिवेदन कराएं समर्पित

डीएम ने जिला शिक्षा पदाधिकारी बक्सर को निर्देश दिया कि अभियंत्रण कोषांग द्वारा किए जाने वाले कार्यों का निविदा करने, कार्य प्रारंभ करने तथा कार्य पूर्ण करने से संबंधित प्रतिवेदन समर्पित करना सुनिश्चित करेंगे। डीआरसीसी के सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सभी बीईओ के साथ छात्रों से संबंधित बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री स्वयं सहायता भत्ता एंव कुशल युवा प्रोग्राम में अधिक से अधिक छात्रों को लाभ दिलाने के लिए कार्य योजना की समीक्षा कर लाभान्वित छात्रों की संख्या में वृद्धि प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे।

एक नजर

अनुमंडलीय अस्पताल की सफाई पर बिफरे एसडीओ

डुमरांव। अनुमंडलीय अस्पताल की व्यवस्था सुधारने में प्रशासन पूरी तरह से लग गया है। डीएम अंशुल अग्रवाल ने सोमवार और मंगलवार को एसडीओ राकेश कुमार को जांच करने की जिम्मा सौंप है। पहले दिन एसडीओ जब जांच के पहुंचे तो कई खामियां उजागर हुई। पूर्व की जांच के दौरान एसडीओ ने सुधार करने का आदेश दिया था, लेकिन उसमें सुधार नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए इसे 24 घंटे के अंदर सही करने का निर्देश दिया। एसडीओ ने पहले सभी ओपीडी में बैठे डॉक्टरों से बात करते हुए मरीजों से बात की। उन्होंने मरीजों से पूछा कि कितने समय से कतार में खड़े हैं। कोई एक घंटा बताया तो कोई दो घंटा बताया। इस पर एसडीओ ने कहा कि डॉक्टर जब समय से बैठेंगे तो मरीजों को दो घंटा कतार में खड़ा हो इंतजार नहीं करना पड़ेगा। फिर उन्होंने आपातकालीन सेवा वार्ड का निरीक्षण किया, जिसमें का बेड पर प्रयोग किया चादर बिछा हुआ था, इस पर सभी की क्लास। फिर उन्होंने एक्स-रे विभाग का जायजा लिया। कताबद्ध मरीजों से बात कर फिर तकनीसियन से बात किया। उसे बताया कि मरीज का एक्स-रे करने में विलंब नं करें। वहां लागों के बैठने के लिए अतिरिक्त कुर्सी लगाने के लिए कहा। वहां से निकल उन्होंने चाईल्ड ओपीडी का निरीक्षण किया जहां डाक्टर तो बैठे थे, लेकिन उसी में बेड लगा हुआ था। इस पर डीएस की क्लास लगी। डीएस ने बताया की चिकित्सकों के विश्राम कक्ष को अलग शिफ्ट करते हुए चाईल्ड ओपीडी के लिए सुरक्षित किया जाए। फिर उन्होंने शौचालय के टूटे दरवाजा को नहीं बदले जाने पर बिफरते हुए कहा कि इसे पहले ठीक करने के लिए कहा गया था, लेकिन नहीं किया गया है। अगलीबार ऐसी गलती दोबारा नहीं होने की बात कही। फिर डीएस कक्ष में बैठ हाजिरी पंजी को देखा और डीएस से जारी ली।

बिहार को मिलना चाहिए विशेष राज्य का दर्जा

बक्सर। सोमवार को बक्सर जिला कांग्रेस कमीटी कार्यालय पर बिहार को विशेष राज्य का दर्जा की मांग को लेकर प्रथम अभियान के तहत प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। जिसे संबोधित करते हुए औरंगाबाद के विधायक सह प्रभारी बक्सर जिला कांग्रेस कमीटी आनंद शंकर सिंह ने कहा कि बिहार एक अति पिछड़ा राज्य है, जिसे विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए। जिससे बिहार का पिछड़ापन दूर हो सकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि आज पूरे बिहार में एक अभियान चल रहा है। बिहार को विशेष राज्य के दर्जा देने की मांग कांग्रेस की तरफ से हो रही है। श्री सिंह ने कहा कि केंद्र ने बिहार के साथ नाइंसाफी किया है और बिहार को एक पैकेज देकर झुनझुना थमाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरा के एक सभा में 125000 का पैकेज का विधिवत घोषणा किए थे, जो धरातल पर आज तक कहीं नहीं उतरा। जबकि अपने संबोधन में बिहार विधान परिषद के पूर्व सदस्य डॉ अजय सिंह ने कहा कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक बिहार को विशेष राज्य का दर्जा न मिल जाए। जबकि बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि आज बिहार को विशेष राज्य दर्जा की जरूरत है, क्योंकि बिहार में हर तरफ पिछड़ा, दलित उसी जगह पर है उन्हें आगे लाने के लिए विशेष दर्जा जरूरी है। उन्होंने कहा कि विशेष राज्य का दर्जा मिलने से पूरे बिहार में उद्योगों का जाल बिछ जाएगा, गरीबी मिट जाएगी एवं आम जनता खुशहाली महसूस करेगी। प्रेस वार्ता में प्रदेश प्रतिनिधि डॉ. सत्येंद्र ओझा, विनय सिंह, कामेश्वर पांडेय, भोला ओझा, त्रियोगी नारायण मिश्र, संजय पांडेय, संजय दूबे, राजगिरी राम, चक्की प्रखंड अध्यक्ष भरत यादव, सिमरी प्रखंड अध्यक्ष अजय ओझा व अन्य मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

मामूली विवाद में दो पक्ष भिड़े

डुमरांव। डुमरांव थाना क्षेत्र रजडीहा गांव में मामूली विवाद में दो पक्ष आपस में भीड़ गये और एक-दूसरे पर हमला बोल दिया। इस घटना में एक पक्ष के मनोज राजभर और उनकी पत्नी चंदा देवी और दूसरे पक्ष के राकेश तिवारी और लवकुश तिवारी को चोटें आयी हैं। जिनका इलाज अनुमंडल अस्पताल में कराया गया। इस मामले में दोनों पक्षों ने स्थानीय थाने में आवेदन देकर एक-दूसरे के खिलाफ मारपीट का आरोप लगाया हैं। डुमरांव पुलिस ने बताया कि पुलिस मामले की जांच की जा रही हैं।

सर्प दंश से महिला की मौत

केसठ। नावानगर थाना क्षेत्र के धेनुवाडीह गांव में 55 वर्षीय एक महिला को काम करने के दौरान साप काटने से मौत हो गई। महिला की पहचान उक्त गांव निवासी गोरख यादव की 55 वर्षीय पत्नी छठिया देवी के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार महिला घर में काम कर रही थी कि आचानक उसे दंश की दर्द का महसूस हुआ देखी तो एक विषैला सर्प था। उसने परिजनों को इसकी जानकारी दी। आनन फानन में परिजनों ने महिला को इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां उसकी मृत्यु हो गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में पोस्टमॉर्टम करा परिजनों को सौंप दिया है। घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है।

स्पर्शाघात से किसान की मौत

ब्रह्मपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के चंद्रपुरा में करंट की चपेट में आने से एक युवा किसान की मौत हो गई है। मृतक की पहचान सुरेन्द्र यादव के पुत्र मंटू यादव के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार वह सोमवार की शाम करीब चार बजे घर से खेत में खाद डालने के लिए निकला था। वही, किसानों द्वारा सिंचाई के लिए बांस बल्ले पर तार टांगा गया है। एक जगह का बल्ला टूटने से तार जमीन पर गिर गया था। जिसके संपर्क में आने से मंटू की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद पीड़ित परिजनों की क्रंदन चित्कार से गांव का माहौल गमगीन हो गया।

केंद्रीय उर्जा सचिव ने चौसा पावर प्लांट में हो रही देरी के कारणों पर डीएम से की वार्ता

ऊर्जा सचिव ने किया थर्मल पॉवर प्लांट का निरीक्षण, ब्वायलर का किया उद्घाटन

- वैकल्पिक पानी, रेल कॉरिडोर व परियोजना में निर्माणधीन तकनीकी उपस्कर व ब्वायलर आदि का लिया जायजा
- अधिकारियों के साथ बैठक कर परियोजना को शीघ्र चालू कराने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/चौसा

चौसा में निर्माणाधीन 1320 मेगावॉट थर्मल पॉवर प्लांट का जायजा लेने सोमवार को केंद्रीय ऊर्जा सचिव पंकज अग्रवाल पहुंचे। उन्होंने इस दौरान प्लांट का निरीक्षण करने के साथ ही अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्माण कार्य में हो रहे विलंब के कारणों की जानकारी ली। केन्द्रीय उर्जा सचिव ने अधिकारियों के साथ बैठक में इस पॉवर प्लांट का निर्माण शीघ्र पूरा कराने का निर्देश दिया। पॉवर प्लांट के निरीक्षण के दौरान उन्होंने मिनी ब्वायलर का उद्घाटन किया। इस दौरान उनके साथ एसजेवीएन के सीएमडी सुशील कुमार शर्मा, सीईओ विकास शर्मा, जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल, एसपी मनीष कुमार उपस्थित रहे।

ऊर्जा सचिव बक्सर आने के बाद सीधे चौसा में बन रहे बिजली परियोजना का जायजा लेने पहुंचे। जहा पहले कच्चे सामग्री कोयला डंप के लिए बनाए गए वैकल्पिक तीसरी लाइन का निरीक्षण किया। सीएमडी ने उन्हें कच्चे सामग्री प्लांट तक पहुंचाए जाने संबंधी जानकारी दी। बताया गया कि ट्रेन से पहुंचे कोयला को यहां डंप किया जाएगा। फिर यह से सड़क मार्ग से प्लांट स्थल कोयला पहुंचेगा। इसके बाद वाहनों की लम्बी काफिले प्लांट स्थल पहुंची। वहा उन्होंने बिजली उत्पादन संबंधी बने कई तकनीकी मशीनों, ब्वायलर, रोट्रेट आदि निर्मित व निर्माणधीन सम्बन्धी तकनीकों उपष्करो का जायजा लिया। इसी दौरान मिनी ब्वायलर लाइट का बकायदा शिलापट्ट से पर्दा हटा उद्घाटन किया गया। जहा सारी मशीनों व निर्माणधीन प्लांट की जानकारी दी गई। इसके बाद वे एसजेवीएन कार्यालय स्थित सभागार कक्ष में अधिकारियों के साथ बैठक की गई। वही, बताया गया कि वे जिला मुख्यालय में डीएम अंशुल अग्रवाल, एसपी मनीष कुमार व सीएमडी सुशील कुमार शर्मा के साथ प्लांट के निर्माण की तैयारी व इसी वर्ष पहली यूनिट को प्रारम्भ करने संबंधी समीक्षा करेंगे। इसके बाद वे मीडिया से रूबरू होंगे। ऊर्जा सचिव के प्लांट भ्रमण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी धीरेंद्र मिश्रा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धीरज कुमार के अलावा परियोजना के पदाधिकारीगण मौजूद थे।

चौसा में किसानों पर हुए हिंसा के विरोध में चार सितंबर को निकाला जाएगा मार्च

बक्सर। बिहार सेंट्रल स्कूल के सभागार में संयुक्त किसान मोर्चा बिहार के नेताओं के साथ शाहाबाद जोन के चारों जिला के किसान संगठनों के नेताओं और चौसा बनारपुर के भूमि अधिग्रहण में हुए राज्य दमन से प्रभावित किसानों की संयुक बैठक सम्पन्न हुआ बैठक में बिहार में विकास के नाम पर कानून को ठेंगा दिखाते हुए धड़ल्ले से चल रहे कृषि भूमि के जबरन अधिग्रहण और चौसा के किसानों पर हुए हिंसक राज्य दमन के विरोध में संयुक्त किसान मोर्चा ने 4 सितंबर को बक्सर में दमन-विरोधी मार्च का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। इस मार्च में शाहाबाद जोन के चारों जिला से दस हजार किसानों की भागीदारी की योजना ली गई। बैठक की अध्यक्षता बिहार राज्य किसान सभा के संयुक्त सचिव कॉमरेड सत्तार अंसारी, अखिल भारतीय किसान महासभा के बक्सर जिला सचिव रामदेव सिंह यादव और प्रभावित किसानों के नेता नागेंद्र तिवारी ने संयुक्त रूप से किया।जब कि संचालन अखिल भारतीय किसान महासभा के राज्य सचिव कॉमरेड उमेश सिंह ने किया।

दमन विरोधी मार्च किला मैदान से 12 बजे शुरू होगा जो बक्सर जिलाधिकारी के कार्यालय पर प्रदर्शन करेगा और मुख्यमंत्री को संबोधित मांगो का ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपेगा। बैठक मेंभाकपा माले के डुमरांव विधायक अजीत कुमार कुशवाहा, माले के बक्सर सचिव नीरज कुमार, अखिल भारतीय खेत मजदूर किसान सभा के प्रांतीय सचिव अशोक बैठा, बिहार राज्य किसान सभा के संयुक्त सचिव सोना लाल प्रसाद, अखिल भारतीय किसान खेत मजदूर संगठन के राज्य संयुक्त सचिव इंद्रदेव राय, बिहार किसान समिति के राज्य नेता पुकार, किसान एकता मंच के राज्य नेता उमेश शर्मा व अन्य लोग मौजूद रहे।

ब्रह्मपुर में तालाब में डूबने से किशोर की मौत

- देर शाम निकाला गया शव, मचा कोहराम

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर के बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ शिव मंदिर परिसर स्थित शिव सागर तालाब में डूबने से एक किशोर की मौत हो गई है। घटना रविवार की रात 1.30 बजे की है। इसकी जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया तथा रात में ही स्थानीय पुलिस से शव की तलाश कराने की गुहार लगाई गई। लेकिन, सुबह होने पर ही तलाश शुरू हुई। पहले स्थानीय गोताखोरों द्वारा शव की तलाश की गई। वहीं, जब सफलता नहीं मिली तो पटना से एसडीआरएफ की टीम को भी बुलाया गया है। शाम तक एसडीआरएफ टीम भी तालाब के अंदर जा शव की खोजबीन कर रही थी। देर शाम टीम ने महाजाल की मदद से शव को बरामद करने में सफलता पाई। शव देखने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

मृतक की पहचान भोजपुर जिला के शाहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गौरा गांव के मोहन पासवान के पुत्र रोहित पासवान के रूप में की गई है। वह इंटरमीडिएट का छात्र था। मिली जानकारी के अनुसार वह अपने कुछ दोस्तों के साथ सोमवारी पर बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक करने आया था। रात 1.30 बजे ही वह अपने दोस्तों के साथ तालाब में नहाने चला गया। इस दौरान कुछ लोगों ने उन्हें देर रात नहाने से मना भी किया था। लेकिन, बच्चों ने लोगों की बातों को अनसुना कर दिया। नहाने के दौरान ही रोहित गहरे पानी में चला गया, जिस कारण डूबने से उसकी मौत हो गई। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मच गया है। मौके पर ब्रह्मपुर थाना अध्यक्ष सुरेश प्रसाद समेत प्रशासनिक टीम भी मौजूद है। जबकि मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। गौरतलब हो कि इस तालाब में तीन महीने के दौरान यह दूसरा किशोर डूबा है।

केंद्रीय कारा में निरुद्ध बंदियों को खिलाई गई फाइलेरिया रोधी दवाएं, बोले एसीएमओ...

पांच साल तक वर्ष में एक बार फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन जरूरी

- बंदियों को फाइलेरिया व एमडीए अभियान की दी गई जानकारी

केटी न्यूज/बक्सर

फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत केंद्रीय कारा, बक्सर में संचालित सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान चलाया गया। जिसके तहत जेल में बंद सभी बंदियों को दवाओं का सेवन कराया जाएगा। ताकि, इन बंदियों को फाइलेरिया से सुरक्षित किया जा सके। इस दौरान केंद्रीय कारा के सहायक जेलर ने फाइलेरिया दवाओं का सेवन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह डीएमओ डॉ. शैलेन्द्र कुमार, वीबीडीसीओ पंकज कुमार, एफएलए रजनीश राय, सदर स्वास्थ्य प्रबंधक प्रिंस कुमार सिंह व अन्य मौजूद रहे। डीएमओ डॉ. शैलेन्द्र कुमार ने बंदियों को फाइलेरिया और एमडीए के संबंध में बंदियों को विस्तृत जानकारी दी। ताकि, बंदियों को जागरूक और उन्हें दवाओं का सेवन करने के लिए प्रेरित किया जा सके। फाइलेरिया रोधी दवाओं का साल में एक बार लगातार पांच वर्ष तक करने से लोगों के फाइलेरिया की चपेट में आने की संभावना पूरी तरह से खत्म हो जाती है।

फाइलेरिया एक गंभीर कष्टकारी रोग : बीएचएम प्रिंस कुमार ने बंदियों को फाइलेरिया रोग व एमडीए के महत्व से अवगत कराया। साथ ही, रोग के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि फाइलेरिया एक गंभीर कष्टकारी रोग है। फाइलेरिया की वजह से हाथी पांव होने की स्थिति में इसका कोई इलाज नहीं है। संक्रमण के खतरों से बचाव के लिये सरकार द्वारा हर साल सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम संचालित किया जाता है। इस साल 10 अगस्त से बक्सर समेत राज्य के 13 जिलों में इस कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 28 अगस्त के बाद छूटे हुए लाभुकों को फाइलेरिया की दवाइयां खिलाई जाएंगी। ताकि, कोई भी इस अभियान का लाभ लेने से न चुके।

मच्छरों से फैलती है फाइलेरिया की बीमारी : वीबीडीसीओ पंकज कुमार ने बताया कि फाइलेरिया एक ऐसी बीमारी है जो मच्छरों से फैलती है। जेल परिसर में और आस-पास जल जमाव वाले क्षेत्र व गंदे स्थानों पर पनपने वाले कई मच्छर कई गंभीर रोग के कारक होते हैं। इसलिये हमें आवासीय स्थान को स्वच्छ बनाये रखने का प्रयास करना चाहिये।

चौथी सोमवारी पर भक्तों पर बरसा देवों के देव महादेव का आशीर्वाद

♦ शिवभक्तों और कांवरियों से पूरी रात गुलजार रहा एनएच 922

केटी न्यूज/डुमरांव/ब्रह्मपुर

सावन की चौथी सोमवारी पर शिवालयों में शिव भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा था। आकर्षण का केन्द्र ब्रह्मपुर स्थित बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ शिवमंदिर रहा। जहां हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। सबसे अधिक कांवरियां शिवभक्तों की संख्या थाी। कांवरियां शिवभक्तों के कारण पूरी रात एनएच 922 गुलजार रहा। मंदिर प्रबंधन तथा प्रशासन द्वारा भी बेहतर तैयारी की गई थी, ताकी श्रद्धालुओं का परेशानी का सामना नहीं करनापड़े। वहीं डुमरांव के शिवालयों में भी श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना कर अपने सुनहरे भविष्य की कामना की। भक्तों के जयकारों से शिव मंदिर गुंजयमान होता रहा। शहर के एनएच 120 मुख्य पथ से महज दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित महरौरा का शिव मंदिर लोक आस्था और भक्ति विश्वास का केंद्र बिंदु माना जाता है। यहां दूर दराज से भी भक्त जलाभिषेक के साथ पूजा अर्चना के लिए पहुंचते हैं। भक्तों का मानना है कि इस शिवलिंग पर चंदन का तिलक लगाने से भोलेनाथ प्रसन्न होकर सभी पापों का नाश करते हैं।

सोमवारी को श्रद्धालुओं ने यहां पूजा अर्चना किया। बताया जाता है कि करीब दो सौ वर्ष पूर्व यह इलाका घनघोर जंगल था। यहां की प्राकृतिक सौंदर्य को देख साधुओं की टोली यहां ठहरी और कुटिया बनाने के लिए जमीन की खुदाई करने लगी। इसी दौरान मिट्टी में अंदर पड़े शिवलिंग दिखाई दिया। साधुओं ने उसे बाहर निकाल उस शिवलिंग को स्थापित कर उसकी पूजा अर्चना शुरू कर दी। थोड़े दिनों के बाद महरौरा शिवलिंग की ख्याति दूर दराज तक फैल गयी। शिव भक्त सोनू वर्मा ने बताया कि भक्तो के सहयोग से भव्य मंदिर का निर्माण कराया गया। फाल्गुनी मास के शिवरात्रि के दिन धूमधाम से वार्षिकोत्सव मनाया जाता है। उस दिन हजारों श्रद्धालु यहां पहुंचकर बाबा के चौखट पर माथा टेक मन्नतें मांगते हैं।

भक्तों के लिये मंदिरो में थी विशेष सुविधा

शहर के प्रसिद्ध महरौरा शिव मंदिर, बाबा जंगलीनाथ शिव मंदिर, लंगटु महादेव शिव मंदिर, महाकाल शिव मंदिर, काली आश्रम शिवमंदिर सहित अन्य शिवालयों में जलाभिषेक और पूजा अर्चना को लेकर शिव भक्तों के लिये विशेष सुविधा दी गयी थी। सभी मंदिरों को सजाया गया था। महिला और पुरुष शिवभक्तों के बीच अलग-अलग कतारें थी। मंदिर समिति की ओर से शिव भक्तों के लिए जगह-जगह भांग, धतूरा, बेलपत्र, पुष्प माला और प्रसाद की दुकानें लगायी गयी थी। जहां शिव भक्त पूजा-अर्चना को लेकर सामानों की खरीदारी करते देखे गये।

एक नजर

अनुमंडलीय अस्पताल की कुव्यवस्था के खिलाफ ग्रामीणों ने दिया एक दिवसीय धरना

डुमरांव। अनुमंडलीय अस्पताल के लचर व्यवस्था के खिलाफ ग्रामीणों ने डुमरांव के राजगढ़ चौक पर एक दिवसीय धरना दिया। धरना के माध्यम से ग्रामीणों ने लोगों को बताने की कोशिश किया की अनुमंडलीय अस्पताल में किस तरहा से डाक्टरों द्वारा मनमानी की जाती है। रोस्टर के अनुसार कोई ड्यूटी नहीं करता, सभी एक दूसरे से मैनेज कर काम करते हैं। फिर इनलोगों द्वारा पांच सूत्री मांग पत्र जारी किया गया। बताया गया की अस्पताल के डीएस के सह पर सभी काम होता है। लोगों को यह जानकारी दी गई और मांग किया गया की सालों से अनुमंडलीय अस्पताल में जमें डीएस डा. गिरीश सिंह का कहीं अन्यंत्र ताबदला किया जाए। इनके रहते अनुमंडलीय अस्पताल की स्वास्थ्य सेवा में सुधार नहीं हो सकता है। पांच सूत्री मांग पत्र में डीएस और इनकी पत्नी के साथ ही परिवार की संपत्ति की सीबीआई जांच करायी जाए। धरना के समर्थन में आए मानवाधिकार विकास मंच के प्रदेश अध्यक्ष राम यत्न यादव ने कहा कि अनुमंडलीय अस्पताल हृदय रोग विशेषज्ञ चिकित्सक को पदस्थापित किया जाए की अनुमंडलवासियों को उसका लाभ मिल सके। फिर मांग किया गया कि 8 अगस्त को हाथ की हड्डी टूटी महिला का इलाज नहीं होने के कारण उसे निजी क्लीनिक का सहारा लेना पड़ा जहां गरीब को हजारों रुपए खर्च करने पड़ गए थे। इसकी शिकायत सीएस और डीएम से परिवार के लोगों द्वारा किया गया था, जिसकी जांच अभी चल रही है। मौके पर हरेन्द्र कुमार यादव बीडीसी नंदन, रमेश यादव, संजय कुमार, जीतेन्द्र कुमार, बिपिन सिंह, प्रदीप कुमार, पप्पु कुमार पाल सहित अन्य ने संबोधित किया।

मांगों के समर्थन में वन श्रमिकों ने किया प्रदर्शन

बक्सर। सोमवार को वन क्षेत्र बक्सर कार्यालय के समक्ष वन श्रमिकों ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन किला मैदान से होते हुए वन क्षेत्र बक्सर कार्यालय पहुंचा, जहां वन श्रमिकों ने रेंजर के समक्ष अपनी मांगों को रखा। इस दौरान अपनी मांगों के समर्थन में जमकर नारेबाजी भी की। वही, वन श्रमिकों ने रेंजर को एक मांग पत्र भी सौंपा, जिसमें अप्रैल 2024 से अगस्त 2024 के बकाये भुगतान समेत 30 दिनों का भुगतान करने की मांग शामिल है। एक हजार पौधे पर पशुरक्षक बहाल करने, परिचय पत्र एवं वन श्रमिक के सुरक्षा के लिए सामान उपलब्ध कराने, काटे गए वन श्रमिक के पैसे वापस कराने जैसे मांग भी शामिल है। इस संबंध में वन विभाग के रेंजर सुरेश कुमार ने कहा कि वन श्रमिकों के मांग परिचय पत्र और बकाया मानदेय के लिए पत्र डीएफओ ऑफिस को भेजा गया है, जैसे ही अनुमति मिलती है वैसे ही परिचय पत्र उपलब्ध करा दिया जाएगा। बकाया मानदेय का आरटीजीएस कर दिया गया है, जो एक सप्ताह के अंदर उनके खाते में चला जाएगा। संचालक उमेश कुमार सिन्हा और प्रमंडलीय मंत्री सुरेंद्र कुमार सिंह, क्षेत्रीय मंत्री मदन सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष सुदामा पासवान, नंदन जी सिंह, ओमप्रकाश नट, क्षितिज केशरी, लालन बिन, मुकेश राम, मनोज पासवान, अनंत चौधरी, राजकिशोर राय, मदन सिंह, कृष्ण प्रसाद, राम दुलार, धनजी सिंह, धीरज सिंह, जितेंद्र, हरेंद्र, राजकुमार, अशोक, रामाधार, लाली राम आदि शामिल रहे।

खबरें फटाफट

खीरी में चोरों ने उड़ाए नगद समेत लाखों के जेवरात

राजपुर। थाना क्षेत्र के खीरी गांव के एक घर में छत के सहारे घुसकर अज्ञात चोरों ने 80 हजार रुपए नगद व कीमती गहने समेत लाखों रुपए की संपत्ति उड़ा लिए। और आराम से नौ-दो ग्यारह हो गए। सुबह नींद खुली तो चोरी की जानकारी हुई, इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस पहुंच मामले की जांच की गई। उसके बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई। मिली जानकारी के अनुसार रविवार की रात धर्मराज पाल के घर के सभी सदस्य खाना खाने के बाद गहरी नींद में सो गए। देर रात कुछ अज्ञात चोर घर के पीछे छत के सहारे अंदर प्रवेश कर गए। सबसे पहले घर में सो रहे सदस्यों के दरवाजे को बाहर से बंद कर दिया। बक्से को छत पर ले जाकर उसमें रखे गए नगद 80 हजार रुपये, लगभग डेढ़ लाख के कीमती फुलहा बर्तन, गहना एवं कई आवश्यक सामग्री लेकर आसानी से चंपत हो गए। सोमवार कि अहले सुबह महिला सदस्य जब बाहर निकलने के लिए दरवाजा खोला तो दरवाजा बाहर से बंद था। जहा महिलाओं ने चिल्लाना शुरू कर दिया। आवाज सुनकर दूसरे घर में सो रहे अन्य लोगों ने दरवाजा खोला। देखा तो घर के सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा हुआ है। जब लोगों ने बक्सा, आलमीरा को देखा तो सभी सामान गायब था। इसी समय मंदिर में सोमवारी को लेकर कीर्तन गा रहे लोग भी पहुंच गए। सुबह नहर की तरफ जब लोग खेत घूमने गए तो हीरा पाल के बोरिंग के समीप खाली बक्सा पड़ा हुआ था। चोरों के भागते समय गांव के ही दरोगा साह के खेत में सोने का नथिया मिला। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है। घटना को लेकर ग्रामीणों के बीच काफी चर्चा का विषय बना हुआ है।

केसठ में स्मार्ट मीटर लगाने का ग्रामीणों ने किया विरोध, आक्रोशित लोगों ने कहा-

बिजली आपूर्ति सुधारें, मीटर बाद में लगाएं

केटी न्यूज/केसठ

♦ जीपीआई ने ग्रामीणों को समझाया, जिसके बाद लोगों ने लगवाना शुरू किया स्मार्ट मीटर

प्रखंड में बिजली की लचर व्यवस्था के बीच प्रखंड के केसठ में बिजली उपभोक्ताओं के घर स्मार्ट मीटर लगाने का काम शुरू हो गया है। विभाग के द्वारा पुराने डिजिटल मीटर को बदल अब नया स्मार्ट मीटर लगाया जा रहा है। लेकिन, नया बाजार की मुख्य गली में लोगों ने स्मार्ट मीटर लगाने आए कर्मियों का खूब विरोध किया। लोगों का कहना है कि स्मार्ट मीटर में पुराने मीटर से अधिक बिल आता है। हालांकि कर्मियों ने कहा कि ये सब अफवाह वाली बातें हैं ऐसा कुछ नहीं है। स्मार्ट मीटर भी पुराने डिजिटल मीटर जैसा ही है। लाख समझाने के बाद भी ग्रामीण अपने जिद्द पर अड़े रहे। जीपीआई यानी ग्राम पंचायत इंचार्ज जगनरायण सिंह ने लोगों को किसी तरह समझा बुझा कर मीटर लगाने का कार्य शुरू कराया। बताते चले कि प्रखंड के अधिकतर हिस्सों में लोग स्मार्ट मीटर का जबर्दस्त विरोध कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि स्मार्ट मीटर में पहले पैसा डालेंगे तो ही बिजली मिलेगी, लेकिन पुराने डिजिटल मीटर में बिजली खपत होने के बाद बिल आती थी, लोगों का कहना है कि हम लोग मजदूरी करते है, किसान है स्मार्ट मीटर के रिचार्ज के लिए पहले पैसा कहा से लायेंगे।

राजद नेता सुनिल कुमार यादव उर्फ पप्पू यादव ने भी इसका विरोध किया उन्होंने कहा कि बिजली विभाग पहले अपनी लचर व्यवस्था में सुधार लाए, एक तो किसानों और ग्रामीणों को पर्याप्त मात्रा बिजली नहीं मिल रही है। विभाग को इसमें सुधार करने की बजाए स्मार्ट मीटर लगाया जा रहा है, जो की कथित तौर पर गलत है। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा निर्धारित समय अनुसार बिजली दे उसके बाद स्मार्ट मीटर लगवाए। इस संबंध में कनीय अभियंता अविनाश कुमार ने बताया कि स्मार्ट मीटर भी पुराने डिजिटल मीटर जैसा ही है। अगर लोग स्मार्ट मीटर लगवाते हैं तो तीन दिन तक किसी तरह का रिचार्ज करने की आवश्यकता नहीं है। स्मार्ट मीटर लगाने से लोगों का ही फायदा है। स्मार्ट मीटर लगने से 100 प्रतिशत बिजली बिल की रिकवरी होगी। विभाग घर बैठे ही बता सकता है कि कौन उपभोक्ता बिजली की चोरी कर रहा है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर लगाए। वही जो उपभोक्ता अगर ऐसा नहीं करते हैं तो उनके घर की बिजली काट दी जाएगी।

पुराने मीटरों की अपेक्षा कई खासियतें हैं : स्मार्ट मीटर की पुराने मीटरों की अपेक्षा कई खासियतें हैं, सबसे पहले तो इसमें यह सुविधा है कि उपभोक्ता यदि बिल जमा नहीं कर रहा है तो उसके घर जाकर कनेक्शन काटने की जरुरत नहीं होगी, सीधे कंट्रोल रूम से कनेक्शन रिमोट के माध्यम से काट दिया जाएगा। इसके अलावा इसमें शत प्रतिशत छेडखानी रुकेगी, किसी भी प्रकार की छेड़खानी दो सेकंड के अंदर कंट्रोल रूम को मैसेज देगी। इसके अलावा हर मिनट में इसकी सीधी मॉनिटरिंग होगी। खपत-डिमांड, लोड को भी बताएगा। घर जाकर रीडिंग करने की कोई झंझट नहीं होगी। कंट्रोलरूम में ऑनलाइन मैसेज से रीडिंग पहुंचेगी। वहीं, उपभोक्ताओं को भी विपत्र जमा करने तथा त्रुटि सुधार के झंझट से मुक्ति मिल जाएगी।

उपभोक्ता मीटर के रिचार्ज पर ब्याज पा सकेंगे

विद्युत विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्मार्ट प्री पेड मीटर वाले बिजली उपभोक्ताओं को यह सौगात दी है। उपभोक्ता मीटर के रिचार्ज पर ब्याज पा सकेंगे। ब्याज की राशि हर तीन माह में उनके मीटर के खाता में जुड़ जाएगी। विभागीय घोषणा के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में स्मार्ट प्री पेड मीटर वाले उपभोक्ताओं को बैंकों से ज्यादा ब्याज दर मिलेगा। हालांकि, इसके लिए विभाग ने शर्त निर्धारित की है। बिजली विभाग के अधिकारियों की मानें तो स्मार्ट प्री पेड मीटर का दो हजार रुपये से अधिक का रिचार्ज कराने पर ब्याज का लाभ मिलेगा। इसमें उपभोक्ताओं को तीन माह की खपत के बराबर का एकमुश्त रिचार्ज कराने पर विभाग उन्हें 6.75 प्रतिशत की दर से ब्याज देगा। यहीं नहीं तीन महीने से लेकर छह महीने की अवधि तक स्मार्ट प्री पेड मीटर में अगर कोई उपभोक्ता दो हजार रुपए से अधिक की राशि रखता है तो उसे सात प्रतिशत तक ब्याज का लाभ मिलेगा। और तो और छह माह से अधिक की अवधि का खर्च के अनुसार एकमुश्त रिचार्ज करने अथवा लगातार दो हजार रुपए से अधिक बैलेंस रखने पर उपभोक्ता को 7.25 प्रतिशत की दर से ब्याज का लाभ मिलेगा।

नगर देवी मां डुमरेजनी का पूजनोत्सव के साथ 19 को लगेगा मेला, तैयारी शुरू

केटी न्यूज/डुमरांव

दक्षिणी पूर्वी छोर पर कांव नदी के किनारे स्थित मां डुमरेजनी के दरबार में पूरे सावन माह भक्तों की भीड़ उमड़ती है। मनौतियों के साथ मां के दरबार में हाजिरी लगाने वाले भक्तों की ना सिर्फ झोली भरती है बल्कि माता आज भी नारी शक्ति की रक्षा करने का संदेश देती है। यहां मां के मिट्टी की पिंडी की लोग आराधना करते हैं। सावन के पूर्णिमा 19 अगस्त को नगर देवी मां डुमरेजनी का वार्षिकोत्सव मनाया जाता है। जिसकी तैयारी समिति के सदस्यों द्वारा शुरू कर दी गयी है। समिति के अध्यक्ष वृज कुमार राय ने बताया कि इस बार मां का दरबार आकर्षण ढंग से सजाने को लेकर मंथन शुरू कर दिया गया है। दरबार के पिछ्ले हिस्से में श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए साज-सज्जा के साथ कमरे और मंडप तैयार किये गये है। जयपुरिया पत्थर से मां का दरबार का निर्माण किया गया। वार्षिकोत्सव के दौरान भक्तों की अपार भीड़ जुटती है।

ऐसी मान्यता है कि यदि कोई दिल से माता से कुछ मांगे, तो उसकी मुरादें पूरी होती हैं। आज भी मंदिर घने पेड़ों से घिरा है और आबादी से अलग है। फिर भी हर दिन लोग यहां पूजा अर्चना के लिए आते है। बुजुर्गों की माने तो लगभग पांच सौ वर्ष पहले डुमरांव घने जंगलों से घिरा हुआ था। उस वक्त सड़कें नहीं थी। कांव नदी और जंगलों के बीच से रास्ता भोजपुर घाट होते हुए उतरप्रदेश को जोड़ता था। इसी रास्ते पर चेरो जाति का किला था। चेरों का इस इलाके में आतंक था। लूटमार उनका पेशा था। डुमरांव प्रखंड के अरैला गांव के कौशिक गोत्रीय ब्रह्मण परिवार में डुमरेजनी का जन्म हुआ था। उनकी शादी यूपी के द्रोणवार ब्रह्मण से हुई थी। विदाई कराकर वह घोडे पर सवार होकर इसी रास्ते से गुजर रहे थे। पीछे डुमरेजनी की डोली चल रही थी। जैसे ही चेरो के इलाके में पहुंचे, चेरों ने लूट की नीयत से हमला बोल दिया। पति के साथ डुमरेजनी भी चंडी का रुप धारण कर भिड़ गयी। पति के गिरते ही डुमरेजनी का हौंसला जवाब देने लगा। डुमरेजनी अस्तित्व की रक्षा के लिए अपने आप को भस्म कर लिया।

सीएस की अध्यक्षता में कार्यकारी समूह की बैठक में लिया गया निर्णय

एचआईवी से बचाव के लिए 12 अक्टूबर तक जिले में चलेगा जागरूकता अभियान

केटी न्यूज/बक्सर

सिविल सर्जन डॉ. सुरेश चंद्र सिन्हा की अध्यक्षता में सोमवार को एचआईवी (एड्स) से बचाव एवं नियंत्रण के लिए युवाओं एवं आमजनों में जागरूकता फैलाने के लिए सघन (इंटेंसिफाइड कैंपेन) अभियान के आयोजन के लिए जिला स्तरीय कार्यकारी समूह का बैठक किया गया। बैठक में सिविल सर्जन ने बताया कि एचआईवी से बचाव एवं नियंत्रण के लिए युवाओं एवं आमजनों में जागरूकता लाने के लिए सघन अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि एड्स की रोकथाम के लिए प्रचार प्रसार एवं सभी विभागों से समन्वय आवश्यक है। सीएस ने जिला परामर्शी (एड्स) को निर्देश दिया कि सभी विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों, प्रचार प्रसार तथा सराहनीय कार्यों इत्यादि की जानकारी लेंगे।

बैठक में बक्सर जिला के कई महत्वपूर्ण विभाग के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि तथा सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से एचआईवी के रोकथाम के लिए सामूहिक प्रचार प्रसार पर परिचर्चा किया गया।

डॉ. शालीग्राम पांडेय ने दी कार्यक्रमों की जानकारी : बैठक में जिला एड्स नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शालीग्राम पांडेय के द्वारा बक्सर जिला अंतर्गत एचआईवी के परिप्रेक्ष्य में चलाए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी उपस्थित लोगों को दी गई। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के निदेर्शानुसार एवं राज्य स्तरीय आदेश के आलोक में आज एचआईवी एड्स से युवाओं एवं आमजनों को बचाव एवं नियंत्रण के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से विश्व युवा दिवस 12 अगस्त से 12 अक्टूबर 2024 तक सघन अभियान बक्सर जिला में चलाया जाना है। अभियान के सफल संचालन के लिए संबंधित पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि के साथ चर्चा की गई। जबकि शिव कृपाल दास, परामर्शी द्वारा राज्य स्तर से प्राप्त गतिविधि जिनके आयोजन की जिम्मेवारी के लिए नामित जिला के सभी संबंधित विभाग एवं संस्थाओं से रूपरेखा साझा किया एवं सरकार के इस सघन अभियान में गति लाए जाने हेतु सभी संबंधित विभाग एवं संस्थाओं से सहयोग के लिए आग्रह किया गया। वही, जीविका विभाग को सेल्फ हेल्प ग्रुप के माध्यम से सामूहिक प्रचार प्रसार का अनुरोध किया गया।

खबरें फटाफट

बीपीएससी के 20 अफसर अब आईएएस

पटना। बिहार प्रशासनिक सेवा के 20 अफसर अब आईएएस बने हैं। बिहार कैडर में आने वाले उन आईएएस अधिकारियों में मृत्युंजय कुमार, डॉक्टर नंदलाल आर्य , सुजीत कुमार, रजनीश कुमार सिंह , राजेश कुमार सिंह , राकेश रंजन, संजय कुमार , शंभू शरण , , राजेश कुमार , सुनील कुमार , माधव कुमार सिंह, अहमद महमूद, विनायक मिश्रा, सुमन कुमार और कुमार मंगलम शामिल हैं।

अखिल भारतीय व्यवहारिक परीक्षा शांति पूर्ण संपन्न

बिक्रमगंज। स्थानीय शहर के थाना चौक के वार्ड-25 स्थित सोमवार को आईटीआई जय माता दी में छात्रों के बीच आखिल भारतीय व्यवहारिक परीक्षा आयोजित हुई। जिस परीक्षा का संचालन राजस्व पदाधिकारी दंडाधिकारी राजेश कुमार के नेतृत्व में संपन्न हुई। संचालित परीक्षा में शामिल छात्र-छात्राओं निशा निर्देश का पालन करते हुए परीक्षा में भाग लिया। जिस परीक्षा को संपन्न कराने में स्थानीय प्रशासन राम बिलास, रंजन कुमार का सराहनीय योगदान रहा।

जम्मू के अनंतनाग में शहीद हुए सारण के लौवा कलां गांव के पैरा कमांडो दीपक यादव

बेटे के खोने का दर्द है तो उससे कहीं ज्यादा उसकी शहादत पर हमें गर्व है: सुरेश राय

♦ रक्षाबंधन पर आने के लिए बोला था लेकिन एक सप्ताह पहले ही उसकी शहादत की खबर सुन बहन के लिए असहनीय पीड़ा: मंजू देवी

केटी न्यूज/छपरा

जम्मू के अनंतनाग में आतंकियों से मुठभेड में शहीद हुए पैरा कमांडो के हवलदार दीपक यादव की अंतिम दर्शन को लेकर उनके पैतृक गांव सारण जिले के लौवा कलां स्थित उनके घर पर स्थानीय प्रशासनिक, जनप्रतिनिधि सहित स्थानीय लोगो की हुजूम उमड़ पड़ी है, शहादत की खबर सुनकर पहुंचे सभी लोग उनकी एक झलक देखने के लिए नम आंखों में एक अलग ही ललक दिख रही थी।

शहीद दीपक यादव 2008 में सेना में भर्ती हुए थे, जबकि 2013 में उनकी शादी अनीता यादव से हुई थी, उन्हें एक आठ वर्ष का पुत्र रजनीश कुमार है। शहीद दीपक यादव के भाई भी सेना में कार्यरत है। वहीं उनके पिता सुरेश राय ने बेटे के शहादत पर गर्व किया है, उन्होंने कहा कि उनका बेटा पाकिस्तान की सेना से लड़ाई लड़ा है, और शनिवार को वह मुठभेड़ में देश की रक्षा के लिए लड़ते लड़ते शहीद हुआ है।

बेटे का खोने दर्द है तो उससे कही ज्यादा उसकी शहादत पर गर्व है, हालांकि दूसरा बेटा भी सेना में है, और आने वाले समय में शहीद दीपक यादव का बेटा भी सेना में जाने के लिए तैयार होगा उसको भी जाने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश सेवा के लिए शरीर के अंतिम रक्त तक लड़ने के लिए और बलिदान देने के लिए परिवार तैयार है। पत्नी अनीता यादव ने बताया कि वह हैड क्वाटर स्थित अपने आवास पर थी तभी यह जानकारी मिली। वहीं दूसरी ओर शहीद के घर पर उसका शव पहुंचते ही पूरे इलाके का हुजूम इक्ट्ठा हो गया। हर किसी के मुंह से भारत माता की जय के जयकारे निकल रहे थे। परंतु आंखों से आंसू रूकने का नाम नहीं ले रहा था।

दीपक ने रक्षा बंधन पर आने का किया था वादा

शहीद ने फोन का अपने घर में बताया था कि वह इस बार रक्षाबंधन के अवसर पर अपने घर पर रहेंगे। फिर अपने कर्तव्य पर लौट गए, शहादत होने से एक दिन पूर्व वीडियो कॉल के माध्यम से उसने अपनी माता पिता से बात किया था, लेकिन ज्यादा देर तक कुछ बात नहीं हो पाई। वही शहीद दीपक यादव की बहन मंजू देवी अपने भाई की शहादत की खबर से स्तब्ध है, और उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले से उससे बात हुई थी तो बताया कि रक्षाबंधन पर जरूर आऊंगा लेकिन रक्षाबंधन से एक सप्ताह पहले ही उसकी शहादत की खबर आई जो एक बहन के लिए असहनीय पीड़ा है। यह खबर सभी के लिए पीड़ा दायक रही। यहीं नहीं उसके दोस्तों को भी यह विश्वास नहीं हो रहा है कि उनका दोस्त अब इस दुनिया में नहीं है। उसका हंसता हुआ चेहरा अब सदा के लिए शांत हो गया।

पत्नी को विशेष अभियान चलने की मिली थी जानकारी

पत्नी को पिछले गुरुवार को उनका फोन आया कि तीन दिनों के लिए विशेष ऑपरेशन में जा रहे हैं, फोन पर बात नहीं होगी, वही पत्नी को उन्होंने अंतिम बार मुठभेड़ से पहले शनिवार की सुबह गुड मॉर्निंग का मैसेज भेजे थे, लेकिन बात नहीं हुई थी, और शाम सेना के अधिकारियों द्वारा सूचना मिली कि दीपक यादव बुरी तरह से जख्मी है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, और देर रात तक शहादत की खबर मिली। वह अपने आठ वर्षीय पुत्र रजनीश को गोद में लिए विलाप करती बेसुध पड़ी हुई है। वह बार-बार अपने बेटे का चेहरा देखकर रो रही है। उसकी आंखों में आंसू देखकर हर कोई अपने आप को संभाल नहीं पा रहा था। शहीद दीपक यादव की माता कुआरी देवी ने बताया कि तीन माह पहले अप्रैल में दस दिनों के लिए छुट्टी पर आए थे। उनका कहना था कि मां मैं जल्दी घर आउंगा। इस बार आपकों कहीं बाहर घुमाने ले जाउंगा।

एक नजर

बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में आरा में बांग्लादेश का झंडा जलाया

आरा। बिहार के आरा में बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों (हिंदुओ) के खिलाफ हो रही है हिंसा, हिंदू मंदिरों मठों को तोड़ फोड एवं ध्वस्त करने को लेकर हिंदु महिलाओं के साथ हो रहे दुर्व्यवहार एवं अत्याचार के विरोध में रामनवमी शोभा यात्रा समिति ने आरा में राम भक्तों का आक्रोश मार्च निकाला और बांग्लादेश का झंडा जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। रामनवमी शोभा यात्रा समिति के अध्यक्ष शंभू प्रसाद चौरसिया ने कहा कि विगत दिनों से बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है। अनाथ लोगों पर अत्याचार हो रहा है मठ मंदिरों को ध्वस्त किया जा रहा है इसलिए हम लोगों ने हिंदू समाज के संरक्षण को लेकर विरोध प्रदर्शन किया है। बांग्लादेश सुधर जाए वरना पूरे देश के हिंदू समाज उनके रक्षा के लिए सदैव तैयार है। वहां महिलाओं पर भी अत्याचार हो रहा है छठ के ऊपर से बच्चों को फेंक दिया जा रहा है घसीटा जा रहा है इस तरह का जगह नफरत मानवाधिकार कहां है विदेशी ताकते कहां है। यह सारे लोग मुख दर्शक बने हुए हैं अपने मुंह को सील लिए हैं हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है कोई बोल नही रहा है।दरअसल, पीएम शेख हसीना के बाग्लादेश देश छोड़ने के बाद वहां पर तख्तापलट हो गया। इसके बाद लगातार वहां पर रहे हिंदूओं पर अत्याचार हो रहे है। बांग्लादेश के हिंदू और अल्पसंख्यक वहां बिल्कुल भी सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे। उनके घरों को लूटा जा रहा है, उन पर हमले किए जा रहे हैं, हालात इतने खराब हैं कि वहां पर उनका जीना मुहाल हो गया है। हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की ऐसी स्थिति को लेकर भारत भी काफी चिंता में है।

रण ऑफ कच्छ में फौजी भाईयों को भेजी जाएगी 1120 राखियां

आरा। शहर के शुभ नारायण नगर मझौंवा स्थित शांति स्मृति संभावना आवासीय उच्च विद्यालय के जुबली हॉल में सोमवार को राखी प्रर्दशनी सह पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन हुआ। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि नगर आयुक्त निरोज कुमार भगत, विद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ. कुमार द्विजेंद्र, प्राचार्या डॉ. अर्चना सिंह, पूर्व सैनिक कल्याण बोर्ड के जिलाध्यक्ष मेजर राणा प्रताप सिंह, अवधेश पाण्डेय एवं राम कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से किया। मंच संचालन शिक्षक अरविंद ओझा एवं? धन्यवाद ज्ञापन कला शिक्षक संजीव सिन्हा ने की। राखी मेकिंग कार्यशाला में वर्ग 6 से लेकर 12वीं तक के 150 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। मुख्य अतिथि नगर आयुक्त निरोज कुमार भगत ने कहा कि राखी प्रर्दशनी अद्वितीय है। प्रर्दशनी में बच्चों ने अपनी छिपी प्रतिभा को उकेरा है। राखी मेकिंग कार्यशाला का जो उद्वेश्य है। वह काफी सुन्दर व भावनात्मक है। प्रबंध निदेशक डॉ. कुमार द्विजेंद्र ने कहा कि चार दिवसीय राखी मेंकिंग कार्यशाला में 1120 राखियों का निर्माण हुआ। जिसमें कला शिक्षक बिष्णु शंकर एवं संजीव सिन्हा ने काफी मेहनत की। पिछले डेढ दशक से यह कार्यशाला आयोजित हो रहा है। विद्यालय परिसर में ही बच्चों द्वारा निर्मित राखियो की प्रर्दशनी लगाई गई। संभावना का उद्वेश्य है कि यहां के बच्चे कार्यकुशल हो। वहीं, प्राचार्या डॉ. अर्चना सिंह ने कहा कि हमारे देश की सरहद पर वैसे फौजी भाई भी तैनात होते है, जो विषम परिस्थितियों में वतन के साथ-साथ हमारी रक्षा करते है। हम बहनें भी फौजी भाईयों को राखी भेज कर अपनी भावना को प्रर्दशित करती है। बच्चों द्वारा निर्मित राखी भारत-पाकिस्तान सीमा पर रण ऑफ कच्छ में भेजा जाएगा।

साहित्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए नवोदित लेखकों को मिले समुचित मंच

केटी न्यूज/छपरा

तुलसी जयंती के अवसर पर जिला परिषद सभागार में सारव प्रकाशन द्वारा प्रकाशित तीन किताबों का लोकार्पण किया गया। राज्य जद यू उपाध्यक्ष बैद्यनाथ प्रसाद सिंह ' विकल ' की अध्यक्षता में आयोजित परिचर्चा में राज्य भर से साहित्यकार व बुद्धिजीवियों ने शिरकत की । आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए सारव प्रकाशन के प्रबंधक प्रोफेसर पृथ्वीराज सिंह ने कहा कि इस प्रकाशन की स्थापना उन्होंने जिले में साहित्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए, नवोदित लेखकों को समुचित मंच प्रदान करने के लिए एवं विशेषतः भोजपुरी सहित गैर संवैधानिक मान्यता प्राप्त भाषाओं में सृजित होने वाले साहित्य के संवर्धन के लिए किया है। यह प्रकाशन एक और अलाभकारी संस्था है जो सस्ते दरों पर गुणवत्तापूर्ण पुस्तकें प्रकाशित करती है।इस कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार शिवानुग्रह नारायण सिंह द्वारा भोजपुरी में लिखित पुस्तक स्वतंत्रता संग्राम आउर सारण , डॉक्टर शांतानंद सिंह द्वारा लिखित पुस्तक रामधारी सिंह दिवाकर के कथा साहित्य में सामाजिक यथार्थ एवं प्रोफेसर सूर्यदेव प्रसाद द्वारा तुलसीकृत रामायण पर आधारित अंत्याक्षरी कोष का लोकार्पण किया गया। अपने पुस्तक लेखन प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए शिवानुग्रह नारायण सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन संबंधी उनकी वर्षों की रिपोर्टिंग ही इस पुस्तक के मूल में है।

प्रमंडलीय आयुक्त एवं पुलिस महानिरीक्षक ने घटना की जांच का दिया सख्त आदेश

केटी न्यूज/जहानाबाद

सावन के पवित्र महीने में भगवान शिव के भक्तों की श्रद्धा और आस्था की पराकाष्ठा देखने को मिलती है, जब लाखों की संख्या में श्रद्धालु मंदिरों में भगवान शिव के दर्शन के लिए एकत्र होते हैं। बिहार के जहानाबाद जिले के वाणावर स्थित सिद्धनाथ मंदिर में ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जहां रविवार की रात को एक विशाल भीड़ एकत्रित हुई। हालांकि, यह श्रद्धा और आस्था की मूरत उस समय भयावह रूप धारण कर गई जब प्रशासनिक लापरवाही के कारण मची भगदड़ में दर्जनों निर्दोष लोगों की जान चली गई

आखिल भारतीय विधार्थी परिषद ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए सीधे तौर पर जहानाबाद प्रशासन को दोषी ठहराया है। परिषद के विभाग संयोजक गोपाल शर्मा ने कहा कि सिद्धनाथ मंदिर में सावन के महीने में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने का अनुमान प्रशासन को पहले से होना चाहिए था। लेकिन प्रशासन ने इस संभावित चुनौती को गंभीरता से नहीं लिया और ना ही उपयुक्त प्रबंध किए। प्रशासन ने इस स्थिति को संभालने के लिए पर्याप्त सुरक्षाबलों की तैनाती नहीं की, बल्कि उन्होंने केवल कुछ एनसीसी कैडेट्स पर भरोसा किया, जो कि इस प्रकार की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अपर्याप्त थे। यह स्पष्ट रूप से प्रशासनिक लापरवाही का मामला है, जिसने इस त्रासदी को जन्म दिया। रविवार की रात को, जब भक्तों की भीड़ अपनी चरम सीमा पर थी, अचानक फुल दुकान वाले भीड़ लड़ पड़े वहां पर एक भी प्रशासन तैनात नहीं था उसे लड़ाई के कारण अचानक भगदड़ मच गई।

महाहर धाम में जलाभिषेक के लिए उमड़ा कांवरियों और श्रद्धालुओं का हुजूम, हर हर महादेव की रही गूंज

♦ चौथे सोमवार को देर रात तक हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजते रहे शिव मंदिर

♦ कांवड़ में जल लेकर नारे लगाते हुए पहुंचे कांवड़िया

केटी न्यूज/ मरदह/गाजीपुर

सावन के चौथे सोमवार को देवाधिदेव का जलाभिषेक करने के लिए रविवार की शाम से ही कांवरियों में जबरदस्त उत्साह दिखने को मिला। कांवर में जल लेने के लिए हजारों कांवरिया शहर के ददरीघाट एवं चीतनाथ घाट पर पहुंचे। स्नान के बाद पूजा-अर्चना के बीच कांवर में जल भरकर हर-हर महादेव, बोल-बम आदि का जयघोष करते हुए महाहर धाम पहुंचे। गाजीपुर-मऊ मार्ग पर पूरी रात वाहनों की रफ्तार थमी रही।सावन माह के पहले दिन से ही जिले में महादेव के आस्था की बयार बह रही है। प्रति दिन लोग शिव मंदिरों में दर्शन पूजन कर धन्य हो रहे हैं।

बता दें कि सोमवार को महाहर धाम शिव मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भक्तों की भीड़ में जबरदस्त इजाफा हुआ। इस माह के प्रत्येक सोमवार को बड़ी संख्या में भक्त भोले का जलाभिषेक करते हैं। इसी क्रम में सावन के चौथे सोमवार को भोले भंडारी का जलाभिषेक करने के लिए रविवार को दोपहर बाद से क्षेत्र के? प्रतिष्ठित शिव मंदिर महाहर धाम पर दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों के कांवरियों के आने का क्रम शुरू हो गया। जैसे-जैसे दिन ढलता गया, वैसे-वैसे कांवरियों की संख्या भी बढ़ती गई। गंगा घाट से कांवर में जल भरकर नंगे पाव पदयात्रा करते हुए जिला मुख्यालय से करीब 26 किलो मीटर दूर महाहर धाम के लिए रवाना हुए। इस दौरान शिव के भक्त बोलबम, हर-हर महादेव, बाबा नगरिया दूर है, जाना जरूर है आदि का जयघोष कर रहे थे। आवागमन करने वाले लोग भी इस जयघोष में भक्तों का साथ दे रहे थे। इससे वातावरण पूरी तरह से शिवमय बना रहा। भक्तों में महिला-पुरुषों के साथ ही बच्चे भी शामिल रहे।कांवरियों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो इसके लिए प्रशासन ने कई मार्गों पर वाहनों के आवागमन पर रोक लगाया था। बता दें कि सुरक्षा की दृष्टि से गंगा घाटों सहित तमाम मार्गों पर पुलिस का कड़ा पहरा रहा। आला अधिकारी लगातार चक्रमण करते हुए शांति व्यवस्था का जायजा लेते रहे और संबंधितों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते रहे।इस मौके पर सुरक्षा की दृष्टि से उप जिलाधिकारी कासिमाबाद आशुतोष कुमार, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बलवंत चौधरी, सीओ चोब सिंह, नायब तहसीलदार कौशल चौरसिया, थानाध्यक्ष योगेन्द्र सिंह, उप निरीक्षक देवेन्द्र यादव, ओमप्रकाश यादव सहित भारी संख्या पुलिस फोर्स मौजूद रही।

कास खंड के पौराणिक सिद्धपीठ

विकास खंड के पौराणिक सिद्धपीठ वाले शिव मंदिर में सोमवार की देर शाम तक लगभग पचास हजार लोगों ने जलाभिषेक व दुग्धाभिषेक करके सुख, शांति व समृद्धि हेतु कामना किया।असहायों के सहारा बने लोगों ने दिखाया दिलचस्प दरियादिली, दिव्यांगता भी आस्था पर भारी पड़ी यूसूफपुर मोहम्मदाबाद निवासी दीपक गुप्ता जो दोनों पैरों से दिव्यांग होते हुए भी सन् 2005 से अपने सहयोगीयों साथ लगातार जलाभिषेक करते आ रहे हैं। गाजीपुर शहर निवासी एक पैर दिव्यांग अनील यादव महाहर धाम के महिमा से प्रभावित होकर तीसरे साल जलाभिषेक को पहुंचें। जमालपुर बिरनो निवासी राहुल दास कंधे पर गागर में गंगाजल लेकर कांवड़ यात्रा के तहत दूसरे साल जलाभिषेक किया।

खबरें फटाफट

कहासुनी पर युवक को चाकू मारा

गाजीपुर। शहर कोतवाली थाना अंतर्गत टेढ़ी बाजार में दो युवकों के आपसी कहासुनी में एक युवक ने दूसरे को चाकू मारकर घायल कर दिया। उसका उपचार गाजीपुर मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। बताते चलें कि अंकित कुशवाहा उर्फ आर्यन (18) पुत्र कमलेश कुशवाहा और अफसर खान उर्फ गुड्डू निवासी मुगलपुरा थाना कोतवाली का किसी बात को लेकर आपसी विवाद चल रहा था। इसी को लेकर दोनों के बीच अक्सर कहासुनी होती थी। किसी बात की रंजिश दोनों युवकों में चली आ रही थी। इसी बीच अंकित उर्फ आर्यन अपने किसी कार्य से बाहर जा रहा था तभी अफसर खान ने अंकित कुशवाहा को गाली देने लगा। कहासुनी व नोंक-झोंक के बीच एक युवक ने चाकू से प्रहार कर दिया। जिसमें अंकित के शरीर पर कई जगह चाकू लगा और वह बुरी तरह घायल हो गया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। इस प्रकरण में कोतवाली में अंकित ने आरोपी अफसर खान के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कोतवाल दीनदयाल पांडेय ने मुकदमा कायम करते हुए आरोपी युवक की तलाश जारी कर दी है।

चाकू मारकर युवक को किया लहूलुहान

बलिया। शहर कोतवाली क्षेत्र के महुआ मोड़ पर सोमवार को एक बदमाश ने एक युवक को चाकू मारकर लहूलुहान कर दिया। आसपास के लोगों ने घायल युवक को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां स्थिति नाजुक बनी हुई है। चाकू गर्दन पर लगा है। घटना के बाद हमलावर भाग खड़ा हुआ। घायल युवक का नाम विकेंद्र पुत्र राजकुमार यादव उम्र 20 वर्ष है। जानकारी के अनुसार घायल विकेंद्र के साथ हमलावर युवक के बीच काफी दिनों से विवाद चल रहा था। इसबीच सोमवार की सुबह दोनों एक दुकान पर किसी बात को लेकर आपस में भिड़ गए। फिर हमलावर युवक ने विकेंद्र पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर लहूलुहान कर दिया।

विषौली गांव के हसनपुरा के पास लगातार चार दिनों से बढ़ाव पर है सरयू नदी

टीएस बंधे पर पानी रिसाव से मचा हड़कंप विधायक बोले- लगातार निगरानी रखें

♦ कर्मचारियों के साथ पंहुचे अधीक्षण अभियंता संजय मिश्र ने तुरंत गिट्टी व मिट्टी की भराई शुरू कराया

केटी न्यूज / बलिया

टीएस बंधे पर क्षेत्र के विषौली गांव के हसनपुरा के पास सोमवार की सुबह सरयू नदी से बांध कटने व पानी रिसाव की सूचना से हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे बाढ़ विभाग व प्रशासन ने कटान से बांध के ध्वस्त हिस्सा पर काबू पाया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि हर घर जल योजना में बंधा पर जेसीबी से खोदने की वजह से कटान हुआ हैं।

कर्मचारियों के साथ पंहुचे बाढ़ विभाग के अधीक्षण अभियंता संजय मिश्र ने गिट्टी व मिट्टी की भराई शुरू कराया। दलदल एरिया में टीएस बंधा पर लम्बी दूरी में मिट्टी डालने का कार्य चल रहा था। सरयू नदी लगातार चार दिनों से बढ़ाव पर हैं। हसनपुरा के पास रविवार को पानी बंधे से दूर था, लेकिन रात में अचानक तेजी से पानी बंधा के पास आ गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जल निगम ने एक सप्ताह पूर्व हर घर नल योजना में टीएस बंधा पर नदी साइड ही पाइप डाला था, लेकिन पाइप डालने के बाद अच्छी तरह से मिट्टी की भराई नहीं किया था। इसके कारण ही सरयू नदी से पानी रिसाव व कटान होने लगा। कटान से टीएस बंधा का एक तिहाई हिस्सा नदी के पानी में विलीन हो गया था। अधिकारियों के पंहुचने से पहले ग्रामीणों ने मिट्टी व खर पतवार बांस आदि से कटान रोकने का प्रयास किया। चांदपुर, महाराजपुर से पंहुचे बाढ़ विभाग के कर्मचारियों ने कटान पर काबू कर लिया था। इस दौरान भाजपा नेता विश्राम सिंह, एसडीएम अभिषेक प्रियदर्शी, तहसीलदार निखिल शुक्ल लल्लन यादव, प्रभुनाथ गुप्ता आदि थे।

जल निगम के अधिकारियों की लापरवाही बन रही घातक : विधायक

टीएस बंधा के हसनपुरा में कटान स्थल पर सुबह पहुंची विधायक केतकी सिंह ने जल निगम के अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि मैंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह को पत्र भेजकर हर घर जल नल योजना की पूरे जनपद में चल रहे लापरवाही पूर्वक कार्य की जांच कर कार्रवाई की मांग किया है। विधायक ने बताया कि जल निगम जगह जगह पाइप डालकर बिना सड़क को ठीक किये ही छोड़ दें रहा हैं। टीएस बंधा पर जल निगम ने पाइप डालकर लापरवाही पूर्वक छोड़ दिया था, जिसके कारण हसनपुरा में पानी का रिसाव व कटान हुआ हैं। हांलांकि स्थिति नियंत्रण में है। विधायक ने बाढ़ विभाग के अधिकारियों से लगातार टीएस बंधा की निगरानी रखने को कहा है। उन्होंने रेंगहा, विषौली, महाराजपुर, रामपुर नम्बरी आदि टीएस बंधा के गांवों का दौरा किया तथा लोगों से जानकारी ली।

एक नजर

दलदल से होकर गुजरने को मजबूर हैं दर्जनों परिवार के लोग, अधिकारी उदासीन

गाजीपुर। बारिश के सीजन में चकरोड मार्ग बदहाल है। कच्ची सड़क कीचड़ में तब्दील हो गई है। जिसमें चलने के लिए दर्जनों ग्रामीण मजबूर

हैं। ग्राम पंचायत मरदह के ब्लाक मुख्यालय के कुछ दूरी पर एक कच्चा चकरोड मार्ग है, जो नेशनल हाई-वे पर जुड़ता है। करीब 200 मीटर एक दम दलदल होने के कारण रास्ते की स्थिति बहुत ही खराब हो गई है। दर्जनों परिवारों का निवास होने से प्रतिदिन इसी दलदल वाले रास्ते से नौकरी पेशा वाले लोग, किसान, महिलाएं, स्कूली बच्चे व बुजुर्ग घुटने भर दलदल में आने- जाने को मजबूर हैं। लोग कई बार सड़क निर्माण के लिए मांग कर चुके हैं। यहां रहने वाले लोगों ने बताया कि इस रास्ते पर बरसात की शुरूआत होते ही कीचड़ की समस्या बनी रहती है। कीचड़ की वजह से आए दिन कोई ना कोई इस रास्ते पर आने -जाने वाला फिसल कर गिरता रहता है। एक तरफ जहां सरकार स्वच्छता अभियान चलाकर समूचे देश को स्वच्छ बना रही है, वहीं गांवों की स्थानीय सरकार सफाई को नजर? अंदाज कर रही है। इस मामले को लेकर कई बार ग्राम प्रधान को अवगत करवाया गया। इसके साथ ही जनसुनवाई पोर्टल सहित खंड विकास अधिकारी कार्यालय में भी इसकी सूचना दी गई। इसके बाद भी रोड निर्माण की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया। कीचड़ होने की वजह से आवाजाही में हो रही परेशानी को लेकर लोगों में काफी रोष है।लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। इस समस्या की तरफ किसी का ध्यान नहीं है और न ही विभागीय अधिकारी ध्यान दे रहे हैं। इस संबंध में ग्राम प्रधान ज्योत्सना पटवा ने कहा कि मामला संज्ञान में है, जल्द से जल्द समस्या का समाधान किया जाएगा।

गाजीपुर: भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रतिमाओं की सफाई की

गाजीपुर। भाजपा सदर मंडल पश्चिमी के ग्राम - छावनी लाइन (मंगल मड़ई) स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हीरा कुशवाहा, ग्राम - बबेडी स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अशर्फिया देवी तथा ग्राम - डिलिया (सोनहरिया) मे शहीद पतिराम पाल की प्रतिमा एवं परिसर की साफ सफाई की गई । जिसमें मुख्य रूप से भाजपा जिला मंत्री सुरेश बिन्द, जिला मीडिया प्रभारी शशिकांत शर्मा, मंडल अध्यक्ष गोपाल राय के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान में जिले भर में 11-12-13 अगस्त को देश के महापुरुषों , स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तथा शहीदों की प्रतिमाओं तथा परिसर कि साफ सफाई तथा 12-13-14 मे प्रतिमाओं पर माल्यार्पण का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सदर मंडल पश्चिमी के तुलसीपुर मे भाजपा कार्यकताओं द्वारा महाराणा प्रताप के प्रतिमा कि साफ सफाई कल मंगलवार अपराह्न मे किया जाएगा। साफ-सफाई में मंडल महामंत्री मुरली कुशवाहा, शक्ति केंद्र संयोजक पंकज विश्वकर्मा, अनुराग प्रजापति, बुद्धिराम बिंद, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष मनोज कुशवाहा, अशोक कुशवाहा और धन्नजय बिंद, आदि ने भाग लिया।

ब्लाक स्तरीय साप्ताहिक प्रगति समीक्षा बैठक आयोजित

केटी न्यूज / रेवतीपुर

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आज सोमवार को ब्लाक स्तरीय साप्ताहिक प्रगति समीक्षा बैठक चिकित्सा अधीक्षक एवं प्रभारी अधिकारी डाक्टर अमर कुमार की अध्यक्षता में किया गया। इस सप्ताहिक प्रगति समीक्षा में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस, एनसीडी, एमडीए एवं अन्य विभिन्न तरह के चलाए जाने वाले कार्यक्रमों के उपलब्धियों के बारे में विस्तृत तरीके से समीक्षा की गई।सप्ताहिक समीक्षा बैठक में कम उपलब्धि वाले उपकेंद्रों के पांच स्वास्थ्य कर्मियों को चिकित्सा अधीक्षक ने कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए उनसे एक सप्ताह के अंदर समस्त इंडिकेटर की लक्ष्य के अनुरूप प्रगति प्राप्त न करने की दशा में वेतन/मानदेय अवरूद्ध करने की चेतावनी दी। इस दौरान सीडीपीओ अरूण कुमार दूबे ने तीस वर्ष से उपर व्यक्तियों के सुगर, ब्लड प्रेशर की जांच पर और ज्यादा जोर देने को कहा। साथ ही ई-कवच एवं संम्भव पोर्टल पर दर्ज सैम एवं मैम (तीब्र एवं अति तीब्र कुपोषित बच्चों) का ई-कवच पोर्टल पर अपडेट करने में लापरवाही पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए सुधार लाने की चेतावनी दी।

सीडीपीओ ने कहा कि उक्त कार्यक्रम शासन की प्राथमिकताओं में से एक है। इसको समय रहते हुए शत-प्रतिशत पूरा करना अनिवार्य है।? उक्त कार्यक्रम में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रभारी अधिकारी डा. अमर कुमार ने कहा कि आकांक्षात्मक विकास खंड के अंतर्गत रेवतीपुर में शासन स्तर से 79 हजार 184 तीस वर्ष से उपर के व्यक्तियों का सुगर और ब्लड प्रेशर जांच का लक्ष्य मिला है,जिसे हर हाल में पूरा किया जाना है। उन्होंने ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस पर अपने-अपने क्षेत्र की समस्त गर्भवती महिलाओं का हर हाल में चार प्रसव पूर्ण जांच करने और उक्त कार्यों का ई-कवच पोर्टल पर ससमय अपडेट करने का सख्त निर्देश दिया। कहा कि बीएच एंड डी सत्र पर टीकाकरण के उपरांत समस्त लाभार्थियों का ई-वीन पोर्टल पर अपलोड करने का लक्ष्य है। जिसे पूर्ण करने पर केवल एक क्लिक पर उनके टीकाकरण संबंधित हर तरह की जानकारी संबंधित के मोबाइल पर एसएमएस के जरिए मिल जाएगा। इस अवसर पर डीएमसी बलवंत सिंह, बीपीएम बबीता सिंह, अजय कुमार, अभिषेक, आशुतोष, एमएन राय, अनीश, बीएमसी इम्तियाज, शैलजा राय, शैलेश, नेहा राय, सोनी, मेनिका, पूजा आदि मौजूद रहे।

रोडवेज बस दुर्घटनाग्रस्त, बाल–बाल बचे यात्री

बलिया। रोडवेज की एक बस लखनऊ जाते समय सोमवार की तड़के सुबह फेफना कस्बा स्थित बलियांस होटल के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि हादसे मे लोग बाल-बाल बच गए। बस में करीब 50 से ज्यादा यात्री सवार थे। बस बलिया रोडवेज डिपो की है, जो जिला मुख्यालय से लखनऊ जा रही थी। बस में सवार कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। बताया जा रहा है कि बस एक बाइक सवार को बचाने में अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

मऊ के लक्ष्मी नारायण मंदिर में जायसवाल समाज सेवा समिति ने किया रुद्राभिषेक कार्यक्रम

बांग्लादेश में हिंदुओं के कल्याणार्थ के लिए किया अनुष्ठान

♦ 25 यजमानों द्वारा एक साथ एक समान वस्त्र में किया गया रुद्राभिषेक

केटी न्यूज / मऊ

द्वादश ज्योतिर्लिंग रुद्राभिषेक के दौरान काशी से आए वैदिक विद्वानो के आचार्यत्व में 11 रुद्री पाठ से हुए अभिषेक के दौरान पूजन स्थल मंत्र उच्चारण से गूंज उठा। इस दौरान विश्व कल्याण, लोक कल्याण के साथ ही बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ भगवान भोलेनाथ की प्रार्थना कर बांग्लादेश में रह रहे सनातन धर्मावलंबियों के मंगल की कामना की गई। नगर के हनुमान घाट स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर में जायसवाल समाज सेवा समिति द्वारा द्वादश ज्योतिर्लिंग सामूहिक रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया था। प्रत्येक वर्ष होने वाला श्रावणी पूजन इस वर्ष बांग्लादेश में विधर्मियों द्वारा दिए जा रहे यातनाओं को झेल रहे सनातनी भाइयों के कल्याण निमित्त समर्पित रहा। द्वादश पार्थिव शिवलिंग पर रुद्राभिषेक पूजन के माध्यम से भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना की गई कि वह अत्याचारियों का समूल नाश करते हुए हिंदू भाइयों व सनातनियों की रक्षा करें। काशी के प्रकांड विद्वान आचार्य मथुरा प्रसाद शुक्ल के कृपापत्र वैदिक सुनील जी महाराज के निर्देशन में हुई इस पूजा में मिट्टी के 12 ज्योतिर्लिंग बनाकर मंत्र उच्चारण द्वारा सभी ज्योतिर्लिंग देवताओं का आह्वान किया गया। तत्पश्चात दर्जन भर से अधिक वैदिकों के समवेत स्वर में 11 रुद्री पाठ कर रुद्राभिषेक पूजन अर्चन किया गया। 25 यजमानों द्वारा एक साथ एक समान वस्त्र में रुद्राभिषेक किया गया। जिलाध्यक्ष लाल बहादुर जायसवाल ने बताया कि जायसवाल समाज द्वारा लोक कल्याण विश्व कल्याण के निमित्त प्रतिवर्ष वार्षिक श्रावणी पूजन किया जाता है। गत वर्षों की भांति इस वर्ष द्वादश ज्योतिर्लिंग रुद्राभिषेक का निर्णय लिया गया। इस दौरान बांग्लादेश सहित तमाम देश में प्रताड़ित हो रहे सनातनी भाइयों के कल्याण निमित्त विशेष पूजन अर्चन की व्यवस्था की गई थी। वैदिक आचार्य ने बताया कि वेद सत्य जनित होता है। आज इस देश में जो कुछ भी निर्णय लिए जाते हैं वह सब कुछ वेद पर आधारित होता है।न्यायपालिका हो या शिक्षा नीति हो विज्ञान नीति हो सभी नीतियां वेद के आधार पर ही चलती हैं। वेद सत्यजीत है इसलिए किसी पर कोई कटाक्ष करने या निंदा करने से पहले वेद का अध्ययन करना जानिए। उन्होंने कहा कि आज विज्ञान के क्षेत्र में भी यदि भारत विश्व में सिरमौर बना है वह वेद जनित शिक्षा नीति की देन है। जिला महामंत्री श्रीराम जायसवाल ने कहा कि एक साजिश के तहत पूरे विश्व स्तर पर हिंदू भाइयों और सनातन पर हमले किए जा रहे हैं। देश की राजनीति से लगाए विदेश तक लक्ष्य कर केवल सनातन धर्म को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। बांग्लादेश में यदि लड़ाई सत्ता की थी तो उसमें हिंदू परिवार और हिंदू धार्मिक संस्थान क्यों निशाने पर आए। वहीं देश के तमाम राजनीतिक पार्टियों के लोग इस घटना पर मौन हुए हैं। ऐसे में अहिंसा के पुजारी सनातन धर्म के लोग भगवान भोलेनाथ की उपासना कर सनातन की रक्षा के लिए प्रार्थना किए हैं।

इस अवसर पर कैलाश चंद जायसवाल, मुन्ना जी जायसवाल, प्रतीक जायसवाल, प्रदीप, शशिदेव जायसवाल, उमेश, जयप्रकाश, प्रवीण जायसवाल, ममता जायसवाल, हर्षित श्याम, अतुल जायसवाल, महेंद्र जायसवाल, राकेश जायसवाल, महेंद्र कुमार, सौरव वरनवाल, गौरव जयसवाल, राधेश्याम जयसवाल, कैलाश चंद जायसवाल, दीपक जायसवाल, तेजप्रताप तिवारी, हरीश जायसवाल, संजय जायसवाल, संतोष जायसवाल, सुभाष जायसवाल, वीरेंद्र, विनीत जायसवाल, अनुराग, नीरज जायसवाल, अरुण जायसवाल, जुगनू , नवीन, कन्हैया जायसवाल, रोहित, राहुल, दीपक, पंकज, विक्रांत, हिमांशु, अमित, सुगंध लोहिया, विपुल, आशीष जायसवाल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सीएम योगी की बड़ी पहल, प्रदेश में पहली बार खेतों से सिल्ट हटाने को दिये गये 32,55,872 रुपये

केटी न्यूज/ लखनऊ

- लखीमपुर खीरी के 311 किसानों को दी गई सहायता धनराशि, लाभार्थियों ने सीएम का जताया आभार
- 5 तहसील के किसानों को 178.78 हेक्टेयर क्षेत्रफल से सिल्ट हटाने के लिए दी गई धनराशि

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ प्रभावित इलाकों के किसानों को बड़ी राहत दी है। उन्होंने पहली बार बाढ़ की वजह से खेतों में जमी सिल्ट को हटाने के लिए किसानों को सहायता धनराशि देकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह उत्तर प्रदेश के इतिहास में पहली बार है जब किसी मुख्यमंत्री ने खेतों से सिल्ट हटाने के लिए किसानों को मुआवजा दिया है। सीएम योगी की इस पहल का किसानों ने स्वागत करते हुए खुशी जाहिर की। बाढ़ प्रभावित लखीमपुर खीरी के 311 किसानों को सिल्ट हटाने के लिए 32 लाख से अधिक का मुजावआ भी दिया जा चुका है। इस पर लाभार्थियों ने सीएम योगी का आभार जताते हुए उन्हें अपना मसीहा बताया। वहीं, प्रदेश के बाढ़ प्रभावितों ने योगी सरकार के राहत कार्यों की जमकर तारीफ की।

खेत में जमी सिल्ट की मोटाई 3 सेंटीमीटर से अधिक होने पर दिया जा रहा मुआवजा

राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि उत्तर प्रदेश आपदा की दृष्टि से काफी संवेदनशील है। यह बात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भली-भांति जानते हैं और इसको लेकर काफी गंभीर भी हैं। यही वजह है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले साढ़े सात वर्षों में आपदा के न्यूनीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं। साथ ही, वह आपदा प्रभावितों की हर संभव मदद के लिए अलर्ट भी रहते हैं। उन्होंने पिछले साढ़े सात वर्षों में आपदा प्रभावितों की मदद के लिए कई प्राकृतिक घटनाओं को आपदा में शामिल किया। इसी के तहत उत्तर प्रदेश में पहली बार बाढ़ से खेतों में जमी सिल्ट को हटाने के लिए किसानों को मुआवजा दिया गया। आपदा गाइडलाइन के अनुसार बाढ़ से जिन किसानों के खेतों में रेत या गाद निक्षेप की मोटाई तीन सेंटीमीटर से अधिक होती है, उन्हें सिल्ट होने के लिए मुआवजा दिया जाता है। उक्त किसानों को 18 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर तथा न्यूनतम 2,200 रुपये प्रति किसान की दर से मुआजवा दिया जाता है।

लखीमपुर खीरी की जिलाधिकारी दुर्गाशक्ति नागपाल ने बताया कि शासन की गाइडलाइन के अनुसार जिले के 311 किसानों को खेतों से सिल्ट हटाने के लिए 32, 55, 872 रुपये की धनराशि वितरित की गई है। इसमें, लखीमपुर तहसील के 105 किसानों को 36.7841 हेक्टेयर क्षेत्रफल से सिल्ट हटाने के लिए 6,75,941 रुपये की धनराशि वितरित की गई। इसी तरह, निघासन तहसील के 42 किसानों को 25.8283 हेक्टेयर क्षेत्रफल से सिल्ट हटाने के लिए 4,72,407 रुपये तथा धौरहरा तहसील के 39 किसानों को 34.1252 हेक्टेयर क्षेत्रफल से सिल्ट हटाने के लिए 6,11,060 रुपये जारी किये गये हैं। वहीं, गोला तहसील के 81 किसानों को 49.3897 हेक्टेयर क्षेत्रफल से सिल्ट हटाने के लिए 9,06,691 रुपये तथा पलिया तहसील के 44 किसानों को 32.7652 हेक्टेयर क्षेत्रफल से सिल्ट हटाने के लिए 5,89,773 रुपये सहायता धनराशि के रूप में दिये गये।

एक नजर

नशामुक्त भारत अभियान के तहत बच्चों व शिक्षकों ने ली प्रतिज्ञा

चंदौली। जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे एवं शासन के निदेर्शानुसार सोमवार को जनपद के सभी शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों एवं कर्मचारियों को

नशामुक्ति भारत अभियान के अन्तर्गत मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने एवं जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों के साथ ही शिक्षकों व कर्मचारियों ने नशे को रोकने का संकल्प लिया। जिला समाज कल्याण अधिकारी राजीव कुमार ने जनपद के समस्त कार्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों में नशामुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत प्रतिज्ञा दिलाये जाने के निर्देश सभी अधिकारियों एवं प्राचार्यों व प्रधानाचार्यों को दी गयी थी। जिसके क्रम में जनपद में सभी कार्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में कर्मचारियों व छात्रों द्वारा नशामुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत प्रतिज्ञा ली गयी तथा इसके साथ ही नेशनल इन्टर कालेज सैयदराजा चंदौली में कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें भारत सरकार द्वारा प्रसारित लाइव प्रसारण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपजिलाधिकारी, सदर की उपस्थित में जिला समाज कल्याण अधिकारी, प्रधानाचार्य नेशनल इन्टर कालेज सैयदराजा एवं शिक्षण संस्था के सभी छात्र-छात्राओं एवं कर्मचारियों द्वारा नशामुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत प्रतिज्ञा ली गयी।

छात्र-छात्राओं के बीच टैबलेट का वितरण

चंदौली। चहनियां स्थित मां खंडवारी ग्रुप आप इंस्टीट्यूट द्वारा संचालित मां खंडवारी पीजी कॉलेज के एमए, एमएससी तथा एमएड के 193 छात्र-छात्राओं को टेबलेट का वितरण किया गया । मुख्य अतिथि नायब तहसीलदार को विद्यालय परिवार द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया । मुख्य अतिथि नायब तहसीलदार सकलडीहा राजेंद्र यादव ने छात्र-छात्राओं को टैबलेट देते हुए कहा कि टैबलेट का उपयोग हम अपने मनोरंजन के लिए ना करें बल्कि शिक्षा के स्तर को बढ़ाने के लिए इस तकनीकी का उपयोग करते हुए देश के विकास में योगदान दें जिससे नई पीढ़ी को पूर्ण रूप से डिजिटल किया जा सके । संस्था के प्रबंध निदेशक डॉङ्क आशुतोष कुमार सिंह ने कहा कि आज के डिजिटल युग में उचित मार्गदर्शन से ऑनलाइन बिजनेस करते हुए हम अपने तरक्की का मार्ग खोल सकते हैं सरकार की इस महत्वकांक्षी योजना से हम बेरोजगारी कम कर सकते हैं तथा युवाओं को उचित दिशा दे सकते हैं। इस अवसर निदेशक अवनीश सिंह, प्राचार्य डा. हेमंत कुमार, डा. अश्विनी श्रीवास्तव विभाग अध्यक्ष , डा. नवनीत तिवारी डा. अशोक सिंह, अमरजीत यादव, सीमा सिंह ,अवनीश गुप्ता, उमेश यादव , लवकुश पांडेय, नितेश मिश्रा, डॉ. अजय सिंह, डॉ. मंजूली सिंह आदि उपस्थित रहे।

खोया हुआ मोबाइल वापस पाकर खिल उठे चेहरे

बलिया। फेफना थाने की पुलिस द्वारा सोमवार को तीन अदद गुम हुए मोबाइल को उनके स्वामियों को फेफना थाने में बुलाकर लौटाया गया। अपना खोया हुआ मोबाइल पाकर उन सबके चेहरे खिल उठे। खोया हुआ मोबाइल पाने वाले स्वामियों का नाम राघवराम यादव है, इनका मोबाइल सारगपाली बाजार में गिर गया था। दूसरा मन्जूर आलम पुत्र स्व. रहीमुद्दीन पक्काकोट थाना फेफना का मोबाइल बलिया शहर में गिर गया था। जबकि तीसरा इस्लाम अंसारी पुत्र जलील अंसारी निवासी परीवा थाना फेफना का मोबाइल भी बलिया शहर में गिर गया था। तीनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। तीनों को मोबाइल वापस मिल जाने पर तीनों के चेहरे खिल उठे।

खबरें फटाफट

नगर पंचायत कजगांव में उलट कर रखा गया डस्टबिन

जौनपुर। जिले के नगर पंचायत कजगांव के द्वारा डस्टबिन में भरे हुए कूड़े-कचरों को न उठाये जाने के कारण बाजार में उठ रही भीषण दुर्गन्ध से लोग परेशान है। इसके बावजूद नगर पंचायत के लोग पूरी तरह कुम्भकर्णी निद्रा में लीन है। बता दें कि एक तरफ नगर पंचायत अध्यक्ष व अधिशासी अधिकारी यह दावा करते है कि कजगांव नगर पंचायत में साफ-सफाई समय-समय से होती है इसके बावजूद देखा जा रहा था कि चुंगी चैराहे पर रखा डस्टबिन,सहित कई स्थानों पर गंदगी का अम्बार लगा हुआ है। पूर्व में तमाम समाचार पत्रों द्वारा जब सफाई कार्य को लेकर खबर को प्रमुखता से छापा गया तो नगर पंचायत द्वारा कचरा फेकने वाले डस्टबिन को ही उलट कर रखवा दिया गया। नगरवासियों ने बताया कि यह डस्टबिन काफी दिनों से उलट कर रखा गया है। यह नगर पंचायत पूरी तरह से स्वच्छ भारत मिशन योजना पर पलीता लगा रहा है। इस प्रकार का कारनामा देखने के बाद ऐसा प्रतीत होता है कि नगर पंचायत अध्यक्ष व अधिशासी अधिकारी पूरी तरह से कुम्भ कर्णी निद्रा में लीन पड़े हुए।

शिक्षामित्र ने मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

चंदौली। आदर्श समायोजित शिक्षक शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन जिला इकाई की ओर से सोमवार को शिक्षामित्रों ने जिला बेसिक कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इस दौरान शिक्षामित्र ने जमकर नारेबाजी की और अंत में मुख्यमंत्री के नाम सात सूत्री मांग पत्र जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्रीप्रकाश सिंह को सौंपा। इस दौरान मंडल अध्यक्ष विजय श्याम तिवारी ने कहा कि विगत सात वर्षों से शिक्षामित्र का मानदेय में कोई वृद्धि नहीं की गई है। महंगाई की दौर में शिक्षामित्र अपने परिवार का भरण पोषण अल्प मानदेय में नहीं कर पा रहे है इससे शिक्षामित्र आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं' कहा कि हमारी प्रमुख मांग अध्यादेश के माध्यम से शिक्षामित्र को सहायक अध्यापक पर स्थापित किया जाए तो प्रक्रिया पूर्ण होने तक सामान्य कार्य का समान वेतन व सामान सुविधा प्रदान की जाए।

मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन योजना से संबंधित महत्वपूर्ण बैठक में दिये निर्देश

हर गांव में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था को जल्द से जल्द करें लागू : सीएम

- पाइप लाइन बिछाने के साथ ही उनके मेंटेनेंस की होनी चाहिए समुचित व्यवस्था
- प्लंबर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण, उसकी ट्रेनिंग की हो व्यवस्था
- शुद्ध पेयजल से विभिन्न बीमारियों से मिलेगी निजात तो हमारे गांव होंगे स्वस्थ

केटी न्यूज/ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जल जीवन मिशन से संबधित महत्वपूर्ण बैठक ली। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि जल्द से जल्द प्रदेश के सभी गांवों में शुद्ध पेयजल देने की व्यवस्था को पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि पाइप लाइन बिछाने के साथ ही उसके संचालन और मेंटेनेंस को लेकर भी समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। जल जीवन मिशन में हर घर शुद्ध पेयजल पहुंचाने के कार्य में प्लबंर की भूमिका को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए मुख्यमंत्री ने इनकी समुचित ट्रेनिंग के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन में उपयोग की जा रही सामग्री उच्च क्वालिटी के हो, इस बात को सुनिश्चित किया जाए। पाइप, नल आदि की क्वालिटी अच्छी से अच्छी हो। साथ ही टोंटी चोरी होने और खराब होने पर तत्काल नई टोंटी की व्यवस्था कराई जाए। अधिकारियों ने इस दौरान मुख्यमंत्री को बताया कि प्रदेश में 2 करोड़ 63 लाख से अधिक हाउसहोल्ड के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की जा रही है, जिसमें 1 लाख 60 हजार करोड़ रुपए लागत आ रही है। वहीं प्रतिवर्ष इसके संचालन और मेंटेनेंस में करीब साढ़े चार हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य के लिए शुद्ध पेयजल अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीण जनता को शुद्ध पेयजल मिलने से उन्हें विभिन्न बीमारियों से निजात मिलेगी, जिससे हमारे गांव स्वस्थ होंगे। उन्होंने कहा कि ये योजना एक प्रकार से वॉटर थैरेपी की तरह है, जिससे पाचन संबंधित बीमारियां, यूरीन संबंधित बीमारियां, पीलिया, किडनी की पथरी और किडनी फेल होने जैसी बीमारियों से काफी हद तक निजात मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन के लिए अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की मदद से ग्रामीणों को जागरूक करना होगा। इसके लिए ग्राम प्रधान के साथ मिलकर तैयार कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शुद्ध पेयजल के लिए ग्रामीणों तक इस बात को पहुंचाया जाना चाहिए कि यह उनके मोबाइल के मासिक खर्च से भी कम में उन्हें दिया जा रहा है। इसके लिए पंचायत सहायक और बीसी सखियों को भी लगाया जाए। उन्होंने इस बात के लिए विशेष तौर पर निर्देशित किया कि पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़क को समय पर ठीक कराएं।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के गांवों को स्वस्थ और आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक गांव को हमें आत्मनिर्भर बनाना होगा। गांव के ऐसे तालाब जो किसी मंदिर से न जुड़े हों उनमें मत्स्य पालन की व्यवस्था शुरू की जा सकती है। इसके अलावा ग्राम हाट और पक्की दुकानें बनाकर उनसे आय अर्जित की जा सकती है। इसके लिए अधिकारी, स्थानीय जन प्रतिनिधि के साथ मंत्रीगण भी गांवों में जाएं और प्रधान व ग्रामीणों से विस्तृत चर्चा करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा ग्राम सचिवालय का मॉडल पूरे देश को आकर्षित कर रहा है। यह गांव की समस्याओं के समाधान का माध्यम बना है। जिन कार्यों के लिए पहले तहसील जाना होता था, अब ग्रामीणों को वह सुविधा गांव में ही मिल रही है। उन्होंने कहा कि गांवों के बीच आत्मनिर्भर होने को लेकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए। इसके लिए सरकार के स्तर से उन्हें प्रोत्साहित करना होगा। गांवों को अपने स्रोतों से प्राप्त होने वाली आय के बराबर धन सरकार की ओर से दिया जाना चाहिए।

कलयुगी मां ने अपने दो वर्षीय मासूम की गला रेतकर की हत्या

जौनपुर। जनपद के नेवढ़िया थाना क्षेत्र के जेठपुरा (भंजूपट्टी) गांव में बीते रविवार को देर रात एक मां ने पति से विवाद के बाद अपने ही जन्मना डेढ़ वर्षीय अबोध बेटे का चाकू से गला रेतकर मौत के घाट उतार दिया है। मिली खबर के अनुसार पहले अपने जन्मना पुत्र को गंभीर रूप से घायल किया। फिर उसी चाकू से खुद का गला रेत लिया। इससे मां और बेटे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को जिला अस्पताल रेफर किया गया।

जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों से पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक जेठपुरा (भंजूपट्टी) गांव की बंदना देवी का उसके पति प्रदुम गौतम से किसी बात को लेकर मारपीट और विवाद हो गया था। इसी बात को लेकर बंदना ने गुस्से में आकर पहले चाकू से अपने अबोध दो वर्षीय पुत्र का गला रेता और इसके बाद वंदना ने उसी चाकू से अपना गला काटा था। घटना के पश्चात परिजन मां और बेटे दोनो गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस उत्पीड़न से नाराज कलेक्ट्रेट बार संघ ने किया जोरदार प्रदर्शन

केटी न्यूज / जौनपुर

अधिवक्ताओं पर लगातार हो रहे हमले को लेकर कलेक्ट्रेट अधिवक्ता संघ नाराज है। वही अधिकताओं के साथ पुलिसिया उत्पीड़न को लेकर भी अधिवक्ताओं में खासी नाराजगी है जिसको लेकर आज कलेक्ट्रेट परिसर के जिला अध्यक्ष मनोज मिश्रा की नेतृत्व में हजारों की संख्या में अधिवक्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में चक्रमण करते हुए पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाये। इस दौरान उनकी मांग है कि सिकरारा थाना अध्यक्ष और जफराबाद थाना अध्यक्ष का स्थानांतरण किया जाए तब जाकर उनका आक्रोश समाप्त होगा अन्यथा यह प्रदर्शन जारी रहेगा। इस मामले में जानकारी देते हुए बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज मिश्रा ने बताया कि तहसील के एक अधिवक्ता द्वारा अपने खेत की धारा 24 की पैमाइश और पथरकड़ी करवाने के बावजूद विपक्षियों से मिलकर थाना अध्यक्ष द्वारा विपक्षी द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र पर अधिवक्ता को धारा 151 में चालान कर दिया गया वहीं दूसरी तरफ सिकरारा थाना अंतर्गत अधिवक्ता चंद्र प्रकाश दुबे की घर में घुसकर दबंगों द्वारा वाराणसी से प्रहार कर घायल किया गया है जिनका इलाज और मेडिकल मुयाइना कराया जा रहा है। पुलिस द्वारा लगातार अधिवक्ताओं को प्रताड़ित किया जा रहा है जब तक इनका स्थानांतरण नहीं होता तब तक हम लोग इसी तरह से धरना प्रदर्शन करते रहेंगे।

बीयर दुकान के सेल्समैन से मारपीट, घायल

बलिया। शहर कोतवाली क्षेत्र के गुलाब देवी इंटर कॉलेज से चंद दूरी पर स्थित एक बीयर दुकान के सेल्समैन को दबंग द्वारा मारने—पीटने का मामला सोमवार को प्रकाश में आया है। घायल सेल्समैन का नाम विकास वर्मा है। विकास वर्मा के अनुसार दबंग द्वारा बिना किसी बात के मुझे मारापीटा गया है। मेरे द्वारा थाने में तहरीर दी गई है। उधर इस संबंध में शहर कोतवाल योगेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि मामला मेरे संज्ञान में है। मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

चंदौली में लग्जरी वाहन से 63 किलो गांजा बरामद, तस्कर दबोचा गया

चंदौली। सदर कोतवाली पुलिस ने सोमवार को चेकिंग के दौरान जयरामपुर गांव के समीप लग्जरी वाहन से 63.5 किलो गांजा बरामद किया। इस दौरान पुलिस ने एक तस्कर को धर दबोचा। पुलिस ने पकड़े गए तस्कर को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत 15 लाख बताई जा रही है। उक्त मामले का खुलासा सीओ सदर राजेश राय ने पुलिस लाइन में किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि थाना प्रभारी गगन राज सिंह पुलिस टीम के साथ जयरामपुर कट पर नवहीं के तरफ से आने जाने वाले वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान एक काले रंग की कार दिखाई दी, जो पुलिस को देखकर भागने लगा, लेकिन सकरा मार्ग होने के कारण बीच रास्ते में ही उसका वाहन फंस गया। पुलिस ने तत्काल घेरेबंदी कर वाहन सहित गांजा तस्कर को धर-दबोचा पुलिस टीम द्वारा वाहन की तलाशी ली गई तो उसके डिग्गी से 21 बंडल अवैध गांजा जिसका वजन 63.500 किग्रा बरामद किया गया।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकताओं ने निकाली बाइक तिरंगा यात्रा

यात्रा का उद्देश्य जनता के बीच देशभक्ति की भावना पैदा करना

केटी न्यूज / चंदौली

भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला इकाई की ओर से सोमवार को बाइक तिरंगा यात्रा निकली गई। यह तिरंगा यात्रा मुख्यालय स्थित पार्टी कार्यालय से रवाना हुई।यह तिरंगा बाइक यात्रा जिलाध्यक्ष आशीष रघुवंशी के नेतृत्व में जिला कार्यालय से निकाली गई। इस यात्रा का शुभारंभ जिलाध्यक्ष काशीनाथ सिंह और प्रदेश प्रवासी प्रदेश कार्य समिति सदस्य प्रियांशु तिवारी ने संयुक्त रूप से किया। इसके बाबत जिलाध्यक्ष आशीष रघुवंशी ने कहा कि तिरंगा बाइक यात्रा निकालने का प्रमुख उद्देश्य लोगों में और जनता के बीच में देशभक्ति की भावना को ज्यादा से ज्यादा बढ़ाना है।साथ ही अपने देश के आन बान शान तिरंगे को हर घर पर लहराना है। इस दौरान तिरंगा यात्रा जिला कार्यालय से निकलकर पूरे नगर में भ्रमण करते हुए कमलापति त्रिपाठी अस्पताल पर जाकर समाप्त हुई। यह तिरंगा यात्रा जनपद के हर विधानसभा में निकलने के लिए युवा मोर्चा को केंद्र प्रदेश नेतृत्व से निर्देश मिला हुआ है। इसी क्रम में दीनदयाल नगर में निकाली गई।वहीं शाम को चकिया विधानसभा में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी।13 अगस्त को सैयदराजा विधानसभा में सुबह दस बजे से सैयदराजा नगर में यह तिरंगा यात्रा युवा मोर्चा की निकाली जाएगी। जिसमें मुख्य अतिथि विधायक सुशील सिंह होंगे। जबकि सकलडीहा विधानसभा में 13 तारीख को शाम को 4 बजे तिरंगा यात्रा युवा मोर्चा द्वारा निकाली जाएगी। सूर्यमुनि तिवारी जी होंगे। इस दौरान तिरंगा यात्रा में विवेक सिंह, गुरदीप सिंह, धीरज, गोपाल सिंह, अनुज सिंह, अभिषेक जायसवाल, विवेक मौर्य, आलोक उपस्थित रहे।

घोसी में निकाली गई तिरंगा यात्रा

मऊ। स्वतंत्रता दिवस को लेकर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत घोसी में तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा की शुरूआत रोडवेज परिसर स्थित हनुमान मंदिर से की गई। जिस दौरान भाजपा के क्षेत्रीय महामंत्री सुनील कुमार गुप्त और जिला पंचायत अध्यक्ष मनोज राय की अगुवाई भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने इस यात्रा में भाग लिया। भाजपा के क्षेत्रीय महामंत्री सुनील कुमार गुप्ता ने सभी को स्वतंत्रता दिवस पर घरों पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लगाने की अपील की। भाजपा नेता व कार्यकर्ता हाथ में तिरंगा लिए सड़कों पर पैदल चल रहे थे। रोडवेज से शुरू हुई तिरंगा यात्रा मखवार मोड़ स्थित गांधी जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के पश्चात जाकर संपन्न हुई। इस अवसर पर जिला महामंत्री रामाश्रय मौर्य मुन्ना राजभर, राघवेंद्र राय शर्मा संतोष सिंह रविंद्र उपाध्याय मुन्ना गुप्ता अनिरुद्ध सिंह वीरेंद्र गुप्ता हिमांशु राय सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सुभाषितम्

विचारों को मूर्त रूप देने की क्षमता ही सफलता का रहस्य है।

-हेनरी वार्ड बीचर

सेबी प्रमुख माधवी बुच का इस्तीफा

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में जो आरोप लगाए गए हैं। उन आरोपों को सेबी प्रमुख माधवी बुच ने अपने खंडन में एक तरह से स्वीकार कर लिए हैं। सेबी का पूर्ण कालिक डायरेक्टर और अध्यक्ष बनने के पहले उनका पैसा निवेश था। वह तब सिंगापुर की नागरिक थी। डायरेक्टर बनने के पहले उन्होंने अपने शेयर अपने पति के नाम पर ट्रांसफर कर दिए थे। 2018 में इस फंड को अनिल आहूजा की सलाह पर उन्होंने निवेश किया है। अब अनिल आहूजा ने कहां निवेश किया है। इस जिम्मेदारी से बुच दंपति ने अपना पल्ला झाड़ लिया है। आरोप का खंडन करते हुए उन्होंने कहा, उनके द्वारा कोई प्रत्यक्ष निवेश अदानी समूह में नहीं किया गया है। उनके पति धवल ने यह भी स्वीकार किया है। 2019 में ब्लैक स्टोन फंड से जुड़े थे, लेकिन वह फंड की रियल स्टेट विंग में नहीं थे। एक तरह से उन्होंने हिडनबर्ग के आरोपों को स्वीकार कर लिया है। अपने बचाव मे यह जरूर कहा, सेबी ने जो नोटिस जारी किया था। उसका जवाब हिडनबर्ग ने नहीं दिया है, उल्टा आरोप लगा दिए हैं। माधवी बुच ने 16 मार्च 2022 तक अगोरा पार्टनर्स सिंगापुर में 100 फीसदी भागीदारी के बारे में कोई खंडन नहीं किया है। हिडनबर्ग की दूसरी रिपोर्ट में जो आरोप लगाए गए हैं। रिपोर्ट के साथ जो दस्तावेज सार्वजनिक किए गए हैं। उन दस्तावेजों और आरोपों को माधवी और उनके पति धबल बुच ने स्वीकार कर लिया है। उस निवेश को नियमानुसार सही ठहरने का प्रयास किया है। इस सफाई के बाद भी हिडनबर्ग की दूसरी रिपोर्ट का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सारा विपक्ष एकजुट होकर सेबी प्रमुख माधवी बुच से इस्तीफा मांग रहा है। इस्तीफा नहीं देने पर सरकार से निलंबन की मांग की जा रही है। विपक्ष का कहना है, सेबी प्रमुख के पद पर माधवी के रहते हुए जांच संभव नहीं है। विपक्ष का आरोप है, सेबी प्रमुख ने सुप्रीम कोर्ट को अंधेरे में रखा। जांच को अटकाने और भटकाने का काम किया है। कांग्रेस पार्टी, टीएमसी, आम आदमी पार्टी सहित इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेकर मामले की सुनवाई करने की मांग की है। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इस्तीफा मांग लिया है। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कमेटी ने सेबी प्रमुख माधवी बुच की नियुक्ति की थी। जब पहली बार हिडनबर्ग की रिपोर्ट आई थी। उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गौतम अडानी के बचाव में पूरी ताकत लगा दी थी। जिन-जिन लोगों ने गौतम अडानी के बारे में संसद के अंदर और संसद के बाहर सवाल किए थे। उन सब को सरकार द्वारा प्रताड़ित किया गया। अतः जेपीसी के माध्यम से ही शेयर बाजार में हुई गड़बड़ी की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच संभव है। राहुल गांधी ने भी 20000 करोड रुपए की ऑफशोर फंडिंग मे पैसा किसका था। इसका जवाब अभी तक की जांच में नहीं मिला है। उन्होंने भी जेपीसी की मांग की है। हिडनबर्ग का भारत से प्रत्यक्ष रूप से कोई लेना-देना नहीं है। सेबी ने जो नोटिस जारी किया था। उसका जवाब देना उसके लिए आवश्यक नहीं है। सेबी का मानना था, वह कोई जवाब नहीं देगा, इस मामले को रफादफा कर दिया जाएगा। लेकिन यह दांव सेबी पर उल्टा पड़ गया। हिडनबर्ग ने दूसरी बार की रिपोर्ट में सेबी प्रमुख और अडानी के बीच के संबंधों को उजागर कर दिया। भारत की नियामक संस्था, सेबी प्रमुख द्वारा किस तरह से अडानी समूह को बचाया जा रहा है। अदानी समूह और सेबी प्रमुख के रिश्ते उजागर हो गए हैं। दूसरी रिपोर्ट के दस्तावेजों के आधार पर जांच कराए जाने का दबाव सरकार और सुप्रीम कोर्ट पर बढ़ गया है। जिस तरह से यह मामला तूल पकड़ रहा है। उसको लेकर शेयर बाजार में भारी घबराहट है। रविवार के दिन सरकार, सेबी और कारपोरेट जगत ने बाजार को गिरने से रोकने के लिए रणनीति तैयार कर ली थी। सोमवार को जब शेयर बाजार खुला, गिरावट के साथ कारोबार शुरू हुआ। सभी वित्तीय संस्थानो और कारपोरेट जगत के सहयोग से बाजार को गिरने से रोका गया।

चिंतन-मनन

जो नहीं है उसे पाना हो ध्येय

असंतुष्ट होने का अर्थ दुखी होना नहीं है। असल में कोई आदमी पूरी तरह सुखी होकर भी असंतुष्ट हो सकता है। सुखी होने का मतलब है, जो है, उसे आनंद से भोगना। और असंतुष्ट होने का अर्थ हैः जो नहीं है उसे आनंद से पैदा करने का श्रम करना। जब अधिकतम लोग समाज में इस भांति श्रम करते हैं तो समाज संपन्न और समृद्ध होता है। और जब अधिक लोग ऐसा सोचते हैं कि जो है बस ठीक है, वही रुक जाना है, तो फिर पूरा समाज धीरे-धीरे दरिद्र हो जाता है। जिंदगी का सारा विकास, जो नहीं है, उसे पाने से ही होता है। इसलिए मैं तो कहूंगा कि ऐसा किसी जगह मानने की जरूरत नहीं है कि अब सब पूरा हो गया, अब भला मुझे क्या करना है ! यह मरने के ढंग हैं। यह अपने भीतर जिंदा रहते हुए मर जाना है। जब तक श्वास है, तब तक एक भी श्वास व्यर्थ नहीं जानी चाहिए। फिर भी अगर किसी व्यक्ति को ऐसा लगता हो कि मेरी तो सच में ही सारी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, तो फिर ऐसे व्यक्ति को दूसरों की आवश्यकताएं पूरा करने में लग जाना चाहिए। अगर किसी व्यक्ति को पक्का ऐसा लगता है कि मेरी तो सभी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, मैं क्यों श्रम करूं? तो उसे चारों तरफ देखना चाहिए कि अब मेरा काम तो जमीन पर खत्म हो गया, लेकिन दूसरों की आवश्यकताएं पूरी नहीं हुई हैं, उनके लिए मैं श्रम करने में लग जाऊं। लेकिन श्रम से नहीं बचा जा सकता। आपकी अपनी आवश्यकताएं पूरी हो गई हैं, तो अपने चारों तरफ देखिए। बहुत लोगों की पूरी नहीं हुई हैं, अतः उनके लिए श्रम करने में लग जाइए। लेकिन खाली बैठने का हक किसी को नहीं है। संन्यासी को भी खाली बैठने का हक नहीं है। देश को संपन्न करना है तो सभी को श्रम में लगना ही चाहिए। और श्रम में हम तभी लगेंगे जब कोई आवश्यकता पूरी करनी हो। चाहे अपनी, चाहे किसी दूसरे की, लेकिन आवश्यकता पूरी करने की दौड़ जारी रहनी चाहिए। यह दौड़ शांत हो, यह दौड़ आनंदपूर्ण हो, इतना मैं कहूंगा। यह दौड़ पागल की नहीं होनी चाहिए, विक्षिप्त की नहीं होनी चाहिए।

अंगदान बीमार या मरते को नयी मुस्कान देने का पुण्य

- ललित गर्ग

विश्व अंगदान दिवस प्रतिवर्ष 13 अगस्त को मनाया जाता है। किसी व्यक्ति के जीवन में अंगदान के महत्व को समझने के साथ ही अंगदान करने के लिये आम इंसान को प्रोत्साहित करने के लिये सरकारी संगठनों, सार्वजनिक संस्थानों और दूसरे व्यवसायों से संबंधित लोगों द्वारा हर वर्ष यह दिवस मनाया जाता है ताकि अंगदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके और लोगों को अंगदान से जुड़ी गलतफहमियों से अवगत कराया जा सके। इस दिवस का एकमात्र उद्देश्य मुख्य रूप से लोगों को मृत्यु के बाद अंगदान के महत्व के बारे में प्रोत्साहित करना और शिक्षित करना है ताकि अधिक से अधिक लोगों की जान बचाई जा सके, जरूरतमंदों की जीवन मुस्कान लौटायी जा सके। गुर्दे, हृदय, अग्न्याशय, आंखें और फेफड़े जैसे अंग दान से पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों की जान बचाई जा सकती है। इंसान की सम्पत्ति का कोई मतलब नहीं अगर उसे बांटा और उपयोग में नहीं लाया जाए, चाहे वे शरीर के अंग ही क्यों न हो। इस दृष्टि से अंगदान एक महा- दान है, जो हमें स्वर्ग-पथ की ओर अग्रसर करता है। ऐसा दानदाता समाज, सृष्टि एवं परमेश्वर के प्रति अपना कर्त्तव्य पालन करता है। अंग दान-दाता कोई भी हो सकता है, जिसका अंग किसी अत्यधिक जरुरतमंद मरीज को दिया जा सकता है। किसी के द्वारा दिये गये अंग से किसी को नया जीवन मिल सकता है, उसकी जिन्दगी में बहार आ जाती है। वर्ष 2024 की इस दिवस की थीम है आज किसी की मुस्कान का कारण बनें! अंगदान दिवस पूरे विश्व एवं भारत में मनाये जाने वाले महत्त्वपूर्ण दिवसों में से एक है। कोई भी व्यक्ति चाहे, वह किसी भी उम्र, जाति, धर्म और समुदाय का हों, वह अंगदान कर सकता है। भारत महर्षि दधीचि जैसे ऋषियों का देश है, जिन्होंने एक कबूतर के प्राणों व असुरों से जन सामान्य की रक्षा के लिये अपना देहदान कर दिया था। परंतु समय के साथ भारत में अंगदान की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई। निश्चित तौर पर अंगदान करके किसी अन्य व्यक्ति की जिंदगी में नई उम्मीदों का सवेरा लाया जा सकता है। इस तरह अंगदान करने से एक प्रेरणादायी शक्ति पैदा होती है, जो अद्भुत होती है, यह ईश्वर के प्रति सच्ची प्रार्थना है। इस तरह की उदारता व्यक्ति की महानता का द्योतक है, जो न केवल आपको बल्कि दूसरे को भी प्रसन्नता, जीवनऊर्जा प्रदान करती है। अंगदान ऐसी प्रक्रिया है जिसमें किसी जीवित या मृत, दोनों तरह के व्यक्तियों से स्वस्थ अंगों और ऊतकों को लेकर किसी अन्य जरूरतमंद व्यक्ति के शरीर में प्रत्यारोपित कर दिया जाता है। प्रत्यारोपित होने वाले अंगों में दोनों गुर्दे (किडनी), यकृत (लीवर), हृदय, फेफड़े, आंत और अग्न्याशय शामिल होते हैं। जबकि ऊतकों के रूप में कॉर्निया, त्वचा, हृदय वाल्व कार्टिलेज, हड्डियों और वेसेल्स का प्रत्यारोपण होता है। आँख, पाचक ग्रंथि, आँत, अस्थि ऊतक, हृदय छिद्र, नसें आदि अंगों का भी दान किया जा सकता है। पूरे देश में ज्यादातर अंग दान अपने परिजनों के बीच में ही होता है अर्थात कोई व्यक्ति सिर्फ अपने रिश्तेदारों को ही अंग दान करता है। विश्व स्तर पर और भारत जैसे विकासशील देशों में अंग की बढ़ती आवश्यकता को रोकने में मृत दाता महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि एक मृत दाता आठ व्यक्तियों को बचा सकता है। 2021 में, वैश्विक स्तर पर 1,44,302 अंग प्रत्यारोपण हुए, जिनमें से 26.44 प्रतिशत (38,156) मृतक अंग दान के हैं। भारत ने कुल 12,259 प्रत्यारोपण किए, जो वैश्विक प्रत्यारोपण में 8 प्रतिशत का योगदान देता है, जिसमें प्रमुख प्रत्यारोपण गुर्दे (74.27 प्रतिशत), उसके बाद लीवर (23.22 प्रतिशत), हृदय (1.23 प्रतिशत), फेफड़े (1.08 प्रतिशत), अग्न्याशय (0.15 प्रतिशत) और छोटी आंत (0.03 प्रतिशत) के हैं। एक शोध रिपोर्ट के अनुसार, 2021 की तुलना में, भारत में क्रमशः किडनी (759), लिवर (279) और हृदय (99) में 1137 अधिक मृत अंग प्रत्यारोपण की सूचना मिली है। हालांकि, भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुमान के अनुसार, मांग को पूरा करने के लिए लगभग 175,000 किडनी, 50,000 लिवर, हृदय और फेफड़े और 2,500 अग्न्याशय की आवश्यकता है। प्रत्यारोपण की संख्या और अंग उपलब्ध होने की संख्या के बीच एक बड़ा अंतराल है। अंगदान जीवन के लिये अमूल्य उपहार है। अंगदान उन व्यक्तियों को किया जाता है, जिनकी बीमारियाँ अंतिम अवस्था में होती हैं तथा जिन्हें अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है। जीवित व्यक्ति के लिये अंगदान के समय न्यूनतम आयु 18 वर्ष होना अनिवार्य है। साथ ही अधिकांश अंगों के प्रत्यारोपण का निर्णायक कारक व्यक्ति की शारीरिक स्थिति होती है, उसकी आयु नहीं। जीवित अंगदाता द्वारा एक किडनी, अग्न्याशय, और यकृत के कुछ हिस्से दान किये जा सकते हैं। कॉर्निया, हृदय वाल्व, हड्डी और त्वचा जैसे ऊतकों को प्राकृतिक मृत्यु के पश्चात दान किया जा सकता है, परंतु हृदय, यकृत, गुर्दे, फेफ-ड़े और अग्न्याशय जैसे अन्य महत्त्वपूर्ण अंगों को केवल ब्रेन डेड के मामले में ही दान किया जा सकता है। अंगदान और प्रत्यारोपण मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम (टीएचओए) 1994 के अंतर्गत आता है, जो फरवरी 1995 से लागू हुआ। इस अधिनियम के अनुसार अंगदान सिर्फ उसी अस्पताल में ही किया जा सकता है, जहां उसे ट्रांसप्लांट करने की भी सुविधा हो। यह अपने आप में बेहद मुश्किल नियम था। इस नियम से दूर-दराज के इलाकों के लोगों का अंगदान तो हो ही नहीं पाता था। इस समस्या को देखते हुए सरकार द्वारा 2011 में इस अधिनियम को संशोधित किया गया। नए नियम के मुताबिक अंगदान अब किसी भी आईसीयू में किया जा सकता है अर्थात उस अस्पताल में ट्रांसप्लांट न भी होता हो, लेकिन आईसीयू है, तो वहां भी अंगदान किया जा सकता है। केवल भारत में ही नहीं दुनिया में हर साल लाखों लोगों के शरीर के अंग खराब होने के कारण मृत्यु हो जाती है। दुनियाभर में रक्तदान के प्रति जागरूकता की वजह से बड़े पैमाने पर लोगों ने इसका महत्व समझा और आगे आकर स्वेच्छा से रक्तदान करने लगे हैं, उसी प्रकार अंगदान के प्रति वैश्विक जागरूकता की महत्ती आवश्यकता है। रक्तदान के बाद दूसरे स्थान पर है नेत्रदान। लोग अब नेत्रदान के लिए भी आगे आने लगे हैं। तथ्य बताते हैं कि वैश्विक स्तर पर अंगदान में भारत की हिस्सेदारी बहुत ही कम है। यहाँ प्रति 10 लाख पर मात्र 0.15 लोगों द्वारा ही अंगदान किया जाता है। जब की प्रति 10 लाख पर अमेरिका में 27, क्रोएशिया में 35 एवं स्पेन में 36 लोग अंगदान करते हैं। अंगदान का पूरा रिकार्ड संधारित किया जाता है जिसकी जानकारी नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन को दी जाती है। 65 वर्ष उम्र तक के वे व्यक्ति जिनका ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया हैं वे अंगदान कर सकते हैं। ऐसे व्यक्ति का 4 घंटे तक दिल एवं फेफड़े, 6 से 12 घंटे तक किडनी, 6 घंटे तक लिवर, 24 घंटे तक पेनक्रियाज एवं 5 साल तक टिश्यू को सुरक्षित रख जा सकता है। प्राकृतिक मौत पर दिल के वाल्व, कॉर्निया, त्वचा एवं हड्डी जैसे ऊतकों का दान किया जा सकता है। लोगों को खासकर ब्रेन डेड मरीज के परिजनों को समझना होगा कि अंगदान सबसे बड़ा दान एवं पुण्य का काम है। अंगदान कर आप किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचा कर उसके जीवन में मुस्कान लाकर, पुण्य कमाने में पहल कर समाज में उदाहरण बन सकते हैं।

दिल्ली की सिंधासन के लिए सियासी जंग शुरू

- विनोद तकियावाला

भारतीय राजनीति के मर्मज्ञ व पंडितयों के मध्य चिन्तन व चर्चा दबी जुबान से शुरू हो गई कि मोदी व शाह के लिए तीसरे काल में सरकार चलाना इतना आसान नहीं, जिसकी झलकआये दिनों देखने को मिलनें लगी है। विश्व के राजनीति पटल पर सदियों से अपना सिक्का जमाने वाला हमारा देश भारतवर्ष सैदव ही चर्चा के केन्द्र में रहता है।भारतीय राजनीति में इसी क्रम में परिवर्तन का चक्र चला दिल्ली दरबार के सिंधासन भाजपा व उनकी सहयोगी दलों की सरकार बनी, 2014 से 2024 दो कार्यकाल तक चली,भाजपा व मोदी सरकार के हौसले बुलंद थें।दूसरे कार्यकाल में तो विपक्ष को कुछ नही माने देश के लोकतंत्र के मन्दिर में संविधान संसोधन,बिल पास करवाने विपक्षों दलो के सांसद का निलम्बन आदि काफी चर्चा व चिन्तन का विषय बना,पार्टी द्वारा अपने संरक्षक स्वरूप आर एस एस अर्थात संघ की अनदेखी तक करते लगी।सर पर 2024 का साधारण चुनाव था।इसके पूर्व राज्यो के विधान सभा चुनावों में सफलता मिलती देख कर,अपने समर्थकों व पार्टी के कार्यकत्ताओं के लिए फरमान जारी कर दिया कि मोदी-शाह के नेतृत्व में अबकी बार 400 का दिया, पार्टी नें अपने मोदी-शाह जिसे चाणक्य भी कहा जाने था। लोकसभा चुनाव के परिणाम 400 का आकंडा पहुंचना तो दुर की बात-सरकार बनाने के लिए दो दलों का बैसाखी का लेना पड़ा।भारतीय राजनीति के क्षितिज पर विगत 10 बर्षो तक चमकने -दमकने वाला मोदी व उसके अजीज दोस्त शाह की करिश्माई जोड़ी के नेतृत्व में एन डी ए व दो बैशाखी के सहारे की सरकार तो बना ली, लेकिन दिल्ली दरबार की तीसरी मोदी सरकार के शपथ ग्रहण के साथ ही यह पूछा जाने लगा था कि भाजपा व उसके सहयोगी दलों की केन्द्र में सरकार कितने दिन चलेगी ?यहाँ पर आपके मन सक व शंका उठना स्वाभाविक है कि 10 बर्षो से केन्द्र सरकार में एन डी ए की नेतृत्व वाली सरकार के लिए ऐसी कहना उचित है क्या। मै यहाँ पर स्पष्ट कर दूँ कि ऐसी आशंका किसी भी गठबंधन सरकार के लिए जताई जाती रहीहै।कई गठबंधन सरकारें चली भी हैं,तो गठबन्धन की सरकार ताश के पत्ते की भरभरा कर गिरी भी हैं। आप को स्मरण होगा सन1992 में कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में बनी नरसिंह राव की सरकार ने अपना कार्यकाल पूरा किया था।उसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में बीजेपी की अगुवाई वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए)ने भी अपना कार्यकाल पूरा किया था।डा0 मनमोहन सिंह की अगुवाई में दो सरकारोंझ्यूपीए 1और यूपीए 2 ने अपना कार्य काल पूरा किया था।वही गठबंधन सरकारों के बीच में ही भरभराकर गिर पड़ने के कई उदाहरण हैं।भारतीय राजनीति में आपातकाल अध्याय के बाद केंद्र में विपक्ष की बनी पहली सरकार जनता पार्टी की एक तरह से गठबंधन की ही सरकार थी।वह अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई। बाद में 1989 में जनता दल के नेतृत्व में बनी सरकार भी बीच में ही गिर गई थी। इस सरकार को एक ओर से वामपंथी तो दूसरी ओर से बीजेपी समर्थन दे रही थी।इसी तरह से अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में बनी दो सरकारें भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाईं।एक बार तो वाजपेयी लोक सभा में बहुमत ही नहीं साबित कर पाये(सरकार महज 13 दिन रही)और दूसरी बार सरकार बनी तो महज 13 महीनों में ही गिर गई।इससे पहले चौधरी चरण सिंह की सरकार महीने भर और चंद्रशेखर की सरकार भी चार महीने में ही गिर चुकी है।

एक बच्चे की सउरी(गर्भवती जिस कमरे में बच्चे को जन्म देती है)में ही नजर उतराई(झाड़-फूंक) होने लगे उसके सौ साल जीने की उम्मीद कैसे लगाई जाए।राहुल गाँधी और लालू प्रसाद यादव दोनों इस ख्वाहिश को जता चुके हैं कि नरेंद्र मोदी की एन 1 व एन 2 की बैसाखी वाली सरकार कितने दिन चल पायेगी।दोनों सहयोगी दलों मोदी सरकार से अपनी दलो व राज्यों सरकार कई बात की उम्मीद लेकर बैठे हैं। सर्व विदित रहे कि तेलुगू देशम पार्टी के नेता चंद्रबाबू नायडू,जिनकी पार्टी के 16 सदस्य हैं और जनता दल यू के नेता नीतीश कुमार,जिनके दल के 12 सदस्य हैं,किसी न किसी दिन सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी करेंगे।संसद के बजट सत्र में ,इस बात के कयास लगाए जा रहे थे लेकिन केन्द्र सरकार द्वारा अपनी चुतराई से दोनों राज्यों को बड़े पैकेज देकर उनकी चाहत का ख्याल रखा गया। उन्हें असंतोष नहीं हुआ लैकिन दूसरे राज्यों में असंतोष देखने को मिला है,उनका मानना है कि मोदी सरकार ने बजट में उनके साथ अन्याय हो रहा है।जिसकी झलक नीति आयोग की बैठक मुख्य मंत्रियों का बहिष्कार कर हालॉकि प० बंगाल की मुख्य मंत्री सुश्री ममता बनजी बैठक में बैठक के मध्य में छोड़ कर चली गई।उनका आरोप था कि उन्हें बैठक में बोलने के लिए एक तो कम समय मिला इतना ही बीच में उनका माईक बंद कर दिया।मोदी सरकार व पार्टी का मानना है कि अगर चंद्रबाबू और नीतीश के समर्थन वापस ले लेने पर भी सरकार के पास 266 सदस्यों का समर्थन रहेगा। जिसकी सरकार होती है उसके लिए छह बाकी सदस्यों का इंतजाम करना बहुत मुश्किल नहीं होगा।वे महाराष्ट्र, कर्नाटक, गोवा, अरुणाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों की तरह केंद्र में भी दूसरी पार्टियों के सांसदों को बीजेपी में मिलाकर अपनी संख्या 272 तक पहुंचाने की कोशिश जरूर करेंगे। पीछे भी यही मोदी शाह टीडीपी के सांसदों को तोड़ भी चुके हैं, इसलिए इस बात की गारंटी नहीं है कि वे इस बार ऐसी कोई कोशिश नहीं करेंगे इसलिए सरकार गिरे,यह सहज में तो संभव नहीं।लेकिन सरकार के सामने समस्या है,और वह असल समस्या यह है कि भाजपा और संघ में मोदी और शाह के खिलाफ असंतोष बन आया है।उनकी वोट दिला पाने की क्षमता और चाणक्यगीरीझ्दोनों पर सवालिया निशान लग गया है।माना जा रहा है कि उनकी गलत नीतियों और उनकी मनमानी के कारण लोकसभा चुनाव में भाजपा को भारी नुकसान हुआ है।इसी वर्ष अक्टूबर-नवंबर में होने वाले जम्मू-कश्मीर,महाराष्ट्र,हरियाणा और झारखंड विधान सभा के चुनावों में यदि भाजपा हारती है तो मोदी-शाह के नेतृत्व पर सीधा सवाल उठ सकता है।

वो शम्मा क्या बुझे जिसे रोशन खुदा करे

- तनवीर जाफरी

पेरिस ओलम्पिक खेलों में जिसे स्वर्ण पदक की सबसे बड़ी उम्मीद के रूप में देखा जा रहा था वह महिला पहलवान विनेश फोगाट 100 ग्राम के मामूली वजन को लेकर सेमीफाइनल जीतने के बावजूद न केवल फाइनल खेलने के लिये अयोग्य घोषित कर दी गयी बल्कि उसे सेमीफाइनल जीत के पदक से भी महरूम रखा गया। हरियाणा के चरखी दादरी ज़िले की विनेश फोगाट को एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली महिला भारतीय पहलवान का गौरव हासिल है। वे वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत कर विनेस टोक्यो ओलंपिक जीतने वाली भी पहली भारतीय महिला पहलवान हैं। परन्तु इस जुझारू महिला पहलवान के साथ पेरिस में जो हुआ उसे देखकर पूरा देश स्तब्ध व दुखी है। विनेश फोगाट पेरिस में महिला कुश्ती के फाइनल में पहुंच चुकी थीं। देश उनसे गोल्ड मेडल की उम्मीद लगाये बैठा था। परन्तु पेरिस ओलपिंक में फाइनल खेलने से पहले ही मात्र 100 ग्राम भार अधिक होने की कारण उन्हें फाइनल खेलने के अयोग्य घोषित कर दिया गया। साथ ही उनको सिल्वर मेडल से भी वंचित रखा गया। बहरहाल विनेश उन छः जुझारू महिला पहलवानों में एक प्रमुख थी जिसने भारतीय कुश्ती महासंघ यानी डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के विरुद्ध यौन उत्पीड़न के आरोप लगाये थे। पिछले दिनों दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने तो बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप तय भी कर दिये। यही वह विनेश फोगाट थी जिसे बृजभूषण शरण सिंह के यौन उत्पीड़न की शिकार उसकी साथी महिला पहलवानों के साथ दिल्ली में धरने से बलपूर्वक जबरन उठाया गया था और पुलिस द्वारा प्रताड़ित किया गया था। यही विनेश फोगाट थी जो अपनी सरकार के पक्षपात व व्यवस्था से दुखी होकर अपने साथी पहलवानों के साथ अपने विश्वस्तरीय मैडल गंगा में प्रवाहित करने हरिद्वार पहुँच गयी थी जिसे अंतिम समय में कई किसान नेताओं ने समझा बुझाकर रोका। देश यह भी कभी नहीं भूलेगा कि जब देश का गौरव बढ़ाने वाली यह बेटियां दिल्ली की सड़कों पर अपने लिये न्याय की गुहार लगा रही थीं उस समय किस तरह एक बाहुबली सांसद के प्रभाव में आकर सत्ता व सत्ता का चाटुकार मीडिया कैसे कैसे अफसाने गढ़ रहा था। जिस बृज भूषण के विरुद्ध अदालत यौन शोषण के आरोप तय कर चुकी है, सार्वजनिक सभाओं में वही बाहुबली देश की इन बेटियों की तुलना कैकेई और मंथरा से करता फिर रहा था और उसी दौरान शक्ति प्रदर्शन कर अपनी बेगुनाही का सबूत देना चाह रहा था।

आज का राशिफल

मेष आज भाग्य में वृद्धि का दिन है और आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे। आपको सम्मान की प्राप्ति होगी।	**तुला** आज दिन लाभ से भरा होगा और कुछ खास फैसले आपको लाभ प्रदान कर सकते हैं।
वृषभ आज दिन सफलता से भरा होगा और आप अपने विरोधियों को छोड़कर आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे।	**वृश्चिक** कोई महत्वपूर्ण व्यवसायिक अनुबंध आपके पक्ष में फाइनल हो सकता है।
मिथुन क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी और बिजनस में नए आइडिया पर काम करेंगे तो आपको लाभ होगा।	**धनु** धनु आज घर में धन धान्य की वृद्धि होगी और मित्रों से धन का लाभ होगा।
कर्क आपके द्वारा लिए गए निर्णय लाभप्रद होंगे। आपका जन संपर्क बढ़ने से आप प्रफुल्लित रहेंगे।	**मकर** आज धन वृद्धि होगी और आपको विजय प्राप्त है। सत्पुरुषों के मिलने से मन में प्रसन्नता होगी।
सिंह आज भाग्य हर मामले में आपका साथ देगा। विरोधियों का षड्यंत्र असफल रहेगा।	**कुंभ** आज कर्म फल के मामले में फायदा होगा। कहीं से कमा कमाया धन मिलने का योग है।
कन्या आपके सामने ढेर सारी जिम्मेदारियां खड़ी करनी चाहिए तो आपको लाभ होगा।	**मीन** आज धन में वृद्धि होगी। आय के नये स्रोत सामने आएंगे। विरोध पक्ष पराजित होगा।

विशेष

वक्फ बिल पर मोदी सरकार की पहली हार

2024 में मोदी सरकार की सबसे बड़ी हार हुई है। मोदी सरकार ने वक्फ बिल लोकसभा में पेश किया था। सरकार का मानना था, इससे हिंदू और मुसलमान के बीच धार्मिक ध्रुवीकरण करके 80:20 का खेल एक बार पुनः भाजपा खेलेगी। लेकिन यह दांव उल्टा पड़ गया। टीडीपी और जनता दल यू ने इस बिल के मतदान मे शामिल होने से इनकार कर दिया। यदि सरकार बिल पर अड़ी रहती, तो सरकार का गिरना तय था। पहली बार मोदी सरकार ने इस स्थिति को देखते हुए बिल को जेपीसी में भेजने का प्रस्ताव किया। और सरकार को गिरने से बचा लिया। विपक्ष ने इस तरह की कोई मांग नहीं की थी। यह सत्ता पक्ष की सबसे बड़ी हार है।

अहंकार पर जया भारी पडी

राज्यसभा में पहली बार ऐसा हुआ है। जब सभापति नाराज होकर आसंदी को छोड़कर चले गए। उन्होंने कहा कि वह सदस्यों के आचरण से दुखी हैं। उन्होंने यह भी कह दिया कि वह सदन की आसंदी में बैठने के लिए शायद सक्षम नहीं है। विपक्ष विनेश फोगाट पर चर्चा करना चाहता था। लेकिन धनखड़ ने चर्चा कराने से इनकार कर दिया। यह मामला सरकार के लिए उल्टा पड़ रहा था। धनखड़ ने खुद को मोहरा बना लिया। दूसरे दिन रही सही कसर जया अमिताभ बच्चन ने पूरी कर दी। जिस तरह का व्यवहार आसंदी से विपक्षी सांसदों के साथ हो रहा था। सभी कहीं ना कहीं असहज हो रहे थे। जया जी बिफरी, तो विपक्ष को मौका मिल गया। अब विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव ला रहा है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1784: भारत में प्रशासनिक सुधार के लिए ब्रिटिश संसद में पिट्स इंजिया विधेयक पेश किया गया. 1898: अमरीकी फोजों ने स्पेनियों से मनीला छीन लिया. 1945: विश्व यहूदी कांग्रेस यहूदियों को फलीस्तीन में प्रवेश की अनुमति देने की मांग की. 1957: भारत में निर्मित हिन्दुस्तान ट्रेनर विमान ने पहली उड़ान भरी. 1967: पूर्वी जर्मनी ने बर्लिन के साथ सीमा बंद कर दी. 1962: घाना में आर्कबिशप को निष्कासित कर दिया. 1976: दक्षिण अफ्रीका ने रोडोशिया समस्या के समाधान के लिए अमरीकी प्रयासों का समर्थन किया. 1978: बेरूत में फलीस्तीनी इमारत में विस्फोट से लगभग दो सौ लोगों की मौत हो गई. 1986 पूर्वी जर्मनी ने बर्लिन की दीवार की रजत जयंती मनाई. 1987: गोताखोरों को टाइटैनिक की कुछ तिजोरियों का पता लगा.

दैनिक पंचांग

13 अगस्त 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

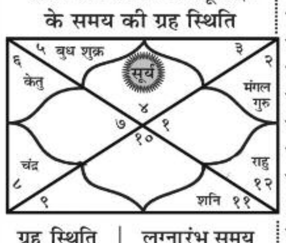

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	05.55 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	कन्या	08.07 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	10.17 बजे से
बुध	सिंह में	वृश्चिक	12.32 ब.से
गुरु	वृष में	धनु	14.48 बजे से
शुक्र	सिंह में	मकर	16.53 बजे से
शनि	कुंभ में	कुंभ	18.40 बजे से
राहु	मीन में	मीन	20.13 बजे से
केतु	कन्या में	मेष	21.43 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		वृष	23.23 बजे से
		मिथुन	01.21 बजे से
		कर्क	03.35 बजे से

मंगलवार 2024 वर्ष का 226 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ला
तिथि अष्टमी 09.32 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 10.44 बजे को समाप्त।
योग ब्रह्म 16.33 बजे को समाप्त।
करण बव 09.32 बजे तदनन्तर बालव 22.04 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 8.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 14° 35'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872070
जूलियन दिन 2460535.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1446
महीना सफर **तारीख** 08
विशेष मंगला गौरी व्रत, मासिक दुर्गाष्टमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

रक्षाबंधन के मौके पर स्टाइल करें शिफॉन साड़ी

साड़ी एवरग्रीन फैशन है और कई सारे खास मौकों पर महिलाएं इन्हें वियर करना पसंद करती हैं। वहीं अगर आप रक्षाबंधन के मौके पर साड़ी वियर करना का सोच रही हैं तो आप शिफॉन साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाली शिफॉन साड़ी दिखा रहे हैं जो रक्षाबंधन के मौके पर वियर की जा सकती हैं।

शिफॉन सिल्क साड़ी

रक्षाबंधन के मौके पर इस तरह की शिफॉन साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। इस साड़ी में वीविंग वर्क किया है साथ ही ये दो शेड में है। वहीं इस तरह की साड़ी आप स्लीवलेस ब्लाउज के साथ रक्षाबंधन के मौके पर पहन सकती हैं ।इस साड़ी के साथ आप कुंदन या गोल्ड वर्क वाली ज्वेलरी वियर कर सकती हैं। यह साड़ी आप बजार से ले सकती हैं साथ ही ऑनलाइन भी आपको ये साड़ी 2000 रुपये तक की कीमत में खरीद सकती हैं।

ग्लिटर पर्ल वर्क शिफॉन साड़ी

अगर आप लाइट कलर में कुछ पहनने का सोच रही हैं तो आप इस तरह की शिफॉन साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। यह साड़ी शिफॉन फैब्रिक में है और इस साड़ी में ग्लिटर पर्ल वर्क किया हुआ है जो रक्षाबंधन के मौके पर वियर करने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकती है। वहीं इस तरह की साड़ी के साथ ज्वेलरी में पर्ल या कुंदन वर्क वाली ज्वेलरी स्टाइल कर सकती हैं। यह साड़ी आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही जगहों से साड़ी 1000 से 3000 रुपये तक की कीमत में खरीद सकती हैं।

सीक्विन वर्क शिफॉन साड़ी

यह सीक्विन वर्क शिफॉन साड़ी भी रक्षाबंधन के मौके पर वियर की जा सकती है। यह साड़ी दो शेड में है जिसमें सेक्विन वर्क किया हुआ है जिसमें अप लुक रॉयल नजर आएगा। वहीं इस साड़ी के साथ आप मिरर वर्क वाली ज्वेलरी साथ ही फुटवियर में आप मोजरी इस आउटफिट के साथ स्टाइल कर सकती हैं। यह साड़ी आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही जगहों से 3000 रुपये से कम कीमत में मिल जाएंगी।

रक्षाबंधन पर घर को देना है नया लुक? ऐसे करें डेकोरेट

रक्षा बंधन के त्योहार पर अगर आप भी घर को एक नया लुक देकर मेहमानों को सरप्राइज करना चाहते हैं तो आप यहां से आइडिया ले सकते हैं।

रक्षाबंधन भाई बहनों का एक बेहद खूबसूरत त्योहार है। इस दिन मेहमानों का भी तांता लगा रहता है। ऐसे में जरूरी है कि आपका घर सुंदर लगे। देखने वाली आपके घर की तारीफ करें। अगर आप भी इस खुशी के मौके पर घर को सुंदर और आकर्षक बनाना चाहते हैं तो हम आपके लिए यहां कुछ बेहतरीन सजावट के आइडियाज लाए हैं जिससे आपके घर को चार चांद लग जाएगा

रंगोली

त्योहार का मौका है और रंगोली ना बने ऐसा हो ही नहीं सकता है,इससे एक ट्रेडिशनल लुक आता है, अगर आप घर को पारंपरिक दिखाना चाहते हैं तो आप आपको रंगोली से घर सजाना चाहिए। आप रंगों के बजाए अलग अलग फूलों और पत्तों सें घर के मुख्य द्वार, सिटिंग हॉल और पूजा स्थल पर रंगोली बना सकते हैं, इससे घर खुशबू से तो महक उठेगा ही साथ ही खूबसूरत भी दिखेगा।

चादर और कुशन कवर करें चेंज

अगर आप घर को सजावट के समान से सजना नहीं चाहते हैं तो आप अपने घर के पर्दे बदल सकते हैं नए और कलरफुल बेडशीट, कुशन कवर लगा सकते इससे घर का पूरा लुक बदल जाता है

फोटो वॉल

रक्षाबंधन भाई बहनों का त्यौहार होता है। ऐसे में आप कुछ खास सजावट करना चाहते हैं तो फोटो वॉल तैयार कर सकते हैं, दीवारों पर भाई बहनों से जुड़ी तस्वीरें, कोट्स लगा सकते हैं। यह न सिर्फ आपके घर को सुंदर लुक देगा बल्कि रिश्तों में मिठास भी घोलेगा, आपके भाई या बहन को स्पेशल फील करवाएगा।

ताजे फूलों की लरी से सजाएं दीवार

इसके अलावा आप घर के दीवारों और सीढ़ियों की रेलिंग और दरवाजों को फूलों से सजा सकते हैं। इसके लिए आप ताजे फूलों और फुदने की लड़ियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसे सजावट से घर का माहौल खुशनुमा हो जाएगा।

लाइट से सजाएं

रंग बिरंगी लाइट की मदद से आप लिविंग रूम सजा सकते हैं। आजकल मार्केट में बहुत ही डिजाइनर लाइट्स और झालर बिकने लगे हैं, इन्हें आप बालकनी में भी लगा सकते हैं जिससे बाहर का लुक भी सुंदर बन जाएगा। इसके अलावा आप रक्षाबंधन वाले लाइट्स भी कस्टमाइज करवा कर सजा सकते हैं।

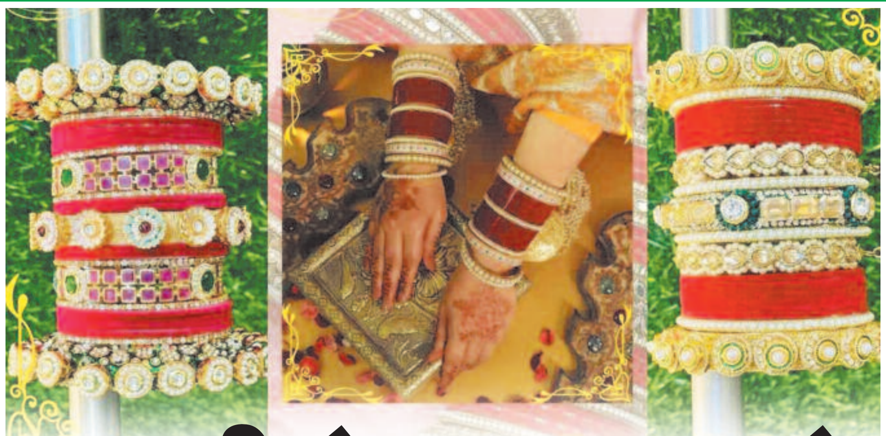

शादी के बाद पहले रक्षाबंधन पर पहने लाल चूड़ियों के ये सूट

शादी के बाद पहले रक्षाबंधन पर इन खूबसूरत लाल चूड़ियों के डिजाइंस से पाएं एक पारंपरिक और स्टाइलिश लुक। यहां देखें चुनिंदा और फैशनेबल लाल चूड़ियों के डिजाइंस, जो रक्षाबंधन पर आपकी खूबसूरती को और भी निखारेंगे।

शादी के बाद पड़ने वाला हर छोटा-बड़ा त्योहार विशेष होता है। खासतौर पर जो त्योहार शादी के बाद पीहर में मनाए जाते हैं, उनका महत्व ही बढ़ जाता है। रक्षाबंधन का पर्व भी बहुत महत्वपूर्ण होता है। शादी के बाद पहली बार जब बहन अपने भाई को राखी बांधने मायके पहुंचती है, तो यह अवसर उसके लिए बहुत ही खास होता है। सज-धज कर त्योहार मनाने के लिए मायके जाने में अलग ही मजा आता है। मगर औरत का श्रृंगार तब तक पूरा नहीं होता है, जब तक हाथों में खूबसूरत चूड़ियां न पहन ली जाएं। ऐसे में आज हम आपको लाल चूड़ियों के कुछ सेट दिखाएंगे, जिन्?हें आप हैवी, लाइट या डिजाइनर किसी भी तरह के आउटफिट के साथ कैरी कर सकती हैं।

कुंदन के कड़े और लाल चूड़ियां

कुंदन का काम आउटफिट से लेकर ज्वेलरी तक सभी में खूब पसंद किया जाता है। अगर आप लाल रंग की सिंपल कांच की चूड़ियां पहन रही हैं,तो उसके साथ आप कुंदन वाले सिंपल कड़े भी पहन लेंगी तो भी बहुत अच्छा सेट तैयार हो जाएगा। कुंदन के कड़े और लाल चूड़ियों का कॉम्बिनेशन बहुत ही सुंदर लगता है। यह आपको बहुत ही एलिगेंट अंदाज देता है। आप इसे केवल एथनिक ही नहीं बल्कि वेस्टर्न आउटफिट्स के साथ भी पहन सकती हैं।

कीमत- बाजार में आपको 50 रुपये दर्जन में अच्छी कांच की चूड़ियां मिल जाएंगी, वहीं कुंदन के कड़े भी आपको 250 रुपये जोड़ा मिल जाएंगे। अगर आपको एक खूबसूरत सेट तैयार करवाना है, 4 दर्जन लाल चूड़ियों के साथ 4 कुंदन के कड़े लें।

जड़ाऊ कड़े और लाल चूड़ियां

जड़ाऊ ज्वेलरी बहुत ज्यादा खूबसूरत लगती है, मगर इसका पूरा सेट पहनने की जगह आप केवल लाल चूड़ियों के साथ कड़े पहन लेंगी तो भी आपका लुक बहुत अच्छा आएगा। बाजार में आपको जड़ाऊ कडों में एक से बढ़कर एक वेराइटी मिल जाएगी। आप जड़ाऊ कड़ों में जरकन, मोती और प्रेशियस स्?टोन की कॉपी वाले पत्थरों से सजे कड़े खरीद सकती हैं। इसमें आपको हैवी और लाइट, हर वेट के कड़े मिल जाएंगे। आप इन्हें सिंपल कांच की चूड़ियों के साथ पहन सकती हैं। आप चाहें तो कांच की जगह मेटल की लाल चूड़ियों के साथ इन्हें पहनकर एक सेट तैयार कर सकती हैं। इसमें आपको लटकन वाली चूड़ियां और कड़े दोनों ही मिल जाएंगे। इन्हें आप हैवी या लाइट किसी भी तरह के आउटफिट्स के साथ कैरी कर सकती हैं।

कीमत- बाजार में आपको 100 रुपये से लेकर 250 रुपये में दर्जन भर मेटल की चूड़ियां मिल जाएंगी। वहीं जड़ाऊ कड़े आपको 500 रुपये जोड़े से 1000-1200 रुपये जोड़े तक मिल जाएंगे।

मल्टी कलर स्टोन वर्क वाले कड़े और लाल चूड़ियां

मल्टीकलर स्टोन वर्क वाले कड़ों के साथ भी सिंपल लाल चूड़ियां दिखने में बहुत ज्यादा खूबसूरत लगती हैं। इस तरह की चूड़ियों के साथ आप मल्टी कलर स्टोन वर्क वाली चूड़ियां भी पहन सकती हैं। इससे आपका सेट बहुत ज्यादा खूबसूरत नजर आएगा। आल लाल के साथ अन्य किसी रंग की चूड़ियां भी इसके साथ मिक्स कर सकती हैं। इस तरह का सेट आप साड़ी, सलवार कमीज, लहंगे किसी के साथ भी कैरी कर सकती हैं।

कीमत- आपको वेलवेट वाली लाल चूड़ियां बाजार में 100 रुपये दर्जन मिल जाएंगी, वहीं आपको मल्टी कलर स्टोन वाले कड़े 250 रुपये से लेकर 500 रुपये तक में मिल जाएंगे। आप 2 दर्जन चूड़ियों के साथ 2 जोड़ी कड़े खरीद कर यह सेट तैयार कर सकती हैं।

रजवाड़ा स्टाइल कड़े और लाल चूड़ियां

अगर आपको हैवी और डिजाइनर चूड़ी सेट पहनने के मन है तो आप किसी भी सिंपल रेड आउटफिट के साथ रजवाड़ा स्टाइल कड़े और लाल चूड़ियों को मिक्स मैच करके पहन सकती हैं। यह दिखने में बहुत ही सुंदर लगता है। इसकी खूबसूरती दबे नहीं इसके लिए आप बहुत हैवी और डिजाइनर आउटफिट इसके साथ न पहनें। आपको इस बात का भी ध्यान रखना है कि इस तरह के कड़ों के साथ सिंपल मेटल की लाल चूड़ियों का ही चुनाव करें।

कीमत- इस तरह के सेट आपको बाजार में बने-बनाए भी मिल जाएंगे और आप चाहें तो खुद भी इन्हें कस्टमाइज करा सकती हैं। यह आपको 1500 रुपये से लेकर 2000 रुपये के बीच में मिलेंगे।

रक्षाबंधन पर लगना चाहती हैं अट्रैक्टिव तो वियर करें न्यू डिजाइन वाले लहंगे

अगर आप रक्षाबंधन के मौके पर स्टाइलिश लुक चाहती हैं तो आप ये न्यू डिजाइन वाले लहंगे इस खास मौके पर वियर कर सकती हैं और इस तरह के लहंगे में आप भीड़ से भी अलग नजर आएंगी।

रक्षाबंधन का त्यौहार भाई-बहनों का खास त्यौहार होता है और इस खास मौके पर महिलाएं बेहद ही खूबसूरत नजर आना चाहती हैं। वहीं अगर भी इस खास मौके पर अट्रैक्टिव लुक चाहती हैं तो आप स्टाइल कर सकती हैं कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाले लहंगे जो रक्षाबंधन के मौके पर वियर करने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं।

सिल्क लहंगा

अट्रैक्टिव लुक के लिए आप इस तरह का लहंगा स्टाइल कर सकती हैं। यह लहंगा सिल्क फैब्रिक में है और इसमें एम्ब्रॉयडरी वर्क किया हुआ है। वहीं इस तरह के लहंगे को आप ऑनलाइन ले सकती हैं साथ ही ऑफलाइन भी आपको ये लहंगा 3000 तक की कीमत में मिल जाएगा। इस लहंगे के साथ आप मिरर वर्क ज्वेलरी स्टाइल कर सकती हैं साथ ही फुटवियर में आप फ्लैट्स पहन सकती हैं।

जॉर्जेट लहंगा

इस तरह का जॉर्जेट लहंगा भी आप इस खास मौके पर वियर किया जा सकता हैं। यह लहंगा जॉर्जेट फैब्रिक में है और इसमें सेकुइंस और थ्रेड वर्क साथ ही इसमें एम्ब्रायडरी वर्क भी किया हुआ है। इस लहंगे को आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही जगहों से 4000 तक की कीमत में खरीद सकती हैं। इस लहंगे के साथ आप कुंदन वर्क वाली ज्वेलरी साथ छूकर स्टाइल कर सकती हैं।

मिरर वर्क लहंगा

मिरर वर्क लहंगा भी रक्षाबंधन के त्यौहार पर वियर किया जा सकता है। यह लहंगा सिल्क फैब्रिक में है और इस लहंगे में मिरर वर्क किया हुआ है। इस तरह के लहंगे आपको कई सारे कलर और डिजाइन ऑप्शन में मिल जाएंगे जिसे आप 3000 तक की कीमत में खरीद सकती हैं। इस लहंगे के साथ आप चोकर साथ ही पर्ल वर्क वाली ज्वेलरी स्टाइल कर सकती हैं।

रक्षाबंधन के मौके पर अपने आउटफिट के साथ स्टाइल करें लेटेस्ट डिजाइंस के इयरिंग्स

ज्वेलरी आपके आउटफिट में चार चांद लगाने का काम करती है। ज्वेलरी में कई सारे चीजें है जो आपके लुक को कंप्लीट करने का काम करती हैं। इसी के साथ ज्वेलरी में झुमके भी आते हैं जो आपके आउटफिट को न्यू लुक देते हैं। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ झुमके दिखा रहे हैं जिन्हें आप रक्षाबंधन के मौके पर अपने आउटफिट के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

कुंदन वर्क इयरिंग्स - सूट और साड़ी के साथ आप कुंदन वर्क ये इयरिंग्स पहन सकती हैं। इस इयरिंग्स में बीड्स और कुंदन वर्क किया हैं जो इन इयरिंग्स को न्यू लुक देता हैं। इस तरह के झुमके आपके आउटफिट के साथ वियर करने के लिए बेट्स ऑप्शन हो सकते हैं। यह कुंदन वर्क इयरिंग्स आपको ऑनलाइन ले सकती हैं साथ ही ऑफलाइन भी आपको ये 300 रुपये में मिल जाएंगे ।

बीड्स वर्क इयरिंग्स - यह इयरिंग्स भी आप रक्षाबंधन के मौके पर अपने आउटफिट के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इन झुमकों में बीड्स वर्क किया हुआ है साथ ही एय गोल्ड प्लेटेड में है। वहीं इस तरह के झुमके आप साड़ी या लहंगे के साथ स्टाइल कर सकती हैं। यह बीड्स वर्क इयरिंग्स आपको ऑनलाइन ले सकती हैं साथ ही ऑफलाइन भी आपको ये 400 रुपये में मिल जाएंगे।

डोम शेप इयरिंग्स - इन दिनों इस तरह के डोम शेप इयरिंग्स काफी ट्रेंड में है और अगर आप साड़ी सूट साथ अनारकली सूट पहन रही हैं तो आप इस तरह का इयरिंग्स अपने आउटफिट्स के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इस डोम शेप इयरिंग्स को आप बाजार से ले सकती हैं साथ ही ऑनलाइन भी आपको ये 500 रुपये से कम कीमत में मिल जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

हिंडनबर्ग रिपोर्ट का शेयर बाजार पर नहीं हुआ असर

सेंसेक्स में उछाल, निफ्टी 24,400 से ऊपर

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में सेंसेक्स 200 अंक या 0.24 प्रतिशत बढ़कर 79,900.98 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 48.40 अंक या 0.20 प्रतिशत बढ़कर 24,415.90 पर पहुंच गया। करीब 1715 शेयरों में तेजी, 1737 शेयरों में गिरावट और 106 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। एक बार फिर से हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आ चुकी है। इस रिपोर्ट के आने के बाद इस बार अडानी के बाद सेबी चीफ मधबी पुरी बुच को लेकर कई तरह के खुलासे किए गए है। इन खुलासों के बाद पहली बार सोमवार को शेयर बाजार खुला है। शेयर बाजार में सेंसेक्स 200 अंक या 0.24 प्रतिशत बढ़कर 79,900.98 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 48.40 अंक या 0.20 प्रतिशत बढ़कर

24,415.90 पर पहुंच गया। करीब 1715 शेयरों में तेजी, 1737 शेयरों में गिरावट और 106 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। जेएसडब्ल्यू स्टील, हीरो मोटोकॉर्प, इंफोसिस, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक निफ्टी पर शीर्ष लाभार्थियों में शामिल हैं, जबकि अपोलो हॉस्पिटल्स, अदानी पोर्ट्स, अदानी एंटरप्राइजेज, एनटीपीसी और पावर ग्रिड कॉर्प में गिरावट आई है। सेक्टरों में आईटी, मेटल और रियल्टी में 0.5–0.5 फीसदी की तेजी रही, जबकि पावर, मीडिया, पीएसयू बैंक में 0.5–1 फीसदी की गिरावट रही। शुरुआती कारोबार में अडानी समूह के सभी दस शेयरों में गिरावट आई, जिसमें बीएसई पर अडानी एनर्जी में 17 प्रतिशत, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में 17 प्रतिशत, अडानी टोटल गैस में 13.39 प्रतिशत और अडानी पावर में 10.94 प्रतिशत की गिरावट आई। अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में 6.96 प्रतिशत, अडानी विल्मर में 6.49 प्रतिशत, अडानी एंटरप्राइजेज में 5.43 प्रतिशत, अडानी पोर्ट्स में 4.95 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स में 2.53 प्रतिशत तथा एसीसी में 2.42 प्रतिशत की गिरावट आई।

जुलाई में 1.31 करोड़ लोगों ने की घरेलू हवाई यात्रा, इंटरनेशनल यात्राएं भी बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले महीने जुलाई में देश में 1.31 करोड़ लोगों ने घरेलू हवाई यात्रा की, जो पिछले साल जुलाई की तुलना में 8.6 प्रतिशत और कोविड–पूर्व स्तर से 10 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, इस साल जून में 1.32

करोड़ यात्रियों का ट्रैफिक दर्ज किया गया था, जो जुलाई के मुकाबले 0.5 प्रतिशत अधिक था। इक्रा की रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा वित्त वर्ष 2025 के शुरुआती चार महीनों (अप्रैल–जुलाई) में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 5.3 करोड़ रही, जो सालाना आधार पर 5.2 प्रतिशतत्न की वृद्धि दर्शाती है।

रक्षाबंधन से पहले गिरे सोने-चांदी के दाम, खरीदने से पहले चेक करें 10 ग्राम गोल्ड का रेट

नई दिल्ली, एजेंसी। हफ्ते के पहले दिन सोमवार (12 अगस्त) को सोने-चांदी की कीमतों में बड़ा फेर-बदल देखने को मिला है। रक्षाबंधन के त्योहार से पहले आज सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का वायदा भाव 0.05 फीसदी की गिवरावट के साथ 69,858 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमत 0.33 फीसदी की गिरावट के साथ 80,281 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही है। मालूम हो कि 19 अगस्त को ही रक्षा बंधन का त्योहार है। भाई-बहन के इस पवित्र त्योहार पर सोने और चांदी की राखियों का उपहार देना शुभ माना जाता है। शुक्रवार को स्छ्ङ्ग पर सोना 0.21 फीसदी की तेजी के साथ 69,850 रुपए जबकि चांदी 0.04 फीसदी टूटी, ये गिरावट के साथ 80,510 रुपए पर बंद हुई थी।

वैश्विक बाजारों और घरेलू मांग में आई तेजी से संकेत लेते हुए स्थानीय सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने का भाव 1,100 रुपए मजबूत होकर 72,450

रुपए प्रति 10 ग्राम पर जा पहुंचा। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 71,350 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमत भी 1,400 रुपए के उछाल के साथ 82,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर जा पहुंची। पिछले सत्र में चांदी 81,100 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

राष्ट्रीय राजधानी में पिछले कारोबारी सत्र में 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,100 रुपए मजबूत होकर 72,100 रुपए प्रति 10 ग्राम पर जा पहुंचा जो पहले 71,000 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। व्यापारियों ने सोने की कीमतों में तेजी का श्रेय स्थानीय आभूषण विक्रेताओं की ताजा मांग और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूती के रुख को दिया।

द्धक्च्छ के अनुसार इस साल अब तक सोने के दाम 6,311 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 69,663 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 69,205 रुपए पर पहुंच गए हैं। साल 2023 की शुरुआत में सोना 54,867 रुपए प्रति ग्राम पर था जो 31 दिसंबर को 63,246 रुपए प्रति ग्राम पर पहुंच गया था। यानी साल 2023 में इसकी कीमत में 8,379 रुपए की तेजी आई। वहीं चांदी भी 68,092 रुपए से बढ़कर 73,395 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई थी।

विघ्नहर्ता गोल्ड के चेयरमैन महेंद्र लुनिया के अनुसार 2030 तक सोने के दाम 1.68 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकते हैं।

हिंडनबर्ग के दावों में है सच्चाई सेबी चीफ ने किया कबूल

नई दिल्ली, एजेंसी। मार्केट रेग्युलेटर सेबी चीफ मधबी पुरी बुच को लेकर रिपोर्ट आई है। हिंडेनबर्ग के इस आरोप पर सेबी चीफ ने भी जवाब दिया है। बुच ने।जो जवाब दिया है उससे साफ है कि वो लगाए गए आरोपों को कुछ हद तक स्वीकार रही है। बरमूडा में निवेश की पुष्टि भी की गई है।

अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग ने शनिवार को ही अपनी रिपोर्ट जारी की है, जिससे देश में फिर भूचाल मैच गया है। पिछले साल अडानी पर कई आरोप लगाने वाली रिपोर्ट ने इस बार सेबी चीफ पर कई संगीन आरोप लगाए है। मार्केट रेग्युलेटर सेबी चीफ मधबी पुरी बुच को लेकर रिपोर्ट आई है। हिंडेनबर्ग के इस आरोप पर सेबी चीफ ने भी जवाब दिया है। बुच ने।जो जवाब दिया है उससे साफ है कि वो लगाए गए आरोपों को कुछ हद तक स्वीकार रही है। बरमूडा में निवेश की पुष्टि भी की गई है।

रिपोर्ट आने के बाद सेबी ने बयान दिया था कि फाइनेंशियल डॉक्यूमेंट से हमें कोई परेशानी नहीं है। सेबी ने अपनी पहली टिप्पणी में रविवार को कहा कि उसने अदाणी समूह के खिलाफ सभी आरोपों की विधिवत जांच की है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बयान में कहा कि उसकी चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच ने समय-समय पर संबंधित जानकारी दी और संभावित हितों के टकराव से जुड़े मामलों से खुद को अलग रखा। नियामक ने कहा कि उसने अदाणी के खिलाफ हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए आरोपों की विधिवत जांच की है। उसकी 26 पहलुओं में से सिर्फ एक पहलू की जांच बची है और वह भी पूरी होने वाली है। नियामक ने कहा कि उसने अपनी जांच के तहत जानकारी मांगने के लिए 100 से अधिक समन, करीब 1,100 पत्र और ईमेल जारी किए हैं। करीब 12,000 पन्नों वाले 300 से अधिक दस्तावेजों की जांच की गई है। वहीं सेबी प्रमुख और उनके पति ने एक संयुक्त बयान जारी कर हिंडनबर्ग के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे पूरी तरह से बेबुनियाद बताया है। बुच दंपति ने कहा, ''रिपोर्ट में लगाए गए आरोप पूरी तरह से आधारहीन और बेबुनियाद हैं। इनमें तनिक भी सच्चाई नहीं है। हमारा जीवन और वित्तीय स्थिति एक खुली किताब की तरह है। सभी जरूरी खुलासे पहले ही वर्षों से सेबी को दिये जा चुके हैं। हमें किसी भी वित्तीय दस्तावेज का खुलासा करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है।'' बुच ने कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस हिंडनबर्ग रिसर्च के खिलाफ सेबी ने प्रवर्तन कार्रवाई की है और कारण बताओ नोटिस जारी किया है, उसी के जवाब में हमें ही घेरने और चरित्र हनन करने का प्रयास किया गया है।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर सेबी की निवेशकों को सलाह

कहा- जल्दबाजी में न लें कोई निर्णय

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी शॉर्ट सेलर रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए आरोपों के संदर्भ में, सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच ने बयान जारी किया है। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को खारिज करते हुए, सेबी पर लगाए गए सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया है। साथ ही, उन्होंने निवेशकों को सलाह दी है कि वे इस रिपोर्ट के चलते किसी भी प्रकार के तनाव में न आएं। सेबी ने निवेशकों से अपील की है कि वे इस तरह की रिपोर्ट पढ़कर जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें, बल्कि पूरी तरह छानबीन करके ही कोई कदम उठाएं, ताकि उन्हें किसी तरह का नुकसान न हो।

सेबी ने सोमवार को मार्केट खुलने से पहले जारी अपने बयान में स्पष्ट किया कि चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच हमेशा से सभी आवश्यक जानकारियां समय–समय पर साझा करती रही हैं। उन्होंने चेयरपर्सन बनने से पहले ही संभावित हितों के टकराव से जुड़े मामलों से खुद को अलग कर लिया था। सेबी ने निवेशकों को सलाह दी है कि वे हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर किसी भी तरह के भ्रम में न आएं और रिपोर्ट में दिए गए डिस्क्लेमर को अवश्य पढ़ें। दरअसल, हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में एक डिस्क्लेमर शामिल है, जिसे

सेबी ने खास तौर पर निवेशकों को ध्यान में रखने की सलाह दी है। सेबी ने बताया कि हमने पिछले साल अडानी ग्रुप के खिलाफ लगाए गए आरोपों के बाद 24 में से 23 जांच पूरी कर ली हैं। इनमें पिछली बार की रिपोर्ट में लगाए गए आरोप साबित नहीं हुए हैं। अब ब्लैकस्टोन को लेकर लगाए जा रहे आरोप भी गलत हैं। सेबी ने निवेशकों से कहा कि उन्हें ऐसी रिपोर्टों को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्हें हिंडनबर्ग रिपोर्ट के डिस्क्लेमर को भी पढ़ना चाहिए। सेबी ने कनफ्लिक्ट ऑफ इंट्रेस्ट से जुड़े मसलों पर पूरा ढांचा तैयार किया हुआ है। इसमें सिक्योरिटीज की होल्डिंग और ट्रंसफर की जानकारी देनी होती है। सेबी चीफ ने इन सभी नियमों का पालन किया है। सेबी ने पिछली रिपोर्ट के बाद शुरू की गई जांचों के बारे में बताते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने आदेश में स्थिति साफ कर दी थी। सिर्फ एक जांच अभी भी जारी है, जो जल्द ही पूरी हो जाएगी। हमने 100 से ज्यादा समन जारी किए थे। साथ ही 1,100 पत्र और ईमेल भी भेजे थे। इसके अलावा 100 बार से ज्यादा घरेलू और विदेशी रेगुलेटर एवं एजेंसियों से इस मसले पर मदद मांगी थी। साथ ही पिछली बार के आरोपों की जांच के लिए 12 हजार पेजों के 300 से ज्यादा दस्तावेज खंगाले गए थे। अपने बयान में सेबी ने निवेशकों से शांत रहने की अपील की है। सेबी ने निवेशकों से अपील की है कि वे इस तरह की रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया देने से पहले शांत रहें। पूरी सावधानी बरतें, उसने निवेशकों से यह भी कहा है कि वे रिपोर्ट में दिए गए डिस्क्लेमर को ध्यान से पढ़ें। इसमें कहा गया है कि पाठकों को यह मान लेना चाहिए कि रिपोर्ट में शामिल प्रतिभूतियों में हिंडनबर्ग रिसर्च की शॉर्ट पोजीशन हो सकती है।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट के डिस्क्लेमर में लिखा है, यह रिपोर्ट सिक्योरिटीज पर कोई सलाह नहीं है। यह जांच–पड़ताल पर आधारित रिपोर्ट है। हम हर पाठक को सलाह देते हैं कि वे खुद से जांच–पड़ताल करें। हिंडनबर्ग रिसर्च के शोध का इस्तेमाल करना आपके अपने जोखिम पर है। किसी भी स्थिति में हिंडनबर्ग रिसर्च या इससे जुड़ी कोई भी पार्टी इस रिपोर्ट में दी गई जानकारी के कारण हुए किसी भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष व्यापारिक नुकसान के लिए जिम्मेदार नहीं होगी। आप इस बात से सहमत हैं कि आप खुद से रिसर्च और जांच–पड़ताल करेंगे और किसी भी निवेश का फैसला लेने से पहले अपने वित्तीय, कानूनी और कर सलाहकार से सलाह लेंगे।

हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट देश के खिलाफ साजिश

बीजेपी बोली- शेयर बाजार को अस्थिर करना चाहते हैं इंडी गठबंधन के नेता

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी शॉर्ट सेलर कंपनी हिंडनबर्ग की सेबी चीफ मधबी पुरी बुच और अदाणी ग्रुप के खिलाफ नई रिपोर्ट पर बवाल मचा है। हालांकि, सेबी चीफ ने इस पर सफाई देते हुए इसे बेबुनियाद बताया है। वहीं, अब भाजपा ने भी कंपनी और विपक्ष पर हमला बोला है।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर भाजपा ने कंपनी को घेरा है। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि ये सब देश के खिलाफ साजिश है। रविशंकर ने कहा कि तीसरी बार हारने के बाद कांग्रेस पार्टी, इंडी गठबंधन के लोग और उनको प्रमोट करने वाले टूल किट के लोग भारत को आर्थिक रूप से अस्थिर करने के षड्यंत्र में जुटे हुए हैं।

भाजपा नेता ने कहा कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट शनिवार को रिलीज होती है, रविवार को हल्ला मचता है ताकि सोमवार को पूरे कैपिटल मार्केट को अस्थिर कर दिया

जाए। सुप्रीम कोर्ट के क्षेत्राधिकार में अपनी जांच पूरी करने के बाद स्श्वक्चढ्ढ ने हिंडनबर्ग के खिलाफ जुलाई में एक नोटिस दिया था। अपने बचाव में जवाब देने की बजाय हिंडनबर्ग ने ये रिपोर्ट पेश की है, जो पूरी तरह आधारहीन है।

भाजपा नेता ने कहा कि मोदी जी से नफरत करते-करते कांग्रेस देश से नफरत करने लगी है। अगर भारत का स्टॉक मार्केट गड़बड़ होगा तो यहां के छोटे निवेशक परेशान होंगे। आज भारत में करोड़ों की संख्या में छोटे निवेशक हैं।

रविशंकर ने कहा कि क्या कांग्रेस पार्टी चाहती है कि देश को फिर से कंट्रोल राज में ले आया जाए, जब भारत को दाने-दाने के लिए परेशान होना पड़ा था।

करदाताओं को धमकाने की जगह मार्गदर्शन का नजरिया अपनाएं आयकर अधिकारी : सीबीडीटी चीफ

नई दिल्ली, एजेंसी। सीबीडीटी के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने कहा है कि आयकर विभाग के अधिकारियों को करदाताओं के साथ व्यवहार करते समय

'डराने-धमकाने के बजाय सलाह देने' का नजरिया अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को जिम्मेदार, उत्तरदायी, पारदर्शी दिखने के लिए नए सिरे से प्रयास करने चाहिए। उन्होंने 'द चेयरमैन स्पीक्स' के माध्यम से अपने सहकर्मियों से बात की।

नयी दिल्ली । केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने कहा है कि आयकर विभाग के अधिकारियों को करदाताओं के साथ व्यवहार करते समय 'डराने-धमकाने के बजाय सलाह देने' का नजरिया अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को जिम्मेदार, उत्तरदायी, पारदर्शी दिखने के लिए नए सिरे से प्रयास करने चाहिए। अग्रवाल ने सुझाव दिया कि भारत में आयकर व्यवस्था के 164 वर्ष पूरे होने पर कर अधिकारियों को 'विवेकपूर्ण' दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। सीबीडीटी प्रमुख ने हाल ही में 24 जुलाई को मनाए गए 165वें आयकर दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन वीडियो संवाद सत्र 'द चेयरमैन स्पीक्स' के माध्यम से अपने सहकर्मियों से बात की। उन्होंने कहा कि कर विभाग में 'बदलावकारी' परिवर्तन हुए हैं, प्रौद्योगिकी को अपनाया गया है, करदाताओं का आधार बढ़ाया गया है और इसका स्वरूप 'प्रवर्तन और विरोधात्मक' विभाग से बदलकर काफी हद तक एक सेवा विभाग बन गया है जो गैर-हस्तक्षेपकारी कर प्रशासन के माध्यम से कर अनुपालन में सहायता करता है। अग्रवाल ने कहा कि प्रत्यक्ष कर श्रेणी के तहत राजस्व बढ़ रहा है और वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान लगभग 65 करोड़ पैन और 8.5 करोड़ से अधिक आईटीआर दाखिल किए गए।

बांग्लादेश की 80 प्रतिशत आय गारमेंट इंडस्ट्री से

अत्यधिक निर्भरता के कारण महंगाई का संकट बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले कुछ दशकों में बांग्लादेश की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है, खासकर गारमेंट निर्यात के कारण। इस क्षेत्र पर ध्यान देने से देश का विकास तेजी से हुआ और करोड़ों लोग गरीबी से बाहर निकले लेकिन इस सप्ताह शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के साथ बांग्लादेश को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। महंगाई और बेरोजगारी की समस्याएं बढ़ गई हैं और गारमेंट इंडस्ट्री पर अत्यधिक निर्भरता ने संकट को गहरा कर दिया है।

बांग्लादेश की 80 प्रतिशत से अधिक आय गारमेंट निर्यात से आती है। महामारी के बाद गारमेंट की मांग में गिरावट आई, जिससे बांग्लादेश की आर्थिक स्थिति और भी कठिन हो गई है। अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार, नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस, को कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अर्थव्यवस्था को सुधारने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। कनाडा के बैलिसिले इंटरनेशनल अफेयर्स स्कूल के साद हमादी का कहना है कि कानून का शासन और जवाबदेह सरकार की बहाली अत्यंत आवश्यक है।

1980 से पहले बांग्लादेश में आर्थिक सुधार शुरू हुए थे और गारमेंट इंडस्ट्री की केंद्रीय भूमिका बनी रही लेकिन 2009 में शेख हसीना के सत्ता में आने के बाद, देश का ध्यान केवल गारमेंट इंडस्ट्री पर केंद्रित हो गया और दुनियाभर के बाजारों में बांग्लादेश के निर्यात का विस्तार हुआ।

सस्ते परिधानों ने जारा और एच एण्ड एम जैसे फास्ट फैशन ब्रांड्स सहित ग्लोबल क्लॉथिंग रिटेलर्स का ध्यान खींचा। इस मांग से लाखों लोगों, खासकर महिलाओं को काम मिला। हसीना ने इंफ्रास्ट्रक्चर पर भारी निवेश किया है। इससे अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को भरोसा हुआ कि बांग्लादेश पर निर्भर रहा जा सकता है। इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप में बांग्लादेश मामलों के सलाहकार थॉमस कीन कहते हैं, स्थिरता ने विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया है। वे कहते हैं, यदि वर्कर्स की हड़ताल, बिजली कटौती और अन्य कारण चलते रहे तो बांग्लादेश को गारमेंट सेक्टर में विदेशी बिजनेस नहीं मिलेगा।

महामारी के बाद जब गारमेंट एक्सपोर्ट पटरी पर लौटा तब बांग्लादेश कई अन्य समस्याओं का सामना कर रहा था। नौकरशाही की ढील और टैक्स चुकाने में लोगों की अनिच्छा के कारण बांग्लादेश में टैक्स संग्रह काफी कम है। इस वजह से सरकार के पास साधनों की कमी है। बांग्लादेश की विकास दर अब भी अच्छी है, लेकिन आय में असमानता बहुत ज्यादा है। ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल बांग्लादेश के डायरेक्टर इफ्तिखार जमां कहते हैं, प्रधानमंत्री के निकट समझे जाने वाले कई बिजनेसमैन द्वारा मनी लॉन्डरिंग करने और कर्ज लेने में धोखाधड़ी ने भी सरकार के प्रति असंतोष के बीज बोए हैं।

संक्षिप्त समाचार

मानगो में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने वाले साई सूरज आश्रम समेत 16 को तीसरा नोटिस

जमशेदपुर, एजेंसी। मानगो में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने वाले को मानगो अंचल कार्यालय से तीसरा नोटिस दिया गया है. आगामी 21 अगस्त को सभी को अपना पक्ष रखने का समय दिया गया है. उक्त अवधि के बाद मानगो अंचल प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने की चेतावनी दी है. इससे पूर्व मानगो अंचल के राजस्व कर्मी के बयान पर 16 अतिक्रमणकारियों के खिलाफ जेपीएलइ केस दर्ज किया गया था, इसमें 100 फीट गुणा 40 फीट भूमि पर बने साई सूरज आश्रम के अलावा रमेश प्रसाद, गनौरी वर्मा, भालू यादव, महेंद्र यादव, रिंकू दास, हरि भुइयां, सुरेंद्र यादव, शंकर यादव, मनोज गौड़, अखाई कैवर्त, ललन यादव, राजू राय, नवीन रूहीदास, जेएल शर्मा, मनोज कैवर्त शामिल हैं.बता दें कि दो नोटिस के बावजूद किसी अतिक्रणकारियों ने वैध दस्तावेज मानगो अंचल अधिकारी के कोर्ट में प्रस्तुत नहीं किया है. इसे मानगो अंचलाधिकारी ने गंभीरता से लेते हुए तीसरा नोटिस जारी किया है.

गेहूं चोरी कर भागे ट्रक के साथ चालक को किया गिरफ्तार

गोला, एजेंसी। गोला पुलिस ने चक्रवाली के पास से ट्रक के साथ चालक को गिरफ्तार कर रविवार को शेखपुरा थाना की पुलिस को सौंप दिया. गोला पुलिस ने बताया कि शेखपुरा निवासी अमरजीत कुमार ने शेखपुरा थाना में मामला दर्ज कराया था. इसके अनुसार ट्रक (आरजे14जीक्यू-1212) में तय भाड़ा के बाद छह जून को 33 टन गेहूं लोड किया गया था, लेकिन ट्रक गेहूं लेकर गंतव्य स्थान पर नहीं पहुंचा. इसके बाद इसकी शिकायत स्थानीय थाना में करायी गयी. तब से लगातार ट्रक की खोज की जा रही थी. बताया जाता है कि ट्रक में आठ लाख रुपये मूल्य के गेहूं लोड था. गोला पुलिस को जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने चक्रवाली गांव के पास से ट्रक के साथ चालक मनीष कुमार सिंह को गिरफ्तार किया. फिर शेखपुरा थाना को सूचना दी गयी. पुलिस ट्रक एवं चालक को अपने साथ ले गयी. इसकी जानकारी थाना प्रभारी हरिपद टुडू ने दी.

पथलडीहा में हुआ कांग्रेस का जनसंवाद कार्यक्रम

कोडरमा, एजेंसी। प्रदेश कांग्रेस के निर्देशानुसार जिलाध्यक्ष भागीरथ पासवान के नेतृत्व में कोडरमा प्रखंड के पथलडीहा में कांग्रेस का जनसंवाद कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष श्री पासवान ने कहा कि हम सबों को पार्टी के सिद्धांत व विचारधारा पर खरा उतरना है। उन्होंने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद राहुल गांधी के कुशल नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी सत्ता में आयेगी। कोडरमा प्रखंड अध्यक्ष श्रवण सिंह ने कहा कि जनता परेशान है और यहां के जनप्रतिनिधि मौन है. आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा का पत्ता साफ हो जायेगा और कांग्रेस के सांसद, विधायक बनेंगे बैठक को वरीय कांग्रेस नेता पवन सिंह, जिला उपाध्यक्ष राम लखन पासवान, जिला उपाध्यक्ष संजय सेठ, नगर पंचायत अध्यक्ष राजू सिंह, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष दशरथ पासवान, जिला सचिव अरविंद सिंह ने संबोधित किया। मौके पर रफीक अंसारी, अनवर मियां, दिलीप सिंह, पवन सिंह, जागेश्वर मियां, सुखदेव सिंह, परमेश्वर राम, मकसूद मियां, शांति मियां, राजू यादव, सहदेव पासवान, धनेश्वर साव, बालेश्वर दास, कारू दास, हाफिज अंसारी, सलाउद्दीन अंसारी, लखन यादव आदि मौजूद थे।

आरएमएस खूंटाडीह के शटलर कृष दुबे राज्य टीम में

जमशेदपुर, एजेंसी। आरएमएस खूंटाडीह के दसवीं के छात्र कृष दुबे का चयन झारखंड अंडर-19 बैडमिंटन टीम में किया गया. हाल ही में गिरिडीह में संपन्न हुए झारखंड स्टेट बैडमिंटन प्रतियोगिता के अंडर-19 एकल वर्ग में कृष ने खिताब अपने नाम किया. वहीं, अंडर-19 व अंडर-17 युगल वर्ग में वह उपविजेता बने. अब कृष 5-8 अगस्त तक गया में आयोजित होने वाली ईस्ट जोन बैडमिंटन चैंपियनशिप में शिरकत करेगी. हाल ही में भुवनेश्वर में संपन्न हुए अंडर-19 ऑल इंडिया रैंकिंग चैंपियनशिप में कृष मुख्य ड्रॉ तक पहुंचने में कामयाब रहे थे. उन्होंने चार राउंड की बाधा पार करके मुख्य ड्रॉ में अपनी जगह बनायी थी. कृष के पिता जय दुबे व माता पुष्पा देवी अपने बेटे को शटलर बनाने के लिए हल संभव सुविधायें दे रही है. आरएमएस की प्राचार्या डॉ परिणीता शुक्ला ने सम्मानित किया. इनके अलावा कृष को सोनारी थाना प्रभारी कुमार सरयू आनंद, सोनारी थाना शांति समिति के सचिव सह अधिवक्ता सुधीर कुमार पप्पू, सोनारी थाना शांति समिति के सदस्य राहुल भट्टाचार्जी, अरुण जॉन, पुरुषोत्तम पांडेय ने भी सम्मानित किया.

झारखंड पुलिस के अधिकारियों-कर्मियों की वर्दी पर चमकेगी सेवाकाल की उपलब्धि,

15 अगस्त पर बांटे जाएंगे मेडल

रांची, एजेंसी। झारखंड पुलिस के अधिकारियों-कर्मियों की वर्दी पर अब सेवाकाल की उपलब्धि चमकेगी। प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस व स्वतंत्रता दिवस पर राज्य सरकार पुलिस महानिदेशक प्रशंसा चिह्न देने जा रही है। यह चिह्न अंडाकार आकार में तीन श्रेणियों में होगा। इनमें सिलवर श्रेणी में 30, गोल्ड श्रेणी में 20 व प्लैटिनम श्रेणी में 10 प्रशंसा चिह्न प्रत्येक मौके पर दिए जाएंगे।

यानी गणतंत्र दिवस पर 60 व स्वतंत्रता दिवस पर 60 चिह्न दिए जाने हैं। यानी प्रत्येक वर्ष इस चिह्न से 120 पुलिस पदाधिकारी-कर्मी अलंकृत होंगे। अब तक यह प्रशंसा चिह्न केंद्रीय बलों एवं अन्य राज्यों में दिए जाते रहे हैं। झारखंड सरकार ने भी इसे प्रदान करने का निर्णय लिया है। यह झारखंड पुलिस के वैसे पदाधिकारियों-कर्मियों को मिलेगा, जिन्हें विभिन्न क्षेत्रों में उच्च कोटि का प्रदर्शन करने पर महानिदेशक प्रशस्ति पत्र या प्रशंसा पत्र देते थे।

उसके बदले में ही पुलिस महानिदेशक प्रशंसा चिह्न दिया जाना है। इसे उक्त पुलिस पदाधिकारी-कर्मी अपनी वर्दी पर लगाएगा। यह एक तरह से उसके सेवाकाल की उपलब्धि को दर्शाएगा। इससे यह होगा कि सामने वाला बिना कुछ पूछे उस चिह्न को देखकर ही समझ जाएगा कि सामने वाला किस श्रेणी का पदाधिकारी-कर्मी है। इससे चिह्न लगाने वाले भी गौरवान्वित महसूस करेंगे। राज्य सरकार ने यह निर्णय लेते हुए इससे संबंधित संकल्प भी जारी कर दिया है।

जारी संकल्प के अनुसार दो तरह के कार्यों के लिए श्रेणी का विभाजन किया गया है। किसी भी अभियान के दौरान उच्च कोटि का प्रदर्शन करने वाले को 85 प्रतिशत व बेहतर कागजात तैयार करने वाले को 15 प्रतिशत चिह्न का आवंटन होना है।

इसके अनुसार सिल्वर की श्रेणी में 30 प्रशंसा चिह्न में अभियान के लिए 25 व कागजात तैयार करने के लिए पांच को गोल्ड श्रेणी में 20 प्रशंसा चिह्न में अभियान के लिए 17 व कागजात तैयार करने के लिए तीन तथा प्लैटिनम श्रेणी में 10 प्रशंसा चिह्न में अभियान के लिए आठ व कागजात तैयार करने के लिए दो को चिह्न प्रदान किया जाएगा।

पुलिस महानिदेशक प्रशंसा चिह्न प्रदान करने के लिए यह होगी प्रक्रिया

गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग से जारी संकल्प के अनुसार स्वच्छ सेवा काल, उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर प्रोत्साहित करने के लिए यह प्रशंसा चिह्न दिया जाएगा। यह चिह्न अन्य पदकों व पुरस्कारों के अतिरिक्त होगी। यह प्रोत्साहन सभी पुलिस पदाधिकारियों-कर्मियों को प्रदान किया जा सकेगा। इसका उद्देश्य है कि यह उस पदाधिकारी-कर्मी की बेदाग सेवा को मान्यता देगा, इससे उनके बीच सेवा में अधिक उत्कृष्टता को बढ़ावा मिलेगा। पुलिस में अभियान व कागजात तैयार करना महत्वपूर्ण कार्य है। पुलिस बल के कुल आवंटन के लगभग 85 प्रतिशत कर्मी अभियान ड्यूटी व 15 प्रतिशत कार्यालय-वाहिनी या इकाई में नियुक्त होते हैं। यही वजह है कि चिह्न भी 85-15 के अनुपात में विभाजित है।

सनसनीखेज या जटिल घटनाओं-अपराधों का कुशलता से निष्पादन, सांप्रदायिक दंगे, तनाव, घटना को नियंत्रित करना, गंभीर अपराधों को नियंत्रित करना, पर्याप्त साक्ष्य संकलित करना, संभावित घटनाओं की रोकथाम के लिए कुशल एवं पारदर्शी प्रबंधन कर जन समुदाय में विश्वास की भावना उत्पन्न करना, उत्कृष्ट कोटि के अनुसंधान सुनिश्चित करना, नक्सलियों की गिरफ्तारी में उत्कृष्ट प्रदर्शन, उच्च कोटि की आसूचना संकलित करना, अदम्य शौर्य व साहसिक कार्य प्रदर्शित करना, डकैतों के गिरोह एवं संगठित आपराधिक गिरोह के विरुद्ध कार्रवाई।

भाजयुमो ने निरसा से चिरकुंडा तक निकाली तिरंगा यात्रा

झरिया, एजेंसी। भारतीय जनता युवा मोर्चा ने स्वतंत्रता दिवस के उपलब्ध पर रविवार को निरसा के पांड्रा मोड़ स्थित भाजपा कार्यालय से चिरकुंडा तक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली. यात्रा का नेतृत्व विधायक अपर्णा सेनगुप्ता व भाजयुमो के जिलाध्यक्ष मनीष साव कर रहे थे. तिरंगा यात्रा में शामिल कार्यकर्ता चिरकुंडा शहीद चौक पहुंचे और स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र पर माल्यार्पण किया.

इस दौरान भाजयुमो के जिलाध्यक्ष श्री साव ने कहा कि 12 अगस्त को टुंडी तथा 13 को सिंदरी विधानसभा में तिरंगा यात्रा निकाली जायेगी. भारत विभाजन विभीषिका के खिलाफ 14 अगस्त को जिला स्तर पर संगोष्ठी होगी. 23 अगस्त को राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ युवा आक्रोश रैली निकाली जायेगी. मौके पर डबलू बाउरी, जयप्रकाश सिंह, जग्गू साव, शिबू मंडल, इंद्रजीत मंडल, राज मिश्रा, अभिमन्यु कुमार, गोविंदा यादव, बृहस्पति पासवान, राजेश बाउरी, आनंद रविदास, गोपाल भारती दीनबंधु महतो, सुजीत चंद्र, रानी केराई, अरविंद सिन्हा, राहुल राय, अमर सिंह, दोलन सेनगुप्ता, रूमा मुखर्जी आदि थे. चिरकुंडा में मंडल अध्यक्ष अरविंद सिन्हा, सीमांतो मंडल, सुजीत चंद्रा, गोपाल भारती, बृहस्पति पासवान, दीनबंधु महतो, आनंद रविदास, रानी केराई, अनिल यादव, जयप्रकाश सिंह, अखिलेश्वर तिवारी, प्रदीप अग्रवाल, सुरेश सिंह, जगरनाथ सिंह, राज मिश्रा, गुड्डू सिंह, विमल राय, विजय राय, मो. अली, रीना बनर्जी, तुलसी विश्वकर्मा, रामजी पांडे, नन्दलाल कुमार, रवि शर्मा, मून विलियम, विजय सिन्हा, मिथलेश साव, विक्की चंद्रवंशी आदि थे.

विद्युतकर्मियों ने दोषी पर कार्रवाई की मांग को लेकर थाना घेरा

रांची, एजेंसी। बिजली चोरी के खिलाफ छापेमारी के दौरान विद्युतकर्मियों से दुर्व्यवहार का आरोप झारखंड विद्युत वितरण बोर्ड के डिगवाडीह सब स्टेशन के एसडीओ आलोक करकेट्टा के नेतृत्व में झरिया व डिगवाडीह विद्युतकर्मियों व ऊर्जा मित्रों ने रविवार को सुदामडीह थाना का घेराव किया. विद्युतकर्मी सुदामडीह मस्जिद मोहल्ला निवासी मोजाहीर इस्लाम अंसारी पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे. सुदामडीह थाना प्रभारी सूरज कुमार रजक ने आरोपी पर कार्रवाई का आश्वासन का दिया. इसके बाद विद्युतकर्मी शांत हुए.

एसडीओ आलोक करकेट्टा बताया कि सात अगस्त को बिजली चोरी के खिलाफ रुटीन चेकिंग अभियान पाथरडीह मस्जिद मोहल्ला में चलाया जा रहा था. इसी दौरान एक व्यक्ति को चोरी से बिजली जलाते पकड़ा गया.

इस दौरान मोजाहीर इस्लाम अंसारी वहां पहुंच कर विद्युतकर्मियों से दुर्व्यवहार किया. इसके कारण छापेमारी अभियान रोकना पड़ा. उन्होंने बताया कि पूर्व में भी उक्त व्यक्ति द्वारा छापेमारी अभियान अड़चन डाला गया था. आरोपी द्वारा कर्मियों को झूठा मुकदमा में फंसाने की धमकी दी जाती है. थाना घेराव में बिजली विभाग के जीतन कुमार महतो, सागर साव, संतोष सिंह, चरणजीत सिंह, भोला सिंह, अमित कुमार, संदीप कुमार, अनिल कुमार, वशीर खान, विवेक कुमार, मनीष कुमार, छोटू खान, भरत सिंह, अनिल ठाकुर, राजू कुमार आदि थे.

झारखंड के 99 रेलवे स्टेशनों और 46 सर्विस बिल्डिंग को मिलेगी सौर उर्जा, जल्द लगाए जाएंगे सोलर प्लांट

मेदिनीनगर, एजेंसी। भारतीय रेलवे जीरो कार्बन उत्सर्जन मिशन की दिशा में कार्य कर रहा है। इसके तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में धनबाद रेल मंडल के डाल्टनगंज समेत 99 स्टेशन व 46 सर्विस बिल्डिंग पर सोलर प्लांट को लगाया जाएगा।

इसमें 99 स्टेशन भवनों पर कुल 2482 किलोवाट और 46 सर्विस बिल्डिंग पर 1530 किलोवाट के प्लांट लगाए जाएंगे। सोलर प्लांट लगाने के लिए 21 करोड़ 85 लाख 50 हजार 971 रुपये का प्राक्कलन बनाया गया है। इसके लिए बीते दिनों टेंडर भी हो गया है।

टेंडर फाइनल होने के बाद सोलर प्लांट को लगाने का कार्य होगा। वर्तमान में धनबाद रेलवे मंडल में कुल 170 स्टेशन व हाल्ट हैं। इसमें धनबाद समेत कुल सात स्टेशन- गझंडी, हजारीबाग टाउन, बरकाकाना, पारसनाथ, गढ़वा रोड, नगर उंटारी पर सोलर प्लांट लगे हुए हैं।

इससे उत्पन्न बिजली का उपयोग भवन में किया जाता है। सोलर ऊर्जा से बिजली खरीदने में व्यय कम करने से राजस्व की बचत हो रही है।इन स्टेशनों पर वितीय वर्ष 2023-24 में 5.60 लाख किलोवाट बिजली का उत्पादन हुआ। इससे रेलवे को बिजली मद में 22.54 लाख राजस्व की बचत हुई।

इन रेलवे स्टेशनों पर लगेगा सोलर प्लांट

धनबाद रेलवे मंडल के 99 रेलवे स्टेशनों पर सोलर प्लांट लगाए जाएंगे। इसमें गोमो, चिचांकी, पारसनाथ, फुसरो, गोमिया, गुरपा, गजहंडी, पिपराडीह, पतरातू, डालटनगंज, चोपन, हजारीबाग रोड, बरकाकाना, बरवाडीह, सिंगरौली आदि शामिल है।

इन सभी स्टेशन भवनों में बिजली की जरूरत के अनुसार वहां सोलर पैनल लगाया जायेगा। वहीं दूसरी ओर 46 सर्विस बिल्डिंग का चयन किया गया है। इन भवनों में भी सोलर पैनल लगेंगे। सर्विस बिल्डिंग में आरआरआइ, पार्सल, आरपीएफ समेत अन्य भवन शामिल है।

योजना के तहत कार्य पूरा होने के बाद विद्युत ऊर्जा का बचत होने के साथ राजस्व भी बचेगा। वर्तमान में इन रेलवे स्टेशनों उनके सर्विस बिल्डिंगों व कालोनियों में विद्युत आपूर्ति के लिए रेलवे डीवीसी और जेबीवीएनएल पर निर्भर है। सोलर पावर के उत्पादन से उक्त दोनों संस्थानों पर से रेलवे की निर्भरता बहुत हद तक कम हो जाएगी।

ईसीएल में नौकरी दिलाने के नाम पर भाजपा नेता ने हड़पे 11.70 लाख रुपये, युवक ने दर्ज कराया केस

निरसा (धनबाद), एजेंसी। शासनबेड़िया निवासी बलराम बाउरी ने भाजपा के निरसा मंडल अध्यक्ष बृहस्पति पासवान पर नौकरी दिलाने के नाम पर 11 लाख 70 हजार रुपये हड़पने और धमकी देने का आरोप लगाया है। भुक्तभोगी ने न्यायालय में भाजपा नेता पर मामला दर्ज कराया है।भुक्तभोगी ने बताया कि उसकी मां ईसीएल में स्थायी कर्मचारी के पद पर कार्यरत थी। उनकी नियुक्ति की 15 जुलाई 2007 को हुई थी। 18 अगस्त 2020 को कार्य के दौरान ईसीएल की लखीमता कोलियरी में अपने कार्यस्थल पर उनकी मृत्यु हो गई थी।भुक्तभोगी बलराम बाउरी अपनी मां की मृत्यु के बाद अनुकंपा के आधार पर ईसीएल में नौकरी पाने के लिए ईसीएल अधिकारियों के पास जाने लगा।एक दिन भाजपा नेता वृहस्पति पासवान ईसीएल मुगमा क्षेत्र के दौरे के दौरान बलराम बाउरी से मिले और नौकरी दिलाने का भरोसा दिया। वह बलराम बाउरी के घर भी जाने लगे। भाजपा नेता ने कहा कि ईसीएल में नौकरी लगवाने के लिए 10 से 12 लाख रुपया लगेगा। जैसे ही भाजपा नेता को पता चला कि बलराम बाउरी के खाते में मृत्यु लाभ राशि 13,57,550 रुपये जमा की गई है, उसने बलराम बाउरी से हस्ताक्षर कराकर रिक्त चेक ले लिया। बाद में 11 लाख 70 हजार रुपये की निकासी कर ली।जब बलराम को पैसे निकासी की जानकारी मिली तो, अपना नियुक्ति पत्र लेने के लिए भाजपा नेता के घर गए, लेकिन भाजपा नेता ने उसे टरकाना शुरू कर दिया।भाजपा निरसा मंडल अध्यक्ष बृहस्पति पासवान ने कहा कि उसपर लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं। जुगीतोपा के एक व्यक्ति के इशारे पर मुझपर झूठा मुकदमा दर्ज करवाया गया है।

विधानसभा चुनाव को लेकर एक्टिव हुई बीजेपी, विधायक से लेकर मंत्री तक को मिल नया काम

पार्टी ने अपने विधायकों से भी हेमंत सरकार की विफलता के साथ मोदी सरकार द्वारा दी रही सहायता को जोरशोर से प्रचार करने को कहा है

रांची, एजेंसी। हेमंत सोरेन सरकार की लोक लुभावन योजनाओं का जवाब देने के लिए भाजपा केंद्र सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार करेगी।

केंद्र सरकार द्वारा झारखंड को दिए जा रहे फंड और योजनाओं की जानकारी देने के लिए जिला से लेकर प्रदेश तक के नेताओं को पार्टी ने निर्देशित किया है।

खासकर ग्रामीण विकास और आदिवासी समाज के लिए चलाई जाने वाली योजनाओं और उससे लाभान्वित होने वाले लोगों के साथ भी संवाद किया जाएगा।केंद्रीय कृषि मंत्री और भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान अपने दौरे में ग्रामीण विकास के लिए झारखंड को केंद्र से मिली सहायता का विस्तृत विवरण देंगे।

इसमें लाभुकों की संख्या और उनके लिए दी गई राशि का प्रजेंटेशन भी होगा। पार्टी ने अपने विधायकों से भी हेमंत सरकार की विफलता के साथ मोदी सरकार द्वारा दी रही सहायता को जोरशोर से प्रचार करने को कहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वास्थ्य और कृषि के क्षेत्र में मिलने वाली सम्मान निधि का जिक्र कर पार्टी अपने पक्ष में माहौल तैयार करेगी।

क्रीमी लेयर पर केंद्रीय कैबिनेट के फैसले का भी होगा जिक्र

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दलित समुदाय के लिए दिए जाने वाले आरक्षण में क्रीमी लेयर बनाने के निर्देश को मोदी सरकार ने मानने से इनकार कर दिया है। केंद्रीय कैबिनेट ने इसे लेकर निर्णय कर लिया है। अब पूरे देश के साथ झारखंड में भाजपा इस मुद्दे को लेकर लोगों के बीच जाएगी।

इस निर्णय को भाजपा विपक्षी दलों द्वारा संविधान बदलने के आरोप का जवाब मानकर चल रही है। प्रदेश भाजपा ने इसे लेकर भी मंथन किया है कि कैसे दलित-आदिवासी समाज को यह समझाया जाए कि भाजपा उनकी हितैषी है। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा इसके लिए लोगों से संवाद का कार्यक्रम आयोजित करेगी।

रांची पुलिस को बुढ़मू में नक्सलियों के खिलाफ मिली बड़ी सफलता,

टीएसपीसी के 3 खूंखार उग्रवादियों को किया गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। रांची पुलिस ने बुढ़मू से टीएसपीसी के तीन उग्रवादी अजीत सोरेन, आकाश लोहरा और सुमित लहरी को गिरफ्तार किया है। तीनों से पूछताछ करने के बाद पुलिस ने उन्हें जेल भेज दिया।पुलिस का कहना है कि तीनों आरोपित छापर बालू घाट में पैसा उगाही करने के लिए पहुंचे थे। इसी बीच, एसएसपी चंदन सिन्हा को सूचना मिली।

पुलिस का कहना है कि तीनों आरोपित टीएसपीसी के कमांडर दिवाकर गंझू के लिए काम करते हैं। मार्च में हजारीबाग के बड़कागांव में गुदूकुवा जंगल में कई उग्रवादी खाना खा रहे थे। तभी वहां पुलिस पहुंच गई थी। उग्रवादी पुलिस पर फायरिंग कर फरार हो गए थे।

इसके अलावा, कई घटनाओं को अंजाम दिया है।

मार्च माह में ही तीनों आरोपितों ने बड़कागांव स्थित पतरा बालू घाट में फायरिंग की घटना को अंजाम दिया था।उग्रवादियों और अपराधियों ने लेवी के पैसे से खरीदे ट्रैक्टर, हाईवा और टर्बो रांची पुलिस की जांच में इस बात का खुलासा हुआ है कि बुढमू, मैकलुस्कीगंज, ठाकुरगांव, पिठौरिया और अन्य ग्रामीण इलाकों में कारोबारियों से लेवी वसूल कर उग्रवादियों और अपराधियों ने ट्रैक्टर, टर्बो और हाईवा खरीदा है। इसी वाहन से अवैध बालू से लेकर अन्य खनिजों व वस्तुओं के परिवहन का काम किया जा रहा है।डीआइजी अनूप बिरथरे ने सभी थानेदारों को आदेश दिया है कि किन उग्रवादियों और अपराधियों के पास कौन-कौन सी गाड़ी है, इसकी सूची बनाएं।

चासनाला में दो एटीएम में छेड़छाड़ कर पैसा निकासी का प्रयास

जोड़ापोखर, एजेंसी। चासनाला मोड़ स्थित विवेक होटल के भवन में स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया एवं एसबीआइ की एटीएम में छेड़छाड़ कर साइबर अपराधियों ने शनिवार की सुबह रुपये निकासी के स्थान पर प्लेट लगाकर ग्राहक के पैसे की निकासी करने का प्रयास किया. मामले का खुलासा तब हुआ, जब सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की एटीएम से चासनाला मल्लिक बस्ती निवासी बीसीसीएल कर्मी जलेश्वर मल्लिक एवं एसबीआइ एटीएम से चासनाला साउथ कॉलोनी निवासी प्रेम कुमार राशि निकासी करने पहुंचे. उनके द्वारा हो हंगामा करने पर वहां भीड़ जुट गयी. एसबीआइ की एटीएम को पीट-पीट कर लोगों ने प्रेम कुमार का एक हजार रुपये, जो फंसे हुए थे, को निकाला. सेंट्रल बैंक की एटीएम में जलेश्वर मल्लिक के पांच हजार रुपये खाते से कट गये, परंतु एटीएम से राशि नहीं निकली. हालांकि एटीएम में भीड़ जुट जाने एवं लोगों को निगरानी करते देख साइबर अपराधी वहां से फरार हो गये. सूचना पाकर पाथरडीह पुलिस मौके पर पहुंची. दोनों एटीएम में सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ है. लेकिन दूसरा शनिवार होने के कारण बैंक बंद होने से पुलिस सीसीटीवी कैमरा का फुटेज नहीं देख सकी.

थॉमस बाक के आईओसी अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद सेबेस्टियन कोए दावेदारी पर कर रहे विचार

पेरिस, एजेंसी। विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने घोषणा की है कि थॉमस बाक के तीसरे कार्यकाल के लिए चुनाव न लड़ने के फैसले के बाद वह अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। थॉमस बाक 2013

से अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने शनिवार को पुष्टि की कि वह अपना कार्यकाल समाप्त होने पर पद छोड़ देंगे, इससे नए नेतृत्व के लिए द्वार खुलेंगे। सेबेस्टियन कोए का विश्व एथलेटिक्स प्रमुख के रूप में कार्यकाल 2027 में समाप्त हो रहा है, इनको लंबे समय से बाक का संभावित उत्तराधिकारी माना जाता रहा है। ब्रिटिश खेल प्रशासक, 1500 मीटर में दो बार ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और लंदन 2012 ओलंपिक खेलों के सफल आयोजन के पीछे के मास्टरमाइंड रहे हैं। पत्रकारों से बात करते हुए सेबेस्टियन कोए ने कहा कि ऊमैंने हमेशा यह स्पष्ट किया है कि यदि अवसर आया, तो मैं इस पर गंभीरता से विचार करूंगा। अवसर आया है, और मुझे इसके बारे में सोचने की आवश्यकता है। बेशक, मैं इस पर विचार करने जा रहा हूं।

मिस्र की नजर 2036 और 2040 के लिए ओलंपिक मेजबानी पर

पेरिस, एजेंसी। मिस्र ने 2036 और 2040 के समर ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए अपनी बोली लगाने की घोषणा की है। अभी तक, अफ्रीका में ओलंपिक खेल कभी नहीं हुए हैं। पेरिस ओलंपिक के अंतिम दिन, अफ्रीकी राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों के संघ के प्रमुख मुस्तफा बेर्राफ ने यह घोषणा की।
एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, बेर्राफ ने कहा, मिस्र 2036 और 2040 के लिए बोली लगाएगा। अफ्रीका के पास खेलों को आयोजित करने का मौका है। सबसे अधिक संभावना है कि 2040 में खेलों का आयोजन यही होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ओलंपिक की मेजबानी करने का

अफ्रीका का समय आ रहा है। अरब दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश, मिस्र, अपने बुनियादी ढांचे और खेल सुविधाओं में लगातार सुधार कर रहा है, जो इसे ओलंपिक के लिए एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित कर रहा है। देश ने राष्ट्र के आधुनिकीकरण की अपनी व्यापक योजना के तहत आधुनिक सुविधाओं, स्टेडियमों और खेल परिसरों के निर्माण में अरबों डॉलर का निवेश किया है। काहिरा में मिस्र अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक शहर परिसर भी बनाया गया है, जिसमें 93,900 क्षमता वाला राष्ट्रीय स्टेडियम और 21 अन्य अत्याधुनिक खेल सुविधाएं शामिल होंगी। ओलंपिक की मेजबानी के लिए मिस्र की आखिरी बोली 2008 के खेलों के लिए थी। मिस्र के अलावा, बेर्राफ ने संकेत दिया कि केपटाउन, दक्षिण अफ्रीका से एक और अफ्रीकी बोली लगाई जा सकती है। 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए जबरदस्त प्रतिस्पर्धा होने की उम्मीद है। इंडोनेशिया, भारत, तुर्की, कतर और सऊदी अरब सहित कई अन्य देश पहले से ही ओलंपिक की मेजबानी में रुचि व्यक्त कर रहे हैं।

33वें ओलंपिक का समापन

मनु-श्रीजेश ने थामा तिरंगा, टॉम क्रूज-बिलि एलिश ने समा बांधा

पेरिस, एजेंसी। 33वें ओलंपिक में अमेरिका और चीन ने बाजी मारी। दोनों के स्वर्ण पदकों की संख्या 40-40 ही रही, लेकिन रजत और कांस्य में अमेरिका चीन से आगे निकल गया और अंक तालिका में शीर्ष पर रहा। चीन दूसरे नंबर पर रहा। पेरिस ओलंपिक में कुल 10,500 एथलीट्स चुनौती पेश करने उतरे थे। भारत के 117 खिलाड़ियों ने इस वैश्विक टूर्नामेंट में हिस्सा लिया और दमखम दिखाया। भारत मेडल्स टैली में 71वें स्थान पर रहा। पेरिस में 33वें ओलंपिक का समापन हो चुका है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष थॉमस बाक ने लॉस एंजिलिस के मेयर को ओलंपिक ध्वज सौंप कर इसका अंत किया। अंत में लियोन मैरचेंड समेत कुछ चुनिंदा एथलीट्स समेत बाक ने ओलंपिक मशाल को बुझाकर इसका आधिकारिक तौर पर अंत कर दिया। इस दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भी मौजूद रहे। तीन घंटे चले समारोह की शुरुआत एक फ्रेंच गीत से हुई थी। स्टेड डी फ्रांस स्टेडियम में परेड ऑफ नेशंस के बाद बेल्जियम की पॉप सिंगर एंजेले वान वीक ने परफॉर्म किया। फिर ऑस्ट्रेलिया के गोल्डन वॉयजर बैंड ने ओलिंपिक की खोज दिखाई। इसे थॉमस जॉली ने डायरेक्ट किया था। गोल्डन वॉयजर के बाद फ्रांस के बैंड फिनिक्स की परफॉर्मेंस में एंजेले, कमिस्की और रैपर वनाडा ने परफॉर्म किया। इसके बाद पांच ग्रैमी अवॉर्ड जीतने वाली गैब्रिएला सरमिएंटो विल्सन ने अमेरिका का नेशनल एंथम गाया। स्टेड डी फ्रांस से टॉम क्रूज ने स्टंट दिखाते हुए ओलंपिक ध्वज को लॉस एंजिलिस ले गए। वहां, पॉप गायिका बिलि एलिश, रैपर स्नूप डॉग और डॉक्टर ड्रे ने परफॉर्म किया। फिर मशाल बुझाकर इसका अंत किया गया। पेरिस ओलंपिक में अमेरिका 40 स्वर्ण समेत 126 पदक जीत कर पदक तालिका में शीर्ष पर रहा।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड को बड़ा झटका, बेन स्टोक्स चोटिल; बैसाखी की लेनी पड़ी मदद

लंदन, एजेंसी। द हंड्रेड में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के लिए खेल रहे बेन स्टोक्स को मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के खिलाफ चेज के दौरान चोटिल होकर मैदान से बाहर जाना पड़ा। वह दोनों तरफ से लोगों के सहारे से मैदान से बाहर गए। उन्हें बाईं हैमस्ट्रिंग में दिक्कत हुई। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स को द हंड्रेड के मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा। इससे इंग्लैंड की टीम की चोट की चिंताएं बढ़ गई हैं। श्रीलंका के खिलाफ पहला टेस्ट 10 दिनों से भी कम समय में शुरू होने वाला है। स्टोक्स की उपलब्धता पर संशय है। अब उन्हें स्कैन से गुजरना होगा। नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के लिए खेल रहे बेन स्टोक्स को मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के खिलाफ चेज के दौरान चोटिल होकर मैदान से बाहर जाना पड़ा। वह दोनों तरफ से लोगों के सहारे से मैदान से बाहर गए। उन्हें बाईं हैमस्ट्रिंग में दिक्कत हुई। मैच के बाद बैसाखी की मदद से घूमते हुए देखा गया। नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के कप्तान हैरी ब्रूक ने बाद में पुष्टि की कि चोट गंभीर हो सकती है।

कैसे हुए चोटिल

स्टोक्स ने सुपरचार्जर्स के चेज के दौरान एक तेज सिंगल के प्रयास में चोटिल हो गए। उन्हें उनके मेडिकल स्टाफ ने मैदान से बाहर जाने में मदद की। उन्हें अपने बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग को पकड़ते हुए देखा गया। वह नॉन-स्ट्राइकर छोर पर थे,जब उनके सुपरचार्जर्स टीम के साथी ओली रॉबिन्सन ने स्कूप करने का प्रयास किया। उन्होंने लेग साइड में शॉट मिसटाइम किया और सिंगल के लिए भागे। इस बीच स्टोक्स की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया। फिर वह ज़मीन पर गिर पड़े और गुस्से में अपने दस्ताने फेंक दिए।

इंग्लैंड की चिंता बढ़ी

इससे पहले स्टोक्स अपने बाएं पैर के घुटने की चोट से जूझ रहे थे। ऐसे में बाईं हैमस्ट्रिंग में परेशानी इंग्लैंड चिंता बढ़ा देने वाली बात है। अगर उनकी टीम आगे बढ़ती तो द हंड्रेड में उनकी वापसी चार मैच से अधिक तक चलती, लेकिन रविवार शाम की लगी चोट ने इसे छोटा कर दिया।
इंग्लैंड को पहले से ही श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए ओपनर जैक क्रॉली की सेवाएं नहीं मिलेंगी। इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच 21 दिनों के अंतराल में तीन मैच खेले जाएंगे।

विराट कोहली और रोहित शर्मा खेलेंगे दलीप ट्रॉफी

नईदिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को दलीप ट्रॉफी में खेलते देखा जा सकता है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड) की सीनियर चयन समिति दलीप ट्रॉफी के लिए टीम चुनेगी। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के मद्देनजर सीनियर चयन समिति चाहती है कि सभी खिलाड़ी दलीप ट्रॉफी के लिए उपलब्ध रहें। 5 सितंबर से शुरू होने वाले इस सीजन में नए प्रारूप में खेली जाएगी।

पता चला है कि शुभमन गिल, केएल राहुल, अक्षर पटेल, रविंद्र जडेजा, यशस्वी जायसवाल, सूर्यकुमार यादव, कुलदीप यादव को दलीप ट्रॉफी में खेलने के लिए कहा गया है। हालांकि, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे क्योंकि उन्हें लंबे समय तक आराम दिया गया है। चयनकर्ता बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में उनके चयन पर भी चर्चा करने वाले हैं।

अगले 4 महीने में 10 टेस्ट

भारत को अगले चार महीनों में ऑस्ट्रेलिया में 5 टेस्ट मैचों कड़ी सीरीज सहित 10 टेस्ट मैच खेलने है। बांग्लादेश सीरीज के लिए पिचों के स्पिनरों के अनुकूल होने की उम्मीद है। मोहम्मद शमी की वापसी की संभावना है। ऐसे में बुमराह को सीरीज के लिए आराम दिया जा

बांग्लादेश टेस्ट की करेंगे तैयारी

सकता है। दलीप ट्रॉफी पहले की तरह जोनल फॉर्मेट में आयोजित नहीं होगा। अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन पैनल चार टीमों इंडिया ए, इंडिया बी, इंडिया सी और इंडिया डी का चयन करेगा, जो टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी।

बेंगलुरु में हो सकता है एक राउंड- दलीप ट्रॉफी आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में खेली जानी है। चूंकि यह वेन्यू एयर ट्रांसपोर्ट से जुड़ा नहीं है और स्टार खिलाड़ियों के आने पर सहमत होने के कारण बीसीसीआई अब बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक राउंड रखने की योजना बना रहा है। दलीप ट्रॉफी के छह मैच 5 सितंबर से शुरू होंगे और 24 सितंबर को समाप्त होंगे। भारत बनाम बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट 19 सितंबर से चेन्नई में खेला जाएगा।

रोहित और कोहली कौन सा मैच खेलेंगे- यह स्पष्ट नहीं है कि रोहित और कोहली 5 सितंबर को दलीप ट्रॉफी के पहले मैच में खेलेंगे या 12 सितंबर से शुरू होने वाले दूसरे दौर में। जानकारी के अनुसार बीसीसीआई टेस्ट सीरीज से पहले चेन्नई में एक छोटे शिविर की योजना भी बना रहा है। अगर ऐसा होता है तो ये सितारे दलीप ट्रॉफी के पहले दौर में खेलेंगे।

भारतीय टीम के खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट के लिए उपलब्ध रहना होगा

कुछ महीने पहले बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा था कि रोहित, कोहली और बुमराह जैसे शीर्ष भारतीय क्रिकेटरों को छोड़कर भारतीय टीम के सभी खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट के लिए खुद को उपलब्ध कराना होगा। सूर्यकुमार और सरफराज खान जैसे खिलाड़ी 15 अगस्त से तमिलनाडु में खेले जाने वाले बुची बाबू

अय्यर-किशन का होगा चयन

इस बीच, चयन समिति दलीप ट्रॉफी के लिए इशान किशन को चुन सकती है। पता चला है कि चयन समिति चाहती है कि भारतीय टीम में वापसी करने के लिए किशन को लाल गेंद से क्रिकेट खेलना होगा।

पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए शाकिब अल हसन की बांग्लादेश टीम में वापसी

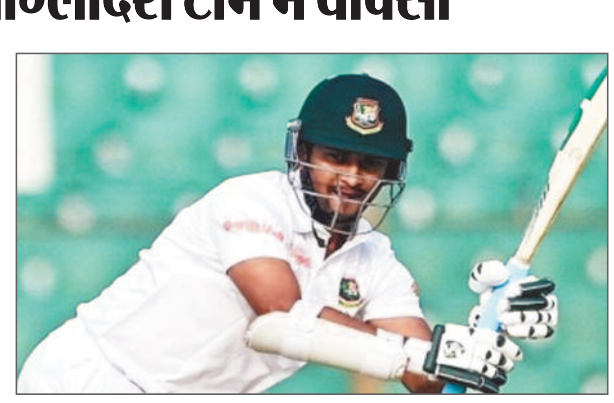

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन की बांग्लादेश टेस्ट क्रिकेट टीम में वापसी हो गई है। पाकिस्तान के खिलाफ 21 अगस्त से रावलपिंडी में शुरू होने वाली आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम की 16 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। शाकिब ने आखिरी बार बांग्लादेश के लिए मई में टेस्ट क्रिकेट खेला था। तब बांग्लादेश ने दो मैचों की सीरीज के लिए श्रीलंका की मेजबानी की थी। तब से शाकिब टी20 विश्व कप से लेकर यूएसए में मेजर लीग क्रिकेट और ग्लोबल टी20 कनाडा लीग तक, केवल टी20 क्रिकेट ही खेल रहे हैं। शाकिब के अलावा, अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम और तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद की भी टेस्ट टीम में वापसी हुई है। तस्कीन 30 अगस्त से शुरू होने वाला केवल दूसरा टेस्ट खेलेंगे। नेशनल सिलेक्शन पैनल के अध्यक्ष गाजी अशरफ हुसैन ने कहा, ÷हमने इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए पांच तेज गेंदबाजों का चयन किया है कि तस्कीन अहमद केवल दूसरा टेस्ट खेलेंगे। उन्होंने पिछले साल जून से टेस्ट में गेंदबाजी नहीं की है। इस कारण हमने उनके पाकिस्तान ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच के लिए ए टीम में शामिल करने का फैसला किया है। इससे उनको लाल गेंद क्रिकेट में लय हासिल करने में आसानी होगी। मालूम हो कि, पाकिस्तान और बांग्लादेश ने अब तक छह टेस्ट सीरीज खेली हैं, लेकिन बांग्लादेश ने अभी तक एक भी सीरीज नहीं जीती है। इन टीमों के बीच 13 टेस्ट मैचों में से बांग्लादेश केवल एक को ड्रा कराने में सफल रहा है। बांग्लादेश टीम 13 अगस्त को लाहौर पहुंचेगी और 17 अगस्त को इस्लामाबाद जाने से पहले 14-16 अगस्त तक गद्दाफी स्टेडियम में ट्रेनिंग करेगी।

मनु भाकर और नीरज चोपड़ा के अफेयर की अफवाह

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में जबरदस्त प्रदर्शन करने वाली महिला निशानेबाज मनु भाकर और भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा के अफेयर की अफवाहें उड़ रही हैं। मनु ने पेरिस में दो कांस्य पदक जीते जबकि नीरज ने रजत हासिल किया। पेरिस ओलंपिक में कांस्य और रजत पदक जीतने के बाद भारतीय एथलीट मनु भाकर और नीरज चोपड़ा अपने-अपने खेलों में धूम मचा रहे हैं। अब, मनु और नीरज का एक कार्यक्रम में एक दूसरे के साथ बातचीत करते हुए एक वीडियो वायरल हो रहा है। जैसे ही वे बातचीत खत्म करते हैं, भाकर की मां अपनी बेटी से चोपड़ा के साथ एक फोटो खिंचवाने के लिए कहती हैं। एक अन्य वीडियो में भाकर की मां जेवलिन स्टार से बात करती नजर आ रही हैं। भाकर और चोपड़ा की बातचीत के वीडियो ने एथलीटों के एक-दूसरे पर क्रश होने की अटकलें तेज कर दी हैं। हालाँकि, सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के एक वर्ग ने उन लोगों की आलोचना की जिन्होंने उनके बीच रिश्ते की अफवाहों को हवा देने का प्रयास किया। दोनों शर्माते हुए बातें कर रहे हैं, उसकी माँ तस्वीरें ले रही हैं; एक यूजर ने कहा, हवा में कुछ पक रहा है।

रुब्लेव ने बारिश से प्रभावित मैच में अर्नाल्डी को हराकर मॉन्ट्रियल फाइनल में प्रवेश किया

मॉन्ट्रियल, एजेंसी । दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी आंद्रेई रुब्लेव ने बारिश से प्रभावित मैच में इटली के माटेओ अर्नाल्डी को 6-4, 6-2 से हराकर मॉन्ट्रियल में एटीपी मास्टर्स 1000 के फाइनल में प्रवेश किया। रविवार की रात 6-4, 1-1 के मैच में एक घंटे, 40 मिनट के निलंबन के बाद, रुब्लेव ने कोर्ट पर लौटने के बाद अपनी इच्छानुसार विनर्स लगाए और मैच के अंतिम छह गेम में से पांच जीतकर अपने छठे एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में पहुँच गए। रुब्लेव ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में वर्ल्ड नंबर 1 जानिक सिनर को हराया था। पूर्व विश्व नंबर 5 ने इस सीज़न में मास्टर्स 1000 स्तर पर उतार-चढ़ाव भरा प्रदर्शन किया है। मैड्रिड खिताब जीतने से पहले उन्होंने इंडियन वेल्स, मियामी और मोंटे-कार्लो में सिर्फ एक मैच जीता, लेकिन फिर रोम में अपना दूसरा मैच हार गए।

रुब्लेव ने मैच के बाद कहा,इंतजार सार्थक रहा। मैं अपने पहले कनाडाई फाइनल में पहुंचकर खुश हूं। मैं बस ठीक होना चाहता हूं, अच्छा आराम करना चाहता हूं और कल के लिए तैयार रहना चाहता हूं। (ओलंपिक में न जाने का) विचार कनाडा टूर्नामेंट के लिए और अधिक तैयार होने का था , इसलिए यदि मैं फाइनल में हूं, तो इसका मतलब है कि हमने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। रुब्लेव फाइनल में एलेक्सी पोपिरिन से खेलेंगे। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने सेबस्टियन कोर्डा की आठ मैचों की जीत की लय को तोड़कर अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में प्रवेश करने के लिए एक निकट आपदा को अप्रत्याशित जीत में बदल दिया।

चीफ पीटी उषा का बड़ा बयान, बोलीं-

वजन का मैनेजमेंट करना खिलाड़ी और कोच की जिम्मेदारी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा ने रविवार को एक ऐसा बयान दिया है, जो बेहद चर्चा में है. इस पूरे बयान के दौरान पेरिस ओलपिक में 50 किलोग्राम फ्रीस्टाइल में डिसक्वालिफाई की गईं विनेश का नाम नहीं लिया. लेकिन माना जा रहा है कि उन्होंने इशारों-इशारों में विनेश को नसीहत जरूर दे दी है.

पूर्व ओलंनियन और अब चीफ डॉ. पीटी उषा ने कहा- वजन का मैनेजमेंट करना खिलाड़ी और कोच की जिम्मेदारी है. खासकर कुश्ती, भारोत्तोलन, मुक्केबाजी और जूडो जैसे खेलों में. इन खेलों में एथलीटों के वजन मैनेजमेंट की जिम्मेदारी प्रत्येक एथलीट और उसके कोच की है, ना कि नियुक्त चीफ मेडिकन ऑफिसर डॉ. दिनशॉ पारदीवाला और उनकी टीम की. कुछ महीने पहले एक मेडिकल टीम नियुक्त की थी,

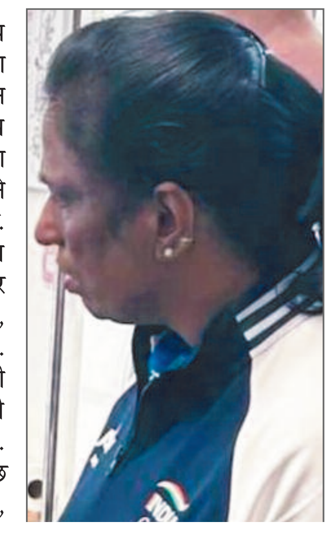

जो मुख्य रूप से एथलीटों के इवेंट दौरान और बाद में उनकी रिकवरी और इंजरी मैनेजमेंट में सहायता करेगी. इस टीम को उन एथलीटों की सहायता के लिए भी बनाया गया था जिनके पास न्यूट्रिशनिस्ट और फिजियोथेरेपिस्टों की अपनी टीम नहीं थी.

डॉ पारदीवाला का किया बचाव

डॉ. उषा ने कहा कि ढ्ढ्र की मेडिकल टीम खासकर डॉ. पारदीवाला के प्रति नफरत अस्वीकार्य है और इसकी निंदा की जानी चाहिए. उन्होंने उम्मीद जताई कि ढ्ढ्र मेडिकल टीम पर आरोप लगाने वाले लोग किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी तथ्यों पर विचार करेंगे. यह बयान भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को महिलाओं के 50 किलोग्राम भार वर्ग के फाइनल से अयोग्य घोषित किए जाने के बाद आया है, क्योंकि उन्होंने खिताबी मुकाबले से पहले निर्धारित वजन सीमा का उल्लंघन किया था.

मैं और ऐश्वर्या तलाक ले रहे है

अभिषेक बच्चन का डीपफेक वीडियो देख हैरान हुए फैंस, बेटी आराध्या का भी जिक्र किया

बीते काफी वक्त से चर्चा है कि अभिषेक बच्चन और उनकी पत्नी ऐश्वर्या राय बच्चन के बीच कुछ ठीक नहीं चल रहा। दोनों के तलाक तक की खबरें सामने आई हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल है जिसमें अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय से तलाक की घोषणा कर रहे हैं।

'मैंने और ऐश्वर्या ने तलाक लेने का फैसला किया'

इस वीडियो में एक्टर कहते नजर आ रहे हैं, इस जुलाई में मैंने और ऐश्वर्या ने अपनी तलाक लेने का फैसला किया है। बीते कुछ साल मेरी बेटी आराध्या के लिए ठीक नहीं रहे हैं। हालांकि, आज में यहां आपसे ऐश्वर्या से डिवोर्स लेने की वजहों पर बात करने आया हूं।'

जांच में निकला डीप-फेक वीडियो

हालांकि, जांच में पता चला कि यह वीडियो डीप फेक है। इसमें अभिषेक लिप-सिंकिंग के साथ बिल्कुल भी मैच नहीं कर रहे हैं। इस वायरल वीडियो को AI टेक्नीक या कोई ऑनलाइन टूल यूज करके बनाया गया है।

इस एक्ट्रेस को देखते ही ऋतिक रोशन को हो गया था प्यार

शादी न करवाने पर पिता से हो गए थे नाराज

ऋतिक रोशन एक समय एक एक्ट्रेस से बेहद प्यार करने लगे और उसके साथ शादी करना चाहते थे। ऋतिक रोशन की फैमिली ने जब उनकी बात नहीं मानी तो वह नाराज हो गए थे।

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन ने इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना ली है। ऋतिक रोशन भले ही सिनेमा से जुड़ी से फैमिली से आते थे लेकिन उन्होंने अपनी बेहतरीन एक्टिंग के दम पर ये मुकाम हासिल किया है। ऋतिक रोशन पॉजिटिव और निगेटिव दोनों तरह के रोल करके अपने तमाम चाहने वाले फैंस का ध्यान खींचा है। ऋतिक रोशन के फैंस भी अपने पसंदीदा एक्टर पर प्यार लुटाने का मौका नहीं छोड़ते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक बार ऋतिक रोशन का दिल एक एक्ट्रेस पर आ गया था और शादी के लिए अड़ गए थे। आइए जानते हैं कि ऋतिक रोशन का ये किस्सा कब है।

सिनेमा इंडस्ट्री में एक्टिव है। इस तरह से कहा जा जा सकता है कि रोशन की तीसरी पीढ़ी एंटरटेनमेंट की दुनिया में छाई हुई है। ऋतिक रोशन सिनेमा की दुनिया से जुड़ी फैमिली से आते हैं तो बचपन में ही उन्होंने फिल्में देखना शुरू कर दिया था। ऋतिक रोशन ने सिर्फ 7 साल की उम्र में फिल्म मुगले-ए-आजम देखी थी।

ऋतिक को मधुबाला से हो गया था प्यार

ऋतिक रोशन को फिल्म मुगले-ए-आजम पसंद आई। इसके साथ ही ऋतिक रोशन को फिल्म मुगले-ए-आजम की अदाकारा मधुबाला भी काफी पसंद आ गई।

मेरी सिर्फ एक गर्लफ्रेंड है

जब सलमान खान ने भरी महफिल में लिया था इस एक्ट्रेस का नाम

बॉलीवुड इंडस्ट्री के सुपरस्टार सलमान खान अपनी फिल्मों से ना सिर्फ भारत में बल्कि दुनियाभर में छाए रहते हैं। सलमान खान ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं और कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा है। सलमान खान अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ ही अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर अक्सर चर्चा में आ जाते हैं। सलमान खान ने भले ही शादी ना की हो लेकिन उनकी कई गर्लफ्रेंड रही हैं। सलमान खान का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह कह रहे हैं कि उनकी एक गर्लफ्रेंड है और इस एक्ट्रेस का नाम लिया। आइए जानते हैं कि सलमान खान ने किस एक्ट्रेस का नाम लिया है।

सलमान खान ने बताया था अपनी गर्लफ्रेंड का नाम

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के मोस्ट एलिजिबल बैचलर सलमान खान की लव लाइफ काफी चर्चित रही है। 58 साल के सलमान खान ने अब तक शादी नहीं की है। हालांकि, सलमान खान की जिंदगी में ऐश्वर्या राय, संगीता बिजलानी, सोमी अली, कटरीना कैफ सहित कई गर्लफ्रेंड रही हैं। सलमान खान के शो दस का दम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस दौरान एक बच्चे ने सलमान खान से सवाल किया, आपकी फेवरेट गर्लफ्रेंड कौन है इस पर सलमान खान ने कहा, मेरी सिर्फ एक गर्लफ्रेंड है। फिर सलमान खान कहते हैं, नाम क्या है बच्चे ने कहा, कटरीना। सलमान खान कहते हैं, ये बोल रहा है कि मेरी गर्लफ्रेंड कटरीना है। मुझे ये पता नहीं था कि बच्चा-बच्चा जानता है।

हिना खान ने बांग्लादेश के हिंदुओं के लिए आवाज उठाई

अभिनेत्री हिना खान ने रविवार को बांग्लादेश के हिंदुओं के लिए अपना समर्थन जताया और आवाज उठाई, 5 अगस्त को बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे के बाद से उन पर कथित तौर पर हमला किया गया और उन्हें घायल किया गया है। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर हिना ने एक ग्राफिक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें कई लोग सड़कों पर लेटे हुए हैं और चारों तरफ जलते हुए घर हैं। हिना जो वर्तमान में स्टेज तीन ब्रेस्ट कैंसर के लिए कीमोथेरेपी से गुजर रही हैं, ने अपने कैप्शन में लिखा- बांग्लादेश के हिंदुओं पर सभी की निगाहें, जो गलत है वह गलत है। अभिनेत्री सुरभि चंदना ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर यही ग्राफिक इमेज शेयर की है। गायक राहुल वैद्य और देवोलीना भट्टाचार्जी ने पहले हिंदुओं के लिए अपना समर्थन दिखाया था। बांग्लादेश के चटगांव में शनिवार को हजारों की संख्या में हिंदू एकत्र हुए और समुदाय पर हो रहे हमलों के खिलाफ एक विशाल विरोध रैली निकाली तथा देश के नागरिक के रूप में सुरक्षा और समान अधिकारों की मांग की।बांग्लादेश के 52 जिलों में अल्पसंख्यक समुदायों, विशेषकर हिंदुओं के सदस्यों के उत्पीड़न की असंख्य घटनाएं सामने आई हैं।

36 वर्षीय हिना की अगली फिल्म कंट्री ऑफ ब्लाइंड है। उन्होंने 28 जून 2024 को ब्रेस्ट कैंसर से जूझने का खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि पुष्टि करते हुए बताया था कि वो इस बीमारी के तीसरे स्टेज में हैं और इसका सामना करने के लिए तैयार हैं। इसके बाद से ही वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं, अपनी हेल्थ से जुड़ी जानकारी शेयर की है।

बांग्लादेश की स्थिति इन दिनों बदतर हो गई है। वहां, पर हिंसा थमने का नाम ही नहीं ले रही है। लोगों ने प्रधानमंत्री आवास में घुसकर खूब लूटपाट की। वहां पर आलम ये है कि प्रधानमंत्री शेख हसीना तक को इस्तीफा देकर भागना पड़ा। देश में लोगों का आतंक इस कदर बढ़ता जा रहा है कि सांस लेना भी दुसुआर हो गया है। लोगों का ये आतंक अब हिंदू-मुस्लिम में तब्दील होता जा रहा है। हिंदुओं के साथ जादती की जा रही है। उनके मंदिरों को तोड़ा फोड़ा जा रहा है। घर की महिलाओं को साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। इस मामले को लेकर अब एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने चिंता जाहिर की है। वहां की स्थिति को देखकर उनका दिल टूट गया है। उन्होंने नई सरकार से हालात ठीक होने की उम्मीद जताई है। साथ ही 'कठिनाइयों' का सामना करने वालों के लिए प्रार्थना की है।

अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने जताई चिंता

दरअसल, प्रीति जिंटा ने सोशल मीडिया एक्स यानी कि ट्विटर पर एक पोस्ट शेयर की है। उन्होंने लिखा, 'बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ हो रही हिंसा के बारे में सुनकर दिल टूट गया है। लोग मारे जा रहे हैं, परिवारों को अपनी जगह छोड़ना पड़ रहा है, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है और मंदिरों को तोड़ा और जलाया जा रहा है।' इसके साथ ही एक्ट्रेस ने पोस्ट में आगे नई सरकार से उम्मीद जताते हुए लिखा,'नई सरकार से उम्मीद है कि वो इस हिंसा को रोकने और अपने लोगों को सुरक्षा देने के लिए उचित कदम उठाएगी। कठिनाइयों का सामना कर रहे लोगों के लिए मेरी संवेदनाएं और प्रार्थना।'

वसुधा' में अहम किरदार निभाती नजर आएंगी नौशीन अली सरदार

अभिनेत्री नौशीन अली सरदार आगामी शो वसुधा में मुख्य भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की। अभिनेत्री ने कहा कि यह उनकी अब तक की सबसे जटिल भूमिकाओं में से एक है। धारावाहिक 'कुसुम' में अपनी मुख्य भूमिका के लिए प्रसिद्ध नौशीन इस नए शो में चर्चित चंद्रिका सिंह चौहान की भूमिका निभाती नजर आएंगी।

इस बारे में बात करते हुए नौशीन ने कहा, इस तरह की अनूठी भूमिका के साथ वापसी करना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। चंद्रिका एक सशक्त स्व-निर्मित महिला हैं, जो अनुशासन और ईमानदारी के सख्त नियमों का पालन करती हैं, जो एक कलाकार के रूप में मेरे लिए एक नई और रोमांचक चुनौती है। उन्होंने कहा, यह किरदार मेरे द्वारा अब तक निभाए गए सबसे जटिल किरदारों में से एक है। कलाकारों और क्रू ने असाधारण रूप से इसमें मेरा सहयोग किया है।

नौशीन ने कहा कि हमने हाल ही में उदयपुर में एक आउटडोर शेड्यूल पूरा किया है और जल्द ही अब मुंबई में शूटिंग शुरू करेंगे। मैं दर्शकों को जटिल रिश्तों और उस शक्तिशाली कथा को देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। इस शो में प्रिया ठाकुर भी नजर आएंगी जो वसुंधरा नामक मासूम लड़की की भूमिका निभाएंगी, जो अनुशासित और शहरी जीवन शैली से अनभिज्ञ है। वह दुनिया को भोलेपन की नजर से देखती है। उसे यह लगता है हर कोई उसके जैसा है। वह अनजाने में चंद्रिका को प्रभावित करने की कोशिश में मुसीबत में पड़ जाती है।

अर्जुन रामपाल का X अकाउंट हुआ हैक

धाकड़, डेडी, क्रैक जैसी फिल्मों में नजर आए एक्टर अर्जुन रामपाल ने हाल ही में सोशल मीडिया के जरिए बताया है कि उनका X अकाउंट (पहले ट्विटर) हैक हो गया है। अर्जुन ने इसे एक बुरी खबर कहा है।

अर्जुन रामपाल ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा है,
ये अच्छी खबर नहीं है। मेरा X अकाउंट हैक हो चुका है। प्लीज, किसी भी ट्वीट या मैसेज का रिप्लाई मत दीजिएगा। बताते चलें कि अर्जुन रामपाल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। एक्टर लगातार सोशल मीडिया पर ओलिंपिक में गए भारतीय खिलाड़ियों का हौसला बढ़ा रहे थे। उन्होंने अपने X अकाउंट से आखिरी पोस्ट 9 अगस्त को किया था, जिसमें उन्होंने एथलीट नीरज चोपड़ा को जैवलिन थ्रो में सिल्वर हासिल करने पर बधाई दी थी। उन्होंने लिखा था, अमेजिंग नीरज चोपड़ा। इस ओलिंपिक में इंडिया का हाईएस्ट मेडल। अगले ओलिंपिक में आप वर्ल्ड और ओलिंपिक रिकॉर्ड तोड़ेंगे। हमें गर्व महसूस करवाने के लिए शुक्रिया।

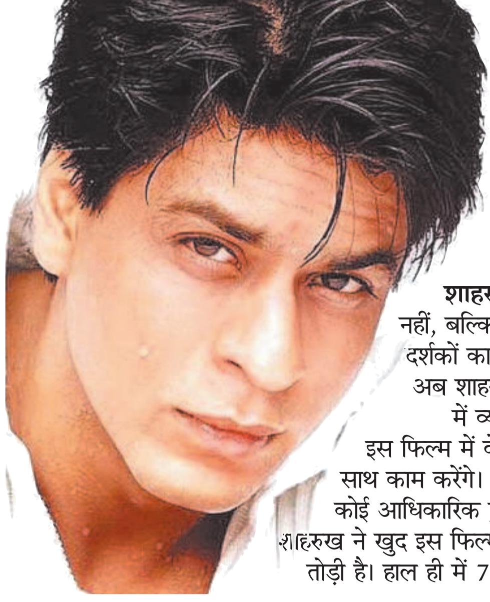

शाहरुख खान ने लगाई सुजॉय घोष की किंग की मुहर, फिल्म में सुहाना के साथ अपनी भूमिका पर भी तोड़ी चुप्पी

शाहरुख खान ने पिछले साल एक नहीं, बल्कि तीन धमाकेदार फिल्मों से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। वहीं, अब शाहरुख खान अपनी अगली फिल्मों में व्यस्त हैं, जिनमें से एक है किंग। इस फिल्म में वे अपनी बेटी सुहाना खान के साथ काम करेंगे। हालांकि, अब तक इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी, लेकिन अब शाहरुख ने खुद इस फिल्म में अपनी भूमिका पर चुप्पी तोड़ी है। हाल ही में 77वें लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल में मीडिया से बातचीत के दौरान शाहरुख ने आखिरकार अपनी आने वाली एक्शन फिल्म के बारे में बात की, जिसका निर्देशन सुजॉय घोष ने किया है। एक वीडियो में जो अब ऑनलाइन वायरल हो रहा है, अभिनेता ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की। उन्होंने कहा, अगली फिल्म जो मैं कर रहा हूं वह किंग है। मुझे इस पर काम करना शुरू करना है। थोड़ा वजन कम करना है। थोड़ा स्ट्रेच करना है, ताकि एक्शन करते समय मेरी कमर में खिंचाव न आए। शाहरुख खान को फेस्टिवल में पार्डो अला कैरियरा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने यह बताया कि वे पिछले कुछ साल से इस बारे में सोच रहे थे। एक अन्य वीडियो में उन्होंने बताया कि वे अपनी फिल्में कैसे चुनते हैं। अभिनेता ने बताया कि पिछले साल उन्होंने जवान और डंकी फिल्म पूरी की। किंग के बारे में संकेत देते हुए शाहरुख ने कहा, अब, मैं एक खास तरह की फिल्म करना चाहता हूं, जिसमें शायद उम्र पर ध्यान केंद्रित हो और मैं कुछ नया करना चाहता हूं। छह-सात साल से मैं इसके बारे में सोच रहा हूं। मैंने एक दिन सुजॉय से इस बारे में बात की और उन्होंने कहा, सर, मेरे पास एक विषय है।